आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.23
सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी 01:55 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

रविवार, 9 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 79, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 5 रुपये

ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धन शोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति की कुर्क - 12

डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर जरूरी सूचनाओं को रखने में सक्षम - 12

शटडाउन : अमेरिका में हवाई यातायात चौपट एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द - 13

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अवधी खानपान को मिला दुनिया का सलाम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

फिल्म महोत्सव में सम्मानित होंगे रजनीकांत

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में 50 वर्षों के उल्लेखनीय सफर के लिए सुपर स्टार रजनीकांत को गोवा में 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह महोत्सव 20 से 28 नवंबर तक आयोजित होगा, जिसमें दुनिया भर की विविध फिल्मों और सिनेमाई प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इस वर्ष के फिल्म महोत्सव में 81 देशों की 240 से अधिक फिल्में प्रदर्शित होंगी, जिनमें 13 विश्व प्रीमियर, चार अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर और 46 एशियाई प्रीमियर शामिल हैं।

सेबी ने डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेश के खिलाफ दी चेतावनी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने शनिवार को निवेशकों को डिजिटल या ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश को लेकर आगाह किया है। सेबी ने कहा कि ऐसे उपकरण उसके नियामकीय ढांचे से बाहर हैं और इनमें निवेश से जुड़ा जोखिम अधिक है। यह चेतावनी तब आई है जब सेबी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन मंच भौतिक सोने में निवेश के आसान विकल्प के रूप में 'डिजिटल गोल्ड' या 'ई-गोल्ड' उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सेबी ने एक बयान में कहा, इस बारे में सूचित किया जाता है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों से भिन्न हैं, क्योंकि इन्हें प्रतिभूति के रूप में अधिसूचित किया गया है।

जीवन साथी चुनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता व निजता का अभिन्न अंग

नई दिल्ली। जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता संविधान के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न अंग है तथा परिवार या समुदाय सहमति से विवाह करने वाले दो वयस्कों की पसंद में बाधा नहीं डाल सकते। यह बात दिल्ली उच्च न्यायालय ने शीर्ष कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कही। हाईकोर्ट ने कहा कि शीर्ष अदालत ने माना है कि भारत में जाति का सामाजिक प्रभाव अब भी मजबूत है और अंतरजातीय विवाह एकीकरण को बढ़ावा देकर और जातिगत विभाजन को कम करके एक मूल्यवान संवैधानिक व सामाजिक कार्य करते हैं।

तीर्थाटन-पर्यटन से यूपी में मिला लाखों लोगों को रोजगार : मोदी

प्रधानमंत्री ने काशी से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना किया, जबकि दिल्ली-फिरोजपुर, लखनऊ-सहारनपुर और एर्नाकुलम-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में तीर्थाटन और पर्यटन से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में बाबा विश्वनाथ के पावन नगरी में सभी प्रणाम निवेदित करते हुए कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला। पीएम ने कहा, विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वाराणसी में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते प्रधानमंत्री मोदी।

यूपी में तीर्थाटन और पर्यटन की आर्थिकी

- 2025 में अनुमानित पर्यटक आगमन : 65 करोड़ से अधिक
- 2028 तक अनुमान : 80 करोड़ पर्यटक
- 2028 तक आर्थिक अनुमानित योगदान : 70,000 करोड़
- मुख्य लाभ : आतिथ्य, परिवहन, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को बढ़ावा
- 2023 में प्रमुख शहरों का योगदान : अयोध्या, वाराणसी, मथुरा और प्रयागराज में 28.79 करोड़ पर्यटक
- 2025 में इन चार स्थलों पर आगमन : 41.56 करोड़ पर्यटक

काशी अब पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल

मोदी ने कहा कि काशी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल बन गया है। पहले मरीजों को इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। कहा कि काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। शहर में गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं।

आस्था का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना

मोतिहारी/पिपरा, एजेंसी

- सीएम योगी बिहार में विपक्ष पर बरसे, कहा- कांग्रेस-आरजेडी ने यहां की मेधा को किया कुंद
- कहा- राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का विरोध कर रहे हैं महागठबंधन वाले

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के रण में शनिवार को ताबड़तोड़ तीन रैलियां करके कांग्रेस-राजद महागठबंधन पर करारा हमला बोला। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के प्रत्याशियों को लेकर विपक्षी दलों को घेरा। योगी ने कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। राम का विरोध और आस्था का अपमान करने वालों को कतई वोट नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने मोतिहारी, पिपरा और अतरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने राजद, कांग्रेस, ए माले समेत महागठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस राम को नकारती थी, राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी। कांग्रेस और महागठबंधन वाले भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद, ए माले व इनके सहयोगी अपने-अपने क्षेत्र के कुख्यात सरगना और जंगलराज के अपराधी हैं। जिस बिहार ने दुनिया को ज्ञान दिया। उसे राजद, नक्सलवाद व माओवादियों के गठबंधन ने साक्षरता में पीछे ढकेल दिया। अपनी प्रतिभा व मेधा के लिए जगविख्यात बिहार का नौजवान पहचान के लिए मोहताज हुआ तो इसकी दोषी कांग्रेस, राजद व ए माले है। अयोध्या से सीतामढ़ी को जोड़ने वाले राम जानकी मार्ग पर 6155 करोड़ से काम शुरू हो गया है। अब गोरखपुर से सिलीगुड़ी को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे भी मोतिहारी होते हुए जाएगा।

बिहार को अंधकार में धकेला

योगी ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय, चाणक्य और आर्यभट्ट की धरती को राजद-कांग्रेस ने अंधकार में धकेल दिया। दुनिया नालंदा में ज्ञान लेने आती थी, जहाँ एक साथ दस हजार विद्यार्थी पढ़ते थे, लेकिन राजद-कांग्रेस के शासन में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे पहुंच गया। कहा कि जब एनडीए ने सत्ता संभाली, तब बिहार की साक्षरता दर 33% थी, जिसे अब बढ़ाकर 75% तक पहुंचाया गया है। पीएम मोदी 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहे हैं, जबकि यह लोग (विपक्षी दल) गरीबों का राशन और पशुओं का चारा खा गए थे।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर, एजेंसी

- जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कर रहे थे कोशिश
- सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों पर फायरिंग की

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ के प्रयास के बारे में एजेंसियों से मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर शुक्रवार को एक अभियान शुरू किया गया। सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर आतंकवादियों को रुकने को कहा लेकिन उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इसमें कहा गया है, सुरक्षा बलों ने जारी अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया है। इलाके में तलाश अभियान जारी है।

एयर शो

गुवाहाटी में 93वें वायु सेना दिवस समारोह को लेकर एयर शो के लिए अभ्यास करते भारतीय वायु सेना के विमान।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर तक

नई दिल्ली, एजेंसी

- 15 बैठकें होंगी, विपक्ष ने कम बैठकों के लिए सरकार की आलोचना की

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को घोषणा की कि संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विपक्ष ने इसे बहुत देर से बुलाया गया और संक्षिप्त सत्र बताया।

तीन सप्ताह के इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि यह सत्र निर्वाचन आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को अंजाम दिए जाने के बीच हो रहा है। कई विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर आपत्तियां जताई हैं। संसद के मानसून सत्र में भी बिहार में एसआईआर को लेकर कई विपक्षी दलों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण संसद में प्रतिदिन व्यवधान उत्पन्न हुआ। रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है

एच1बी वीजा दुरुपयोग मामले में 175 जांच शुरू करेगा ट्रंप प्रशासन

न्यूयॉर्क। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में लगभग 175 जांच शुरू की हैं, जिनमें कम वेतन, कार्यस्थलों का अभाव और कर्मचारियों की बेंचिंग जैसी खामियां शामिल हैं।

अमेरिकी श्रम विभाग के अनुसार, ये जांच अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। श्रम विभाग ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के अपने मिशन के तहत, हमने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में 175 जांच शुरू की हैं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और श्रम सचिव लोरी शावेज-डेरेमर के नेतृत्व में, एजेंसी अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता देने के लिए कार्रवाई जारी रखेगी। शावेज-डेरेमर ने 'एक्स' पर कहा कि श्रम विभाग एच-1बी वीजा के दुरुपयोग को रोकने और अमेरिकी नौकरियों की रक्षा के लिए अपने हर संसाधन का उपयोग कर रहा है। भारतीय पेशेवर, जिनमें तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कर्मी और चिकित्सक शामिल हैं, एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूह में शामिल हैं।

फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित छात्र ने खुद को लगाई आग

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे के डीएवी कॉलेज में शनिवार को फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए गए एक छात्र ने आत्मदाह का प्रयास किया। छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि डीएवी कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल राणा (22) ने शुल्क जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए जाने से क्षुब्ध होकर खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि 70 प्रतिशत तक जल चुके छात्र उज्ज्वल को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 400 पार, रेड जोन में

- वजीरपुर में 420 और बुराड़ी में 418 दर्ज किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली के कई हिस्सों में शनिवार को वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी देश के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन शाम 4 बजे दर्ज किया जाने वाला 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को 361 रहा, जिससे दिल्ली रेड जोन में पहुंच गई और यह देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया।

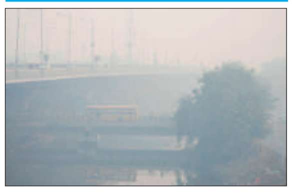

शहर के कई इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों से प्राप्त सीपीसीबी के समीर एप के आंकड़ों के अनुसार, अलीपुर में एक्यूआई 404, आईटीओ पर 402, नेहरू नगर में 406, विवेक विहार में 411, वजीरपुर में 420 और बुराड़ी में 418 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, एनसीआर क्षेत्र में नोएडा में एक्यूआई 354, ग्रेटर नोएडा में 336 और गाजियाबाद में 339 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आते हैं।

श्रीराम मंदिर में रेशम के धागे से बना केसरिया ध्वज फहराएंगे प्रधानमंत्री

अयोध्या कार्यालय

- अहमदाबाद में हो रहा तैयार कोविदार वृक्ष, सूर्य और ॐ के चिन्ह होगा अंकित

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को मंदिर के शिखर पर रेशम के धागे से बने ध्वज फहराया जाएगा। जिसे अहमदाबाद में तैयार किया जा रहा है। केसरिया रंग के ध्वज में कोविदार वृक्ष, सूर्य और ॐ के चिन्ह अंकित होगा। राम मंदिर की 191 फीट ऊंचे शिखर पर लगे ध्वज को प्रत्येक वर्ष विजयादशमी के अवसर बदले जाने के प्रस्ताव पर मंथन हो रहा है।

ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवाह पंचमी तिथि पर 25 नवंबर को अभिजीत मुहूर्त में राम जन्मभूमि परिसर पहुंचेंगे। चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में आहुति देने के बाद दोपहर लगभग 12 बजे शुभ मुहूर्त में शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान सरसंघचालक मोहनभागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। कहा कि मंदिर के 800 मीटर की परिधि में बने परकोटा कॉरिडोर में बने छह अन्य मंदिरों पर साधु-संतों के द्वारा ध्वजारोहण का कार्य संपन्न होगा। शिखर पर ध्वजारोहण के बाद रखरखाव व समय पर ध्वज को बदले जाने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा गठित धार्मिक समिति की बैठक में शारदीय नवरात्र और ग्रीषकालीन नवरात्र के अवसर कार्य संपन्न करने का प्रस्ताव था, लेकिन ट्रस्ट में अभी विजय दशमी के अवसर पर ही ध्वज बदले जाने को लेकर सहमति बन रही है।

सम्मान | उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में निरक्षरता चक्र को तोड़ा

बेटियों का भविष्य सुधारने वाली 'एजुकेट गर्ल्स' को रेमन मैग्सेसे

मनीला, फिलीपींस एजेंसी

- फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुआ समारोह का आयोजन

भारतीय गैर-लाभकारी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था ने यह सम्मान उन हजारों क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और युवा मार्गदर्शकों को समर्पित किया है, जिन्होंने दूरदराज के गांवों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों की शिक्षा के लिए काम किया है।

इस पुरस्कार की सार्वजनिक रूप से घोषणा 31 अगस्त को की गई थी और औपचारिक समारोह शुक्रवार को फिलीपींस की राजधानी स्थित मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित हुआ। वर्ष 2007 में स्थापित 'एजुकेट गर्ल्स' उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में गरीबी और निरक्षरता के चक्र को तोड़ने के लिए काम करती है। 55 हजार से अधिक समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों के समर्थन से यह गैर-लाभकारी संगठन 20 लाख से अधिक लड़कियों को स्कूल वापस लेकर लाया है और शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 24 लाख से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई है। 'एजुकेट गर्ल्स' की स्थापना 2007 में 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' की स्नातक सफीना हुसैन ने की थी। संस्था की सीईओ गायत्री नायर लोबो ने कहा कि यह सम्मान लड़कियों को शिक्षित करने के एक उद्देश्य से एकजुट होकर एक साथ आने वाले लोगों की अद्भुत शक्ति की याद दिलाता है। यह हमारे सामूहिक प्रयासों, नवोन्मेषी कार्यक्रमों और सरकार की प्रभावशाली योजनाओं का सम्मान करता है। क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों समेत 25 सदस्यीय 'एजुकेट गर्ल्स' टीम पुरस्कार समारोह के लिए फिलीपीन्स की राजधानी पहुंची थी।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार | सफीना हुसैन

साहस व धैर्य से हमें प्रेरित करती हैं लड़कियां : सफीना हुसैन

पुरस्कार स्वीकार करते हुए 'एजुकेट गर्ल्स' संस्था की सफीना हुसैन ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी लड़कियों के लिए है, जो अपने साहस और धैर्य से हमें प्रेरित करती हैं। वे लड़कियां जो घरेलू जिम्मेदारियों को संभालती हैं और अपने-अपने परिवार और अपने देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए देर रात तक पढ़ाई करती हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान के माध्यम से हम उन अभिभावकों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और 'टीम बालिका' के 55,000 स्वयंसेवकों का सम्मान करते हैं जो हर दिन हमारी लड़कियों के साथ खड़े होते हैं। उनका समर्पण दर्शाता है कि जब समुदाय लड़कियों को शिक्षित करने के लिए एकजुट होते हैं, तो हर लड़की को अवसर, विकल्प, आवाज और स्वतंत्रता मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

फ्री राशन वितरण शुरू 25 तक चलेगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में निःशुल्क राशन वितरण का विशेष अभियान शनिवार से शुरू हो गया है, जो 25 नवंबर तक चलेगा। खाद्य एवं रसद विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों के आपूर्ति अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वितरण पूरी तरह ई-पास मशीन के माध्यम से दर्ज किया जाएगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी पात्र कार्डधारक को राशन से वंचित न रहना पड़े। फ्री राशन वितरण योजना के तहत पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल, यानी कुल 5 किलो अनाज प्रति सदस्य निःशुल्क दिया जाएगा। वहीं, अंत्योदय कार्डधारकों को 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल, यानी कुल 35 किलो राशन फ्री मिलेगा।

वंदे भारत ट्रेनों से यूपी में पर्यटन को नई उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बनारस से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन ट्रेनों से राज्य में पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी। शुरू होने वाली इन ट्रेनों में बनारस-खजुराहो और लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वंदे भारत ट्रेनें यात्रियों को न केवल तेज, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव देंगी, बल्कि काशी, प्रयागराज, लखनऊ, सहारनपुर और बुंदेलखंड जैसे प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच को आसान बनाएंगी।

भारत पर्व में प्रतिभाग करेंगे प्रदेश के कलाकार

अमृत विचार, लखनऊ : संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भारत पर्व 2025 में भाग लेने के लिए संस्कृति विभाग उप्र. के चयनित सांस्कृतिक दल केवड़िया (गुजरात) के लिए प्रस्थान करेगा। यह पहल उप्र. की कला और संस्कृति को "संरक्षण से संवर्धन" की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे प्रदेश की संस्कृति को भारत की आत्मा के रूप में पहचाना जाएगा और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना जीवंत होगी। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि विभाग द्वारा चयनित सांस्कृतिक दल में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ कलाकार शामिल हैं, जो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित करेंगे।

प्रधानमंत्री को सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार में चुनावी सभाओं में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। मै तेजस्वी यादव से कहूंगा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार के मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर उनको आगे की पढ़ाई के लिए मदद करेंगे। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि दिल्ली से जो आते हैं, वे प्रधानमंत्री नहीं उद्योगपति हैं। उन्हें गरीबों की चिंता नहीं है। उन्होंने महंगाई चरम पर पहुंचा दिया है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए। डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ा दिये। उन्हें गरीबों नहीं सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता है। उन्होंने बताया कि भाजपाई उद्योगपतियों को बैंकों से पैसा दिलाते हैं। उद्योगपतियों को बढ़ाते हैं। पिछले दस साल में अपने करीबी उद्योगपतियों को बैंकों में जमा जनता का पैसा दिलाकर बहुत आगे बढ़ा दिया है। जनता भाजपा के धोखा और झूठ को समझ गयी है।

चुनाव आयोग जिम्मेदारी नहीं निभा रहा : आराधना

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। वह कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ईसीआई आधार कार्ड को आईडी नहीं मान रहा है, तो पीएम नरेंद्र मोदी खुद जवाब दें। क्योंकि वे लगातार आधार का ही बखान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में एसआईआर का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए संविधान बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू हो रहा है। इसका हर हाल में विरोध किया जाएगा। राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा। इसे रोकने की मांग की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया, सांसद उज्ज्वल रमन सिंह, किशोरी लाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने बाल कवि सम्मेलन कराने की जताई इच्छा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मोदी ने विद्यार्थियों की कविता सुन रचनात्मकता को सराहा**
- **मुख्यमंत्री जल्द पीएम की इच्छा अनुरूप बनाएंगे कार्ययोजना**

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वंदे भारत ट्रेनों के शुभारंभ समारोह में काशी के विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए 'बाल कवि सम्मेलन' आयोजित कराया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया कि शिक्षक और प्रशासन मिलकर इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करें। मोदी के इस निर्देश पर जल्द ही योगी सरकार कार्ययोजना तैयार करेगी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन के दौरान सीट पर बैठे बच्चों से बात करने पहुंचे। इसी दौरान विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत' विषय पर शानदार कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। इससे पीएम मोदी इतने आह्लादित हुए कि मंच से जिक्र करना नहीं भूले। कहा कि काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि बच्चों की रचनात्मक सोच विकसित भारत की मजबूत नींव रखेगी। ये बच्चे ही भविष्य के इंजीनियर, वैज्ञानिक, कवि और नीति निर्माता हैं। हमें उनकी प्रतिभा को मंच देना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी की ऊर्जा और उत्साह पूरे देश को प्रेरित करता है। विकसित भारत के निर्माण में काशी का योगदान हमेशा अग्रणी रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को विकसित भारत के युवा दूत बताते हुए उन्हें नई तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

शनिवार को वाराणसी के दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी को विदा करते मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

बच्चों में पढ़ने की आदत जगाएगा शिक्षा विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती लत से दूर कर बच्चों को पुस्तकों के प्रति आकर्षित करने की दिशा में अब शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। विभाग के निर्देश पर अब विद्यार्थियों को हर सप्ताह एक नई पुस्तक पढ़ने को दी जाएगी, जो उनके पाठ्यक्रम से अलग होगी। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उस पुस्तक का सारांश प्रस्तुत करना होगा। साथ ही, विद्यालयों में पुस्तक आधारित प्रतियोगिताएं, चर्चाएं और क्विज भी कराई जाएंगी।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों पुस्तक पढ़ो अभियान को विद्यालयों में व्यापक रूप से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न के स्थान पर पुस्तक भेंट की जाए। इसके अलावा, विद्यालयों में पुस्तक चर्चा, समीक्षा सत्र और साहित्यिक गोष्ठियां आयोजित की जाएं ताकि विद्यार्थी केवल पढ़ें ही नहीं, बल्कि अपने विचार साझा करने की भी आदत विकसित करें।

15 तक सभी जिलों में गणना प्रपत्र करें वितरित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नवदीप रिणवा

- **मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करें: रिणवा**
- **कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो**
- **अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूरी**

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो। कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो और सभी पात्र नागरिकों के नाम अवश्य जोड़े जाएं।

वे शनिवार को प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति को लेकर वर्चुअल बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया और आयोग के निर्देशों से अवगत करा दिया है। राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध किया गया है, जो बीएलओ का सहयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने समीक्षा में पाया कि अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूर्ण हो चुकी है। हालांकि प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ में वितरण की गति धीमी पाई गई। इन जिलों को 15 नवंबर तक शत-प्रतिशत वितरण पूरा करने के निर्देश दिए गए।

रिणवा ने कहा कि सभी बीएलओ एडवांस वर्जन 8.7 वाले बीएलओ को प्ले स्टोर से डाउनलोड करें और जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए जा रहे हैं, उन्हें ऐप पर मार्क करते रहें, ताकि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके। मतदाता स्वयं भी voters.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से गणना प्रपत्र ऑनलाइन भर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान सूची की मैपिंग का कार्य दो दिनों में पूर्ण किया जाए। मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने "बुक ए कॉल विद बीएलओ" सुविधा भी प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत कोई भी मतदाता पोर्टल पर आवेदन कर अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट कर सकता है। बीएलओ को 48 घंटों के भीतर संपर्क कर निस्तारण करना होगा। रिणवा ने स्पष्ट किया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही या निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

मतदाताओं को फोन कर हो रहा समाधान

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की तरह प्रचार-प्रसार हो। सभी जिलों में जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) संचालित कर दिए गए हैं, जहां मतदाताओं की कॉल दर्ज कर समाधान किया जा रहा है। किसी भी जिले में डीसीसी से संपर्क के लिए उस जिले के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करना होगा।

सोशल मीडिया पर साझा होगी दैनिक प्रगति

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि एसआईआर की दैनिक प्रगति मीडिया और सोशल मीडिया पर साझा की जाए और किसी भी भ्रामक पोस्ट का तथ्यपरक उत्तर तत्काल दिया जाए। बीएलओ को मानदेय समय से प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

टेंडर में कम रेट डालने पर देनी होगी डेढ़ गुना सिक्योरिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लोक निर्माण विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव**
- **मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद कैबिनेट में होगा पेश, ठेकेदारों पर बढ़ेगा वित्तीय अनुशासन**

अमृत विचार : सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। इसी मकसद से लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया के नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी की है। अब अगर कोई ठेकेदार विभागीय लागत से बहुत कम दर पर टेंडर भरेगा, तो उसे 50 से 150 प्रतिशत तक अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के बाद प्रस्ताव राज्य कैबिनेट में अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

लोक निर्माण विभाग का मानना है कि बेहद कम रेट पर बोली लगाने से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है, इसलिए ठेकेदारों को सोच-समझकर रेट भरने की दिशा में यह बड़ा कदम है। अभी तक के नियमों के अनुसार, यदि ठेकेदार विभागीय लागत से कम दर लगाता है तो उतने प्रतिशत का परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करना होता है, पर नई व्यवस्था में यह काफी सख्त की गई है।

हर टेंडर पर लागू होगा नया नियम

प्रस्ताव के अनुसार, यह प्रावधान सड़कों, पुलों, पुलियों, भवनों सहित सभी प्रकार के सरकारी निर्माण कार्यों के टेंडरों पर लागू होगा। विभाग का तर्क है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए ठेकेदारों की वित्तीय जवाबदेही और जोखिम दोनों बढ़ाने होंगे। नया प्रावधान ठेकेदारों को कम दरों की अनावश्यक होड़ से रोकेगा। जो भी कार्य होंगे, वे गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरेंगे। इसका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

प्रस्ताव के मुताबिक, यदि किसी ठेकेदार या निर्माण एजेंसी ने टेंडर में विभाग द्वारा आगणित लागत से 10 प्रतिशत तक कम रेट भरा है, तो उसे कोई अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी नहीं देनी होगी। 10 से 15 प्रतिशत कम रेट डालने पर लागत के अंतर का 50 प्रतिशत परफार्मेंस सिक्योरिटी के रूप में जमा कराना होगा।15 से 20 प्रतिशत कम रेट पर यह सिक्योरिटी 100 प्रतिशत होगी। 20 प्रतिशत से अधिक कम रेट डालने वालों को लागत के अंतर का 150 प्रतिशत तक परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी।

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **भाजपा का मतदाता पुनरीक्षण अभियान संगठन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय : धर्मपाल**

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची सशक्त लोकतंत्र की बुनियाद है। हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न होना, यही सच्चे लोकतांत्रिक समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि जिला व विधानसभा स्तर पर वॉर रूम बनेगा।

वह शनिवार को चंदौसी और गाजीपुर में आयोजित बैठक में मंडल अध्यक्षों, विधानसभा संयोजकों और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का मतदाता पुनरीक्षण अभियान संगठन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। इस अभियान के माध्यम से पार्टी हर गांव, हर गली और हर घर तक पहुंचेगी ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो और बोगस मतदाताओं के नाम हटाए जाएं। यह अभियान केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि लोकतंत्र को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने का एक राष्ट्रीय दायित्व है।

अलीगढ़ में एसआईआर पर लगाई जाए रोक : सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **2003 की मतदाता सूची से एसआईआर कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन**

अमृत विचार: सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जारी स्पेशल इन्टेंसिव रीविजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाए और निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुरूप 2003 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर कराई जाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि अलीगढ़ के 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 383 पोलिंग स्टेशनों की 2003 की मतदाता सूची न तो निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, न ही जिला निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ के पास। ऐसी स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 2002 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर शुरू कराई जा रही है, जबकि करीब 150 पोलिंग स्टेशनों के बीएलओ. के पास 2002 की सूची भी नहीं है।

उन्होंने बताया कि 2003 की सूची उपलब्ध न होने की स्थिति में बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट सकते हैं, जो लोकतंत्र की हत्या के समान होगा और निर्वाचन आयोग के नियमों का खुला उल्लंघन है।

प्रदेशभर में भाजपा निकालेगी एकता पदयात्राएं, तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने की तैयारियों की समीक्षा**

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के राष्ट्रीय संयोजक सुनील बंसल ने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ अभियान की तैयारियों को लेकर वर्चुअल बैठक सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। यह आयोजन 10 से 20 नवंबर के बीच प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में यूनिटी मार्च पदयात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ गांव, गली और शहरों तक पहुंचेंगी।

बंसल ने कहा कि प्रत्येक पदयात्रा लगभग 8 से 10 किलोमीटर मार्ग तय करेगी। यात्रा मार्ग पहले से निर्धारित कर तैयारी बैठकें की जाएंगी। पदयात्रा की शुरुआत किसी बड़े कार्यक्रम से होगी, मार्ग में पौधरोपण, सांस्कृतिक आयोजन तथा समापन स्थल पर सभा आयोजित की जाएगी। बंसल ने बताया कि यात्राओं का नेतृत्व प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक करेंगे।

छापेमारी में मिले 43 लाख नकद और दस्तावेज

मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले मामले में कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **गुरुवार को यूपी, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर एक साथ हुई थी छापेमारी**

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की यह कार्रवाई मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले की जांच के दौरान की गई। छापेमारी के दौरान टीम को 43 लाख रुपये नकदी, अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिले।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी के संबंध में शुक्रवार देर रात को सूचना जारी की। साथ ही अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर जानकारी दी। ईडी के अधिकारी के मुताबिक, गुरुवार की छापेमारी के दौरान 43 लाख रुपये, कई गोपनीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किये गये हैं। सारे दस्तावेज फर्जी डिग्रियों की बिक्री और कथित धनशोधन से जुड़े बताए जा रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में एक साथ 15 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी की टीमें नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, दिल्ली और गुरुग्राम सहित कई स्थानों पर पहुंचीं और संदिग्ध लोगों के आवासों व कार्यालयों की तलाशी ली। इस दौरान डिजिटल डेटा, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और फर्जी डिग्री से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

यह था मामला

यूपी एसटीएफ ने 18 मई को मोनाड विश्वविद्यालय में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में जाली शैक्षणिक दस्तावेज बरामद हुए। जिसमें अंकपत्र, डिग्री, प्रोविजनल सर्टिफिकेट व माइग्रेशन सर्टिफिकेट शामिल थे। ये सारे मोनाड विश्वविद्यालय पिलखुआ हापुड़ द्वारा जारी किये गये थे। आरोपियों ने हजारों रुपये लेकर ये सारे दस्तावेज बेचे थे। इस मामले में एसटीएफ ने तत्काल दस आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ पिलखुआ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि विजेंद्र सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह हुड्डा इस संगठित गिरोह का मास्टरमाइंड और सरगना है। वह मोनाड विश्वविद्यालय का कुलाधिपति और नियंत्रक अधिकारी है। साथ ही इसकी जानकारी हुई कि वह सरस्वती मेडिकल कॉलेज, उन्नाव का सचिव भी है। इस मामले में एसटीएफ 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया है।

अपने क्षेत्र में फर्जी वोटर पहचानें और शिकायत करें : ब्रजेश पाठक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वोटर लिस्ट का अध्ययन करें। अपने क्षेत्र के फर्जी वोटरों को पहचानें और उनकी शिकायत करें। व्यापक स्तर पर विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान आयोजित किया जा रहा है। उप्र. विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुट जाएं। प्रदेश में मतदाता सूची को त्रुटि-मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चल रहा है। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का विवरण ले रहे हैं। उप मुख्यमंत्री, शनिवार को कैंट विधानसभा क्षेत्र के बीएलए एवं बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

खुलासा — नौ दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर चल रही पूछताछ, उगले कई राज

युवकों को जिहाद के लिए तैयार कर रहा था बिलाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एटीएस की गिरफ्त में है एक्यूएएस संगठन का सक्रिय सदस्य**

अमृत विचार: सहारनपुर का रहने वाला बिलाल खान जिस आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूएएस) का सक्रिय सदस्य है। उसका गठन तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने किया था। इसके माध्यम से भारत में आतंकी गतिविधियों और हिंसात्मक जिहाद करने की साजिश रची जाने लगी। बिलाल ने इसके लिए जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तर भारत के कई राज्यों में नेटवर्क खड़े करने लगा। युवकों से सीधा संपर्क कर उनको हिंसात्मक जिहाद के लिए तैयार करने लगा। इसके लिए वह ऑपरेशन सिंदूर में मारे गये आतंकियों को बिलाल खान ने शहीद बताया। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ कि वह हिंसात्मक जिहाद से जुड़े हजारों लोगों की सूची भी तैयार कर रखा था। जिनके मोबाइल पर उसने भड़काऊ वीडियो भी भेजे हैं।

एटीएस की जांच में सामने आया कि बिलाल पाकिस्तान के 4 हजार नंबरों से लगातार संपर्क में था। वह ओसामा, अल जवाहरी व मसूद अजहर की तरह बन कट्टरवाद को पूरी दुनिया में फैलाना चाहता था। उसके निशाने पर भारत के प्रमुख राज्य, धार्मिक स्थल और धर्मगुरु निशाने पर थे। एटीएस को जब इसकी जानकारी हुई जांच शुरू की और 15 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर बिलाल को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस की अर्जी पर कोर्ट ने 4 नवंबर से 12 नवंबर तक की नौ दिन की रिमांड मंजूर की है। अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य था। बिलाल द्वारा अपने पाकिस्तानी हैंडलर के जरिये ऑर्गेनाइजेशन से ज्वाइन करने के बाद सामने आई। यह लगातार पाकिस्तानी हैंडलर से बात करता और उनके माध्यम से एक्यूआईएस की गतिविधि अंजाम देने के लिए निर्देश मिलते थे।

एटीएस की पूछताछ व बिलाल के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कई अहम राज सामने आये। बिलाल ने एक्यूआईएस की बयत (निष्ठा की शपथ) अपने पाकिस्तनी हैंडलर से ले रखी थी। एटीएस बिलाल व उसके साथियों से पिछले पांच दिन से पूछताछ कर रही है। कुछ अहम सुराग मिले हैं। जिसके आधार पर अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तान से करता था मॉड्यूल का संचालन

तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने अपने इंडियन सब कांटीनेंट माड्यूल (एक्यूआइएस) का गठन किया था और भारत में इसकी गतिविधियों को बढ़ाने की जिम्मेदारी अलकायदा के चीफ रहे खूंखार आतंकी अल जवाहिरी को सौंपी गई थी। अल जवाहिरी की अफगानिस्तान में मौत हो गई थी। उसके बाद मौलाना असिफ उमर को इंडियन माड्यूल को आगे बढ़ाने का जिम्मा सौंपा गया था। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के संभल का निवासी असिम उमर पाकिस्तान चला गया था और वहीं से इस माड्यूल का संचालन कर रहा था। पाकिस्तान में रहकर वह भारत में आतंकियों की नर्सरी तैयार करने में जुटा था।

बिजली बिल समय से चुकाएं सरकारी संस्थान : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने सभी राजकीय एवं अर्द्धराजकीय संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विद्युत बिलों का भुगतान समय पर करें, ताकि विलंब भुगतान अधिभार(अर्थदंड) से बचा जा सके। शासन ने स्पष्ट किया है कि विद्युत बिलों का भुगतान अब केंद्रीयकृत रूप से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा किया जाना निर्धारित है, बावजूद पंचायती राज विभाग के अधीन संस्थान, जल निगम (नगरीय एवं ग्रामीण) आदि अभी भी स्थानीय स्तर पर भुगतान कर रहे हैं।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्य के सरकारी व अर्द्धसरकारी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शासनादेश संख्या 1/2022/ई-099/22/2022, 05 मई 2022 के अनुसार यह व्यवस्था लागू की गई थी, ताकि सभी सरकारी उपभोक्ता समय से बिल चुका सकें। परंतु कुछ संस्थाओं द्वारा भुगतान में देरी के कारण यूपीपीसीएच को उत्पादकों को भुगतान करने में कठिनाई हो रही है, जिससे पावर कॉरपोरेशन को या तो राज्य सरकार से अतिरिक्त धनराशि मांगनी पड़ती है या फिर ऊंची ब्याज दर पर लोन लेना पड़ता है।

अनुराग
हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि
से आपरेशन
अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

वत्सला ने पीएम की मौजूदगी में गाया वंदे मातरम्

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। देशभर में इन दिनों राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की धूम मची है। दो दिन पहले ही 150वीं वर्षगांठ उत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुई। इसमें खंड शिक्षा अधिकारी सदर की पुत्री ने भी शास्त्रीय संगीत शिक्षा की हैसियत से शिरकत कर वाहवाही लूटी। कन्नौज व कानपुर समेत कई जगह इसकी खूब चर्चा हो रही है।

कानपुर के किदवईनगर निवासी डॉ. उमेश बाजपेयी (उन्नाव में इंटर कॉलेज के प्रवक्ता) व मधुलिका बाजपेयी (बीईओ कन्नौज) की 18 वर्षीय पुत्री वत्सला इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हैं। इन दिनों वह जेईई की तैयारी कर रहीं हैं। उनकी मां मधुलिका बाजपेयी ने बताया कि छोटे से ही पुत्री को संगीत का शौक रहा। परिवार ने इसे निखारने में सहयोग दिया। कानपुर के ही ध्रुपद गायक पं. विनोद द्विवेदी के यहां बेटी शास्त्रीय संगीत सीख रही है। इससे पहले घर में भी उसने संगीत सीखा। प्रधानमंत्री कार्यालय से पं. द्विवेदी को बेहतर शिष्यों की टीम के साथ शास्त्रीय संगीत व वंदे मातरम् गीत आदि के लिए आमंत्रित किया गया। इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित हुए कार्यक्रम में बेटी वत्सला भी शामिल हुई और टीम के साथ गायन का मौका मिला। पीएमओ ने रहने, फ्लाइट से आने-जाने का खर्च उठाया। इससे पहले वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण में भी उसे गीत गाने का सौभाग्य मिला था। उस दौरान अपर मुख्य सचिव ने उसे प्रशस्ति पत्र भी दिया। वत्सला को संगीत नाट्य पुरस्कार व सीसीआरटीसी छात्रवृत्ति मिल चुकी है। जिसे भी बीईओ की बेटी के प्रधानमंत्री के वंदे मातरम् वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने की खबर मिली उसने बधाई जरूर दी।

वंदे मातरम् गीत की प्रस्तुति देतीं वत्सला (पीले घेरे में) और अन्य लोग। अमृत विचार

कलाकारों का ताली बजाकर उत्साह बढ़ाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

- ध्रुपद गायक पं. विनोद द्विवेदी की टीम में शामिल होकर दिल्ली पहुंची यूपी की बेटी
- मां मधुलिका बाजपेयी कन्नौज की बीईओ और पिता डॉ. उमेश बाजपेयी उन्नाव में हैं प्रवक्ता

रासलीला के साथ हुआ धनुष यज्ञ का समापन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। मानीमऊ के उदैतापुर गांव में चल रही 107 साल पुरानी रामलीला में धनुष यज्ञ समेत तमाम लीलाओं का आयोजन किया गया। अंतिम दिवस रासलीला के साथ आयोजन का भव्य तरीके से समापन किया गया। इस दौरान सर्दी के बाद भी दर्शक पूरी रात जमे रहे और लीला का आनंद लेते रहे।

मुखियाजी के दरवाजे स्थित रामलीला ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ, राम विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद का मंचन आकर्षक तरीके से किया गया। मंचन देखने के लिए शाम से ही भीड़ एकत्र होती और रात भर जमी रहती। अंतिम दिवस पर वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा रास लीला का मनोहारी मंचन किया गया। इसका शुभारंभ प्रमुख उद्यमी प्रमोद द्विवेदी ने आरती कर किया। द्विवेदी ने बताया कि यह रामलीला पिछले 107 साल से होती आ रही है। जानकारी दी कि धनुष यज्ञ में कानपुर, चित्रकूट, बांदा से आए कलाकारों ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।

उदैतापुर में रामलीला मैदान में रासलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

बेटे की तहरीर पर महिला की गुमशुदगी की दर्ज

सौरिख। थाना क्षेत्र के नगला झाबर गांव निवासी नीतेश कुमार राजपूत पुत्र वीरपाल राजपूत ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया शुक्रवार दोपहर 2 बजे मां पप्पी देवी (40) घर से बिना बताए कहीं चली गई। देर शाम तक न लौटने पर काफी खोजबीन की लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दी।

पुलिस लाइन में रक्तदान करते जवान व साथ में मौजूद सीएमएस डॉ. शक्ति बसु और एलटी सुनील पाठक।

स्वैच्छिक रक्तदान 10 ने किया महादान

कन्नौज। पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर 10 पुलिस जवानों ने रक्तदान किया। शनिवार को पुलिस लाइन मे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन के आर आई सुखपाल सिंह ने शिविर का उद्घाटन किया। इसके बाद पुलिस जवानों ने रक्तदान किया। इसके बाद सीमा ने पुलिस जवानों को रक्तदान से होने वाले लाभ के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि की कोई भी 60 वर्ष तक का स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से उसे किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होती है। कुछ ही घंटे में उसके शरीर का रक्त पूरा हो जाता है। रक्तदान करने से शरीर में होने वाली कई बीमारियों से निजात मिलती है।

घर पर हमला बोल अगवा करने का किया प्रयास

पड़ोसियों ने छुड़ाया, एक को पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

संवाददाता सौरिख

अमृत विचार। खड़नी स्थित चौराहे पर बने एक मकान पर सुबह 6 बजे के लगभग तीन गाड़ियों से आए 17-18 लोगों ने धावा बोल दिया। इससे चीखपुकार मच गई। बाद में शोर सुनकर लोग जमा हो गए तो हमलावर दो गाड़ियों से भाग गए जबकि एक गाड़ी को भीड़ ने तोड़ दिया। मामले में घर में घुसकर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

खुशीराम निवासी खड़नी का चौराहे पर है। वह शनिवार की सुबह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रहा था। आरोप है कि तभी बिधूना की तरफ से तीन कारों में करीबह 15-16 व्यक्ति भरकर आए और उसके दरवाजे पर उतरे। इसके बाद घर में घुसकर ताले डाल दिए। खुशीराम की पत्नी सीता भी घर के अंदर थी। सीता के मुताबिक बेटा रीतेश सो रहा था। आरोपियों ने लड़के को उठाकर गाड़ी में डाल लिया। इसके बाद पिता ने आवाज दी तो उसे भी गाड़ी में डालकर अपहरण का प्रयास किया। पीड़ितों ने बताया कि गाड़ी का शीशा तोड़कर उनको निकाला गया। घर में रखे समान की लूट के साथ ही गृहस्वामी खुशीराम और उसके बेटे रीतेश ,पत्नी सीता के साथ मारपीट के दौरान शोरशराबा सुन कर बड़ी संख्या में सुबह की सैर पर निकले लोग इकट्ठा हो गए और हमलावरों को घेर लिया। भीड़ बढ़ती देख दो गाड़ियों से हमलावर भाग गये तो कुछ को पकड़ कर भीड़ ने पिटाई कर दी। एक गाड़ी को भीड़ ने तोड़ डाला। वहीं पकड़ में आये एक व्यक्ति को भीड़ ने पुलिस को सौंप दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी सौरिख जयंती प्रसाद गंगवार ने बताया कि इस मामले में एक आरोपी और कार को पकड़ कर थाने में लाया गया है। मामला जमीन से जुड़ा होने की जानकारी मिली है। प्रार्थना पत्र पीड़ित की ओर से प्राप्त हुआ है। संगम पत्नी अरविंद शाक्य तथा रोहित पुत्र लाखन सिंह के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट का मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

घटना की जानकारी देता पीड़ित परिवार। अमृत विचार

- गुस्साई भीड़ ने वाहन तोड़ा, घर में घुसकर मारपीट की रिपोर्ट

क्लीनिक से चोरी एलसीडी, कैमरे समेत दबोचा आरोपी

तिर्वा। क्लीनिक से चोरी गई एलसीडी, कैमरे समेत पुलिस ने एक आरोपी को दबोच लिया है जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है।

गौरतलब है कि 26 अक्टूबर को कस्बा के श्री दौलेश्वर मंदिर रोड पर प्राथमिक विद्यालय के पास डॉ. उपेंद्र के क्लीनिक से चोरों ने दो एलसीडी टीवी, 9 कैमरे तथा नगदी की चोरी कर ली थी। पुलिस ने मामला दर्ज किया था। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई थीं। कैमरे की फुटेज से पुलिस ने सुरागरसी की तो एक चोर की शिनाख्त कर ली। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार शुक्ला, कस्बा चौकी प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह,हेड कांस्टेबल जेपी सिंह की टीम ने कस्बा के बौद्ध नगर निवासी गौतम गिहार पुत्र देशराज को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चोरी की घटना को स्वीकार करते हुए चोरी गए एलसीडी तथा कैमरे बरामद करवा दिए।

शिक्षिकाओं को सम्मानित करते चेयरमैन मनोज दुबे। अमृत विचार

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रतियोगिताएं, विजेता पुरस्कृत

छिबरामऊ। विहान बालिका आवासीय विद्यालय (निर्माण श्रमिक) में जनजाति चेतना के युगपुरुष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती कार्यक्रम पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध, कला एवं श्रुतिलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के वार्डेन पीयूष गुप्ता के दिशा-निर्देशन में प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। निबंध लेखन में रुचि शाक्य, दीक्षा राजपूत तथा निशा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। कला में शबनम, प्रतीक्षा और सुनैना ने पहले तीन स्थानों पर कब्जा किया। श्रुतिलेख वंदना प्रथम, स्वागिनी द्वितीय तथा मानसी तृतीय स्थान पर रही। मुख्य अतिथि के रूप में व्यापार मंडल अध्यक्ष छिबरामऊ श्रीलाल गुप्ता और नगर पालिका अध्यक्ष मनोज दुबे उपस्थित रहे। पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु वार्डेन के अलावा शिक्षिका शिवानी शर्मा एवं रुचि शाक्य को सम्मानित किया गया।

छेड़खानी के आरोपी को जेल

तिर्वा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम में रात करीब आठ बजे 13 साल की किशोरी अपने जानवर बांध कर लौट रही थी। रास्ते में गांव के ही एक विकास पुत्र देवी शरण ने किशोरी के साथ छेड़खानी की। लोकलाज के चलते किशोरी के परिजनों ने पुलिस से शिकायत नहीं की थी। इसके बाद वह किशोरी को भगा ले जाने की धमकी देने लगा। तब किशोरी के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

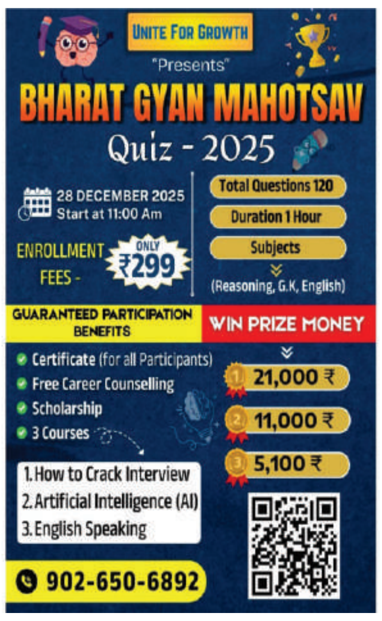

पांच शिकायतों का हुआ निस्तारण

संवाददाता गुरसहायगंज/छिबरामऊ

अमृत विचार। थाना समाधान दिवस गुरसहायगंज में एडीएम, एएसपी व सीओ सदर जबकि छिबरामऊ में प्रभारी निरीक्षक ने समस्याएं सुनी। गुरसहायगंज में राजस्व व पुलिस संबंधी कुल 11 शिकायतें आई। पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया जबकि 06 शिकायतों को जांच व निस्तारण के लिए पुलिस व राजस्व कर्मियों को सौंप दिया गया। छिबरामऊ में 4 में से दो शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया।

शनिवार को नगर के कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अपर जिलाधिकारी देवेन्द्र कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय ने फरियादियों की समस्याएं सुनी। समाधान दिवस में पुलिस संबंधी 08 व राजस्व संबंधी तीन शिकायतें आई। जिसमें कुल पांच शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर निस्तारण करा दिया। एडीएम ने बताया कि राजस्व व पुलिस कर्मी मौके पर जाकर दोनों पक्षों को सुने और समस्या का निस्तारण कर रिपोर्ट कोतवाली में दें। इस दौरान कोतवाल अजय कुमार अवस्थी, कस्बा प्रभारी दीपक कुमार, समधन चौकी प्रभारी दीपक कुमार सिंह, धीरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र कुमार सिंह, अवनीश कुमार, देवी चरण शाहू सहित पुलिस व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।छिबरामऊ प्रतिनिधि के अनुसार कोतवाली में हुए थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे कोतवाल विष्णु कांत तिवारी के पास राजस्व की 3 तथा पुलिस की 1 शिकायत पहुंची। राजस्व की दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

समाधान दिवस में समस्याएं सुनते एएसपी व सीओ। अमृत विचार

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

कन्नौज। सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया गया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के अहमदपुर रौनी गांव निवासी उबैदुल पुत्र मुशीर अली स्कूटी से गुरुवार की रात करीब 10 बजे पड़ोस के रहने वाले दोस्त अनस पुत्र तारिक अली के साथ सरायमीरा जा रहा था। वह ठठिया-मानपुर रोड पर पहुंचा तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां जांच के बाद डॉक्टर ने उबैदुल को मृत घोषित कर दिया जबकि अनस को कानपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मय वाहन के फरार हो गया।

आयोजन | रक्षा और शिक्षा मंत्रालय छात्र-छात्राओं के लिए वीरगाथा प्रतियोगिता आयोजित कर रहा

राष्ट्र प्रेम की भावना के लिए बना 'वीरगाथा कार्नर'

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। छात्र-छात्राओं में देशभक्ति, पराक्रम और बलिदान की भावना को बढ़ाने के लिए वीरगाथा कार्नर कार्यक्रम चल रहा है। इसकी शुरुआत 2021 में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त पहल से हुई है। इसके तहत छात्र-छात्राओं को वीर सपूतों, शौर्य पुरस्कार विजेताओं और ऐतिहासिक योद्धाओं की जीवन गाथाओं से प्रेरणा लेकर अपनी कला, लेखन या मल्टीमीडिया प्रस्तुति के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति दे सकते हैं।

छात्र-छात्राएं पृथ्वीराज चौहान, छत्रपति शिवाजी, 1857 के सेनानी, आदिवासी नायक जैसे वीरों के जीवन से प्रेरित होकर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा 3 से 5 के छात्र-छात्राएं कविता, कहानी, रेखाचित्र, चित्रकला देंगे। कक्षा 6 से 8 के छात्र- छात्राएं कविता, कहानी, पेंटिंग, मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण दिए गए लिंक पर क्लिक कर अपलोड करते हैं। सदर ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर उज्जैना में वीरगाथा कार्नर बना है। प्रधानाध्यापक गुंजन भदौरिया ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को शौर्य पुरस्कार विजेता सैनिकों के बारे में बताने के लिए वीरगाथा कार्नर बनाया है। बच्चों की कविता, कहानी, रेखाचित्र एवं चित्रकला में विजेताओं की प्रविष्ट पोर्टल पर अपलोड भी कर दी गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि बहादुरपुर उज्जैना में वीरगाथा कार्नर तैयार किया गया है । अन्य विद्यालयों में भी वीरगाथा कार्नर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राथमिक स्कूल बहादुरपुर उज्जैना में बना वीरगाथा कार्नर व शहीदों की वेशभूषा में छात्र-छात्राएं और प्रधानाध्यापक गुंजन भदौरिया। अमृत विचार

- प्राथमिक स्कूल बहादुरपुर उज्जैना में प्रधानाध्यापक दे रहीं बच्चों को जानकारी

अब कैंसर का आधुनिक इलाज कानपुर में...
टाटा मेमोरियल से प्रशिक्षित
पायनियर कैंसर विशेषज्ञ

डा. अरुण प्रकाश द्विवेदी
MBBS, MS, M.Ch (Onco Surgery)
द्वारा
कैंसर स्क्रीनिंग
कीमोथेरेपी
कैंसर सर्जरी
18000 से ऊपर कैंसर सर्जरी का अनुभव
(जिसमें मुख कैंसर की कमांडो सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक बच्चेदानी की सर्जरी, आधुनिक HIPEC सर्जरी, ब्रेस्ट कैंसर, गाल ब्लैडर कैंसर सहित समस्त कैंसर सर्जरी शामिल है)
Dwivedi Cancer Care
111/319, Ashok Nagar, 80 Ft. Road, (Nr. Petrol Pump), Kanpur (U.P.)
Call for Appointment : 9369603522, 7024160918

न्यूज ब्रीफ

बालिका को घायल करने की रिपोर्ट दर्ज

गुरसहायगंज। गंधक पोटाश की नाल चलाकर बालिका को घायल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। फर्रुखाबाद के थाना मोहम्मदाबाद ग्राम डूगरपुर निवासी सुमित कुमार पुत्र मुन्ना लाल ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि दीपावली पर्व पर उसकी पुत्री ग्राम पनगवां स्थित नानी के घर आई थी। यहां पड़ोसी युवक रवी कठेरिया ने गंधक पोटाश की नाल चला कर उसे घायल कर दिया। इससे उसकी आंख की रोशनी चली गई गई है। जब उसने इसकी शिकायत की तो आरोपी ने गाली गलौज और मारपीट पर आमादा होते हुए धमकी दी।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

कन्नौज। एक युवक ने बीमारी से परेशान होकर फंदा लगाकर जान दे दी। जयवीर पुत्र भगवान सिंह (45) निवासी मौसमपुर मौरारा, मकरंदनगर कन्नौज लंबे समय से बीमार था। शनिवार सुबह कमरे में उसने फंदा लगाकर जान दे दी। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने बताया कि जयवीर के पेट में दर्द रहता था जिससे वह परेशान था।

बगैर हेलमेट पहने वाहन चलाते 132 का चालान

कन्नौज। यातायात माह के क्रम में यातायात पुलिस की तरफ से शनिवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग न करने वाले 132 चालकों के चालान किये गये। कार चलाते समय सीट-बेल्ट का प्रयोग न करने में 15 , वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने वाले 16, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेन्स के वाहन चलाने वाले 36 वाहन चालकों के चालान किये गये। इसी तरह से दो-पहिया वाहन पर तीन सवारी चलने वाले 29 चालकों के चालान किये गये। नो-पार्किंग में खड़े 25 वाहनों के चालान किए गये।

सौरिख में रामलीला देखने उमड़ी भीड़

सौरिख। श्रीरामलीला नाटक कमेटी के सौजन्य से कस्बे में हो रहे रामलीला महोत्सव में श्रीराम वन गमन की लीला का मंचन देखने लोगों भीड़ उमड़ी। बहादुरपुर मझिगवां गांव में रामलीला मंचन प्रारंभ होने से पूर्व राम प्रकाश गुप्ता उर्फ रामू गुप्ता ने भगवान राम की आरती की। रामलीला में श्रीराम वन गमन केवट लीला का मंचन हुआ जिसे देखकर श्रोताओं की तालियों से पंडाल गूंज गया। वन गमन की पहली रात भगवान राम की सेवा केवट द्वारा की गई। केवट की भक्ति देख भगवान राम ने उसकी प्रशंसा की तथा केवट से गंगा पार करने के लिए अनुरोध किया। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष सुधीर सिंह बैस, सत्यपाल सिंह, अरविंद सिंह, समरजीत सिंह, अजीत सिंह नारायण आदि कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ने दी आर्थिक मदद

गुरसहायगंज। पूर्व विधायक ने विभिन्न गांव में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता दी और उनका हाल जाना। शनिवार को ब्लाक तालग्राम के ग्राम सदरपुर सहित अन्य गांवों में पूर्व सपा विधायक अरविंद सिंह यादव ने दिव्यांग रीता कुशवाहा, नेकराम दिवाकर, पवन व पत्नी कीर्ति कुशवाहा को आर्थिक सहायता दी। कहा कि सच्चा जन प्रतिनिधि वही होता है जो हर वर्ग के सुख-दुख में जनता के साथ खड़ा हो। इस दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख सोनू यादव, अर्पित शुक्ला, सुग्रीव यादव, अमन खान, मुकेश कुशवाहा, डाल सिंह दरोगा, सुरेश उर्फ जैनी, अरव सिंह, बृजेश, संतोष, मुखिया, सरमन सिंह, अरविंद सिंह, अंगद सिंह, राकेश सिंह, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे।

जर्जर पाइप लाइन से पानी सप्लाई में दिक्कत

तिर्वा। नगर पंचायत में नागरिकों को जलापूर्ति के लिए कई वर्ष पूर्व डाली गई अंडरग्राउंड पाइप लाइन जर्जर हो चुकी है। इस कारण लोगों को सुचारु रूप से पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से नई लाइन डलवाए जाने की मांग की है।लंबे समय से पड़ी पाइप लाइन में जगह-जगह लीकेज होते रहते हैं। नगर पंचायत एक जगह लीकेज ठीक कराती है तो दूसरी जगह पाइप फूट जाता है जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित होती रहती है। सबसे बुरा हाल तो कलाम चौक का है। नगर पंचायत प्रशासन भी लीकेज ठीक करा-करा कर पस्त हो गया है लेकिन समस्या है कि दूर होने का नाम नहीं ले रही।

डीएम ने परखी एसआईआर की गुणवत्ता

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जैनपुर में बूथों का किया निरीक्षण, निर्वाचन के सभी कार्य एप से ही पूरे करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र कन्नौज के जैनपुर में बूथ संख्या 410, 411, 412 एवं 413 का जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्वाचन संबंधी कार्य निर्वाचन आयोग के एप से ही पूरे किए जाएं, ताकि पारदर्शिता एवं शुद्धता बनी रहे।

शनिवार को निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ प्रमोद, आरती एवं ऊषा से मौके पर ही एप के माध्यम से वोटर प्रपत्र स्कैन करवाकर प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता का परीक्षण किया। उन्होंने कार्य की तकनीकी समझ और सटीकता की सराहना कर सुधार संबंधी सुझाव भी दिए। इस अवसर पर सुपरवाइजर/ लेखपाल शोभित कटियार ने बताया कि बूथ संख्या 414, 415, 416 तथा 478, 479, 480 एवं 481 सहित कुल 11 बूथों पर गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी मतदाता संबंधी कार्यों में पूरी पारदर्शिता, तत्परता एवं जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध और अपडेट होना, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की सबसे पहली शर्त है। इस मौके पर लेखपाल अनीस समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जैनपुर में निर्देश देते जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री।

- 11 बूथों पर गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण

हर रोज 100 गणना प्रपत्र अपलोड किए जाएं

कन्नौज। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि हर रोज 100 गणना प्रपत्रों का अपलोड होना अनिवार्य है, ताकि कार्यों की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा तिर्वा, कन्नौज एवं छिबरामऊ क्षेत्रों में प्रत्येक ईआरओ के साथ 5-5 एईआरओ लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक ईआरओ के पास अपने बीएलओ, एईआरओ आदि का पूरा ब्योरा व मोबाइल नंबर होना चाहिए, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि हर दिवस की प्रगति की समीक्षा अनिवार्य रूप से की जाए। फील्ड स्तर पर उत्पन्न समस्याओं का समाधान तत्काल किया जाए। किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निर्वाचन कार्यों में किसी दिक्कत या सुझाव को यहां बजाएं घंटी

कन्नौज। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट में डिस्ट्रिक्ट कमांड सेंटर (डीसीसी) का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि सेंटर से निर्वाचन कार्यों की निगरानी, जनसहायता एवं शिकायतों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र से जनपद के सभी निर्वाचन संबंधी गतिविधियों का अनुश्रवण किया जाएगा। नागरिक अपने सुझाव, शिकायतें या जानकारी टोल फ्री नम्बर 1950 तथा टेलीफोन नंबर 05694-236467 पर बता सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को गति दी जा रही है। इसका उद्देश्य हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना, मृत या अपात्र मतदाताओं के नाम हटाना है, जिससे निर्वाचक नामावलियां शुद्ध, त्रुटिरहित रहें। इस अवसर पर एडीएम (वि./रा.) देवेंद्र सिंह, सीडीओ राम कृपाल चौधरी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अविनाश गौतम व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बिनीत कटियार और शिवम सैनी उपस्थित रहे।

चार केंद्रों पर पहुंचा धान, अब तक 99.6 मीट्रिक टन खरीद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- धान काटने में आ रही दिक्कत अगले हफ्ते से बढ़ सकती आमद
- धान का लक्ष्य 30,000 मी. टन जबकि मक्का का 1500

अमृत विचार। जिले में मक्का खरीद ने तो रफ्तार पकड ली है पर पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश का असर होने से चार केंद्रों पर ही धान की खरीद हुई है। अब तक 99 मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद हो चुकी है। वहीं मक्का की खरीद लक्ष्य के सापेक्ष 10 फीसदी अधिक खरीदी जा चुकी है। माना जा रहा है कि अगले हफ्ते से सभी केंद्रों पर धान खरीद शुरू हो जाएगी।

जिले में धान व मक्का खरीद के लिये क्रमशः 21 और नौ सरकारी केंद्र खोले गये हैं। मक्का की खरीद तो पहले से हो रही है पर धान की खरीद एक नवंबर से शुरू हुई है। अब तक किसान धान काट कर सुखा लेता था पर लगातार कई दिनों तक हुई बारिश ने खासा नुकसान कर दिया। तमाम किसानों की खेत में कटी पड़ी धान की फसल भीगने से नष्ट हो गई। कई तो धान को काट भी नहीं पाए। अब मौसम खुला है तो किसान फसल काटने की तैयारी में लगे हैं। ऐसे में खरीद केंद्रों पर धान कम पहुंचा है। हालांकि खरीद शुरू हो गई है। बिक्री के लिए हजारों किसान रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इस संबंध में जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अनूप श्रीवास्तव का कहना है कि बारिश में भीग जाने से धान तैयार नहीं है लेकिन फिर भी 21 में से चार केंद्रों पर खरीद शुरू हो चुकी है और आठ दिनों में 12 किसानों से 99.6 मीट्रिक टन धान खरीद लिया गया है जबकि लक्ष्य 30 हजार मीट्रिक टन का है। इसी तरह से मक्का 189.96 मीट्रिक टन खरीदी जा चुकी है जबकि बाजरा के नौ केंद्रों पर आठ क्विंटल की खरीद हुई है। मक्का खरीद का लक्ष्य 1500 मीट्रिक टन जबकि बाजरा 3000 मीट्रिक टन खरादी जाना है। उम्मीद जताई कि अगले हफ्ते से धान की खरीद रफ्तार पकड़ सकती है।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत में रिपोर्ट हुई दर्ज

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। घर लौट रहे बाइक सवार युवक की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत के मामले में पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज ग्राम शेखपुर रुस्तमपुर निवासी रियाज अली पुत्र राहत अली ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका पुत्र दिलशाद कस्बा समधन स्थित स्थित रिश्तेदारी से 26 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे घर लौट रहा था। तभी ट्रैक्टर के अज्ञात चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरे मामले में ग्राम अनौगी बदलेपुर्वा निवासी सुरजीत पुत्र सुदामा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह पिता सुदामा के साथ बाइक से 07 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे फतेहगढ़ जा रहा था। समधन के निकट फर्रुखाबाद रोड पर कार के अज्ञात चालक ने उसकी बाइक में तेज गति से चलाते हुए टक्कर मार दी थी। इससे वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

कार की टक्कर से दंपति घायल : गुरसहायगंज। ग्राम सराय प्रयाग निवासी अजय कुमार पुत्र राजेन्द्र सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 05 पांच नवंबर की सुबह करीब 10.20 बजे वह अपनी पत्नी मोहिनी देवी के साथ बाइक से गुरसहायगंज बाजार आ रहा था। तभी ग्राम जयसिंहपुर्वा स्थित हाईवे कट के पास कार के अज्ञात चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी। इससे युवक व उसकी पत्नी घायल हो गए । बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई है।

सठियापुर में डेंगू का प्रकोप, दर्जनों बीमार

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सदर ब्लाक क्षेत्र के गांव सठियापुर में डेंगू का प्रकोप फैला है । गांव की गलियों व नालियों में मच्छर पनप रहे हैं। महीनों से सफाई न होने से डेंगू के मच्छर ग्रामीणों को बीमार कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देने के बाद भी अभी तक गांव में कोई कैंप नहीं लगाया गया है ।

सदर ब्लाक क्षेत्र के गांव सठियापुर में करीब 2000 की आबादी निवास करती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उनके उपचार के लिए गांव में कोई व्यवस्था नहीं है। बीमार होने पर इलाज के लिए करीब 4 किलोमीटर का सफर तय कर जिला मुख्यालय आना पड़ता है। एक माह से गांव में डेंगू का प्रकोप है इससे कई बच्चे बीमार हैं। ग्रामीण इनका उपचार कराने के लिए झोलाछापों का सहारा ले रहे हैं । कई बच्चे ठीक न होने पर जिला मुख्यालय के आसपास स्थित नर्सिंग होम में भर्ती कराए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दीपावली को सफाई कर्मचारियों ने गांव पहुंचकर नालियों की सफाई की थी। इसके बाद से गांव में कोई सफाई करने नहीं आया। ऐसे में नालियां कीचड़ से भरी हैं और बदबू आ रही है। कई बार ग्राम प्रधान से कहा गया लेकिन वह गांव में नहीं आए । जिला मुख्यालय पर पैथोलॉजी का संचालन करने वाले युवक ने बताया कि वह अब तक करीब 20 लोगों के ब्लड की जांच कर चुका है इसमें अधिकतर को डेंगू निकल रहा है। जानकारी होने पर वह झोलाछाप या नर्सिंग होम में उपचार करा रहे हैं। कई बच्चों को जिला अस्पताल में भी उपचार दिया गया है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विनोद दीक्षित के अधीक्षक सुधांशु द्विवेदी का कहना है कि उन्हें अभी तक इसकी जानकारी नहीं थी। अब जानकारी हो गई है तो गांव में टीम भेजकर कैंप लगाने के साथ जांच कराई जाएगी।

गांव में भरा गंदा पानी। अमृत विचार

हाईवे की जमीन बताकर रुकवाया नाला निर्माण

संवाददाता,छिबरामऊ

- पूर्वी बाईपास पर विकास खंड कार्यालय के पास रुकवाया काम

अमृत विचार। पूर्वी बाईपास पर विकास खंड कार्यालय के पास नगर पालिका ने जीटी रोड हाईवे किनारे अतिक्रमण हटवा कर नाले का निर्माण शुरू कराया लेकिन नेशनल हाईवे ने अपनी जमीन बता कर काम रुकवा दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के हाईवे पेट्रोल यूनिट के पेट्रोलिंग ऑफिसर विजेंद्र प्रताप सिंह शनिवार की सुबह पूर्वी बाईपास पर पहुंचे और काम कर रहे मजदूरों को नाला खोदने से रोक दिया। सूचना पाकर पालिकाध्यक्ष मनोज दुबे व जेई रविराज कौशल मौके पर पहुंचे। बताया प्रोफेसर कॉलोनी एवं गनी मार्केट में पानी निकासी की समस्या को देखते हुए तालग्राम चौराहे से संत निरंकारी आश्रम के पास पुलिया तक जलनिकासी के लिए नाले का निर्माण कराया जा रहा है। पालिकाध्यक्ष ने कहा, जगह के निर्धारण के लिए हाईवे के अधिकारियों से कई बार वार्ता की गई लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। नेशनल हाईवे यहां पर मेजर जंक्शन बनाना चाहता है लेकिन यह कार्य भी 2 साल से लटका हुआ है। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। नगर पालिका को भी यहां पर आधुनिक टॉयलेट एवं यात्री प्रतीक्षालय बनाना है। मोबाइल पर वार्ता के दौरान हाईवे मैनेजर नवीन कुमार ने बताया कि सोमवार को यहां पर आकर जगह का निर्धारण कर देंगे।

ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर परखी हकीकत

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले में बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने वलाल ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सुभाष राजपूत, क्षेत्राधिकारी (मोहम्मदाबाद) अजय वर्मा, एनएचएआई के साइट इंजीनियर विश्वास मिश्रा, लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिशासी अभियंता मुरलीधर भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने जैतपुर, सकवाई और रोहिला चौराहा स्थित ब्लैक स्पॉट का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त, बेवर रोड पर काली नदी पुल तक राष्ट्रीय राजमार्ग का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। जैतपुर ब्लैक स्पॉट पर दोनों लिंक मार्गों पर स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, राजमार्ग पर दोनों ओर रिपीटेड बार और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र के बोर्ड तत्काल लगाने को कहा गया।

सकवाई ब्लैक स्पॉट पर स्ट्रीट लाइटें चालू कराने, कैट्स आई और रिपीटेड बार लगाने के निर्देश दिए गए। रोहिला चौराहे पर राजमार्ग के दोनों ओर रिपीटेड बार और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र के बोर्ड लगाने के साथ ही, राज्यमार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाने और झाडियों की सफाई के आदेश दिए गए।

डीएम ने मोहम्मदाबाद से काली नदी पुल तक राजमार्ग पर गड्ढों की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिले से गुजरने वाले राजमार्ग की रोड सेफ्टी ऑडिट एक सप्ताह के भीतर कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ब्लैक स्पॉट के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी।

- बढ़ते हादसों को देखते हुए डीएम एसपी ने किया स्पॉट का निरीक्षण

संदिग्ध हालात में युवक को गोली लगी, हालत गंभीर

फर्रुखाबाद। कादरीगेट थाना क्षेत्र में एक युवक को खेत में आलू की गड़ाई करते समय संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लग गई। युवक को घायलावस्था में लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह घटना शुक्रवार देर शाम करीब की है। सोताबहादुरपुर निवासी 35 वर्षीय तेजराम राजपूत अपने पिता लालाराम राजपूत, बहनों नन्हीं देवी और पूनम, तथा भाई राहुल के साथ गंगा की कटरी में स्थित अपने खेत में ट्रैक्टर मशीन से आलू की गड़ाई करवा रहे थे। तेजराम अपनी बहन नन्हीं के साथ मशीन पर बैठे थे, तभी अचानक उनके कंधे में गोली लग गई। तुरंत तेजराम को लोहिया अस्पताल ले र भर्ती कराया। पुलिस ने कहा कि अस्पताल और घटनास्थल का दौरा कर मामले की सच्चाई का पता लगाया जाएगा।

रोटावेटर से कटकर ट्रैक्टर मालिक की मौत,कोहराम

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शुक्रवार रात्रि रोटावेटर से कटकर ट्रैक्टर मालिक अवनीश कुशवाहा की मौत हो गयी। थाना मऊदरवाजा के ग्राम नया नगला निवासी बेचेलाल कुशवाहा का 30 वर्षीय पुत्र अवनीश बीती रात ग्राम पंचायत आमिलपुर की प्रधान महादेवी के खेत की रोटावेटर से जुताई कर रहा था। प्रधान का पुत्र इंद्रपाल 9.30 बजे खेत पर पहुंचा तो उसने देखा की अवनीश रोटावेटर में फंस जाने के कारण बुरी तरह घायल हो गया था।

सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रात में ही ग्राम हथियापुर से मैकेनिक को बुलाया। मैकेनिक ने प्रयास करके रोटावेटर को खोलकर उसमें फंसे अवनीश के क्षतिग्रस्त शव को बाहर निकाला। भाजपा के मंडल अध्यक्ष शेर सिंह शाक्य रात में ही घटनास्थल पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रात 2.30 बजे तक शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चर्चा है कि जब अवनीश डीजल डलवाकर आया था तब वह ठेके से शराब पीकर व खरीद कर लाया था। शराब पीने के लिए ही उसने इंद्रपाल से पानी मंगाया था। लेकिन जल्द नशा करने के कारण अवनीश ने बिना पानी मिलाये ही शराब पी ली। जब इंद्रपाल खेत में पहुंचा तो उसने देखा कि रोटावेटर जमीन से कुछ ऊपर उठा हुआ था। उसी में ड्राइवर अवनीश फंसा था। अनुमान लगाया गया की अवनीश नशे में चलते रोटावेटर में कोई काम कर रहा था तभी वह उसमें फंसकर उसकी मौत हो गई। बताया गया की अवनीश अक्सर शराब के नशे में ही ट्रैक्टर चलाता था।

युवक को डंडों से पीटा, केस दर्ज

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सिरोली गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। यह घटना 6 नवंबर की शाम करीब 6 बजे रिंकू टेंट की दुकान पर हुई, जहां पीड़ित अमित गुप्ता को लाठी-डंडों और टकोरा से पीटा गया, जिससे वह घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, सिरोली निवासी अमित गुप्ता उस शाम अपने घर पर बैठे थे। तभी गांव के ही ओमवीर यादव ने उन्हें फोन कर रिंकू टेंट की दुकान पर बुलाया। अमित के वहां पहुंचने पर ओमवीर यादव ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। अमित गुप्ता के गाली-गलौज का विरोध करने पर ओमवीर यादव और उसके एक साथी ने उन पर लाठी-डंडों और टकोरा से हमला कर दिया। इस मारपीट में अमित गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मामले की जांचकर रही है।

प्रशिक्षण | सीपी इंटरनेशनल स्कूल में प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ ध्वज शिष्टाचार के साथ हुआ

स्काउटिंग बच्चों के सर्वांगीण विकास की सशक्त विधा

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। सीपी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ ध्वज शिष्टाचार के साथ हुआ। स्काउट भावना से ओतप्रोत यह प्रशिक्षण शिविर पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हो रहा है।

सीपी विद्यालय समूह की निदेशिका डॉ. मिथिलेश अग्रवाल, संरक्षिका, स्काउट-गाइड, ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों के सर्वांगीण विकास की सशक्त विधा है, जो उनमें अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की भावना का निर्माण करती है। मैनेजिंग डायरेक्टर ज्योत्सना अग्रवाल ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता और टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उपनिदेशिका अंजू राजे ने कहा कि स्काउट-गाइड बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। इस तरह के प्रशिक्षण भविष्य की मजबूत नींव हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय बिष्ट ने कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की एक कला है, जो हमें आत्मविश्वास, सेवा और सहिष्णुता का पाठ सिखाती है। जिला कमिश्नर स्काउट-गाइड दिनेश वर्मा, जिला सचिव स्काउट गाइड महेश चंद्र राजपूत ने भी सम्बोधित किया। संचालन मुख्य प्रशिक्षक एवं जंबूरी स्काउट ट्रेनिंग के मंडलीय इंचार्ज सर्वेश कुमार, डीटीसी स्काउट योगेश कुमार, तथा जिला गाइड कमिश्नर चमन शुक्ला ने किया। प्रशिक्षण में मदन मोहन कनोडिया बालिका इंटर कॉलेज, केआर. रस्तोगी कॉलेज, भारतीय पाठशाला इंटर कॉलेज, बीपी अग्रवाल पब्लिक स्कूल, एनएकेपी इंटर कॉलेज, सिटी गर्ल्स इंटर कॉलेज, बाबा रामदेव चोखेलाल इंटर कॉलेज आदि के छात्रों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण शिविर में मौजूद स्काउट। अमृत विचार

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का लगाया आरोप

संवाददाता फर्रुखाबाद

- ससुराल वालों पर महिला को जहर देने का आरोप लगाया

अमृत विचार। कायमगंज में एक 25 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर महिला को जहर देने का आरोप लगाया है। महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया।

कायमगंज के हजरतपुर गांव निवासी ओम प्रकाश की पुत्री मालती का विवाह पांच साल पहले नवाबगंज थाना क्षेत्र के कांदेमई गांव के अंकित पुत्र लटूरी सिंह से हुआ था। मालती की मां ईश्वरी देवी ने बताया कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनका पति शराब पीने का आदी था और मालती के साथ मारपीट करता था। तीन दिन पहले मालती को ससुराल में ही पति द्वारा कथित तौर पर जहर दे दिया गया था। उसकी हालत बिगडऩे पर उसे किसी डॉक्टर को नहीं दिखाया गया। जब मायके वाले ससुराल पहुंचे, तो वे मालती को अपने घर ले आए और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

निजी अस्पताल में हालत में सुधार न होने पर शनिवार सुबह उसे कायमगंज सीएचसी लाया गया। यहां इलाज के दौरान मालती ने दम तोड़ दिया।

मृतका के पिता ओम प्रकाश ने बताया कि उनकी बेटी को पांच दिन पहले ससुराल वालों ने जहर दिया था। तीन दिन पहले जब उन्हें इसकी जानकारी हुई, तो वे उसे वापस अपने घर ले आए। गुरुवार को जब वे मालती को लेने कांधेमई गए थे, तो ससुरालियों ने एक हलफनामा बनवा रखा था। इस हलफनामे पर पति-पत्नी और कुछ अन्य लोगों के फोटो व हस्ताक्षर थे, जिसमें लिखा था कि वे अपनी मर्जी से अलग हो रहे हैं और दोनों दूसरी शादी करने के लिए स्वतंत्र हैं। ससुरालियों ने शादी में दिया गया सामान भी लौटा दिया था।

न्यूज ब्रीफ

खड़ी कार में कंटेनर ने टक्कर मारी

बकेवर। हाईवे पर ओवरब्रिज के पास सड़क के किनारे खड़ी कार को तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिसमें कार क्षतिग्रस्त हुई लेकिन उसमें सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र की ग्राम जुआ निवासी आरती देवी अपने पति के साथ बीमार पुत्री की दवा लेने इटावा कार से गईं थीं। जब वह वापस लौट रहीं थीं तो कस्बा स्थित हीरो एजेंसी के सामने हाईवे के किनारे ठेली पर उबले सिंघाड़े खरीदने के लिए रुकी तभी तेज रफ़्तार कंटेनर ने कार में टक्कर मार दी। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में कार सवार चार लोग मामूली रूप से जख्मी हो गए। कंटेनर चालक मनोज ने बताया कि वह मानेसर से गाड़ियों के पार्टस कंटेनर में लोड करके नागपुर जा रहा था कि अचानक कंटेनर का संतुलन बिगड़ने से कंटेनर खड़ी कार में जा भिड़ा।

पिकअप व जुगाड़ गाड़ी में टक्कर, एक घायल

बकेवर। भरथना मार्ग पर हर्राजपुरा के पास पिकअप व जुगाड़ वाहन की आमने सामने की टक्कर में जुगाड़ वाहन चालक गम्भीर रुप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए पच्चास शैय्या अस्पताल भेजा गया जहां उसकी गंभीर हालत को देखते उसे जिला अस्पताल के रेफर किया गया। जुगाड़ वाहन चालक पिन्टू पुत्र रामनारायण निवासी लालपुरा थाना कोतवाली अपनी गाडी लेकर आ रहा था तभी उसे पिकप ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पिंटू गम्भीर रुप से घायल हो गया। घायल को उपचार हेतु बकेवर के पच्चास शैय्या अस्पताल भेजा गया। जहां डाक्टर अभिषेक द्वारा घायल को प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं घायल जुगाड़ वाहन चालक की हालत खराब होने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जसवंतनगर। कोतवाली जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत भगवानपुरा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार सोमवती पत्नी बहादुर सिंह निवासी भगवानपुरा अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा ली, परिजन महिला को तत्काल जिला अस्पताल ले गए जहां इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर ने परीक्षण करने के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजन पोस्टमार्टम कराये बिना शव को घर के गए। थानाध्यक्ष कमल भाटी फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत विवेक विहार कालोनी के पास सड़क दुर्घटना में शिवम पुत्र महावीर सिंह निवासी शिवा कालोनी नई मंडी गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। थाना बढ़पुरा क्षेत्र के अंतर्गत राजू पुत्र शादीलाल व सनी पुत्र नरेश निवासी समदर बढ़पुरा बाइक से बाजार से कुछ सामान लेने गए थे जब वह घर लौट रहे थे तभी कुंडेश्वर के पास बस ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गए। परिजनों द्वारा मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यज्ञ स्थल पर मौजूद कलश यात्रा में शामिल होने आईं महिलाएं व संत। अमृत विचार

कलश लेकर चलती महिलाएं। अमृत विचार

पीतांबरा की आस्था में धर्ममय हुआ इटावा

हिन्दू हास्टल प्रांगण में हो रहे 1108 कुंडीय मृत्युंजय मां पीतांबरा महायज्ञ में निकाली गई कलश यात्रा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- 51 हजार से ज्यादा महिलाओं ने कलश यात्रा में लिया भाग

अमृत विचार। इष्टिकापुरी (इटावा) की पावन भूमि ने इतिहास रच दिया। रामलीला मैदान के बगल में स्थित हिन्दू हॉस्टल प्रांगण में आयोजित होने वाले 1108 कुंडीय मृत्युंजय मां पीतांबरा महायज्ञ को लेकर शनिवार को कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम को दिव्यता एवं भव्यता प्रदान करने के लिए शनिवार को निकाली गई यात्रा में मातृ शक्ति का विशालतम समूह उमड़ा। पूर्व में घोषित की गई 51 हजार की संख्या से भी ज्यादा महिलाएं इसमें शामिल हुईं।

मातृशक्तियां पीताम्बर धारण कर, मस्तक पर कलश लिए, वैदिक मंत्रों और भक्ति गीतों के साथ नगर की सड़कों से गुजरीं, तो सम्पूर्ण इटावा पीतवर्णी आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा। यह यात्रा केवल एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना का पुनर्जागरण थी जिसने इटावा को पुनः उसकी 'इष्टिकापुरी तपोभूमि' की महिमा से जोड़ दिया। पीतवस्त्र धारण किए, भक्ति और श्रद्धा में रची-बसी यह यात्रा मानो देवत्व का मूर्त स्वरूप बन गई, जिसने नगर के कण-कण में अध्यात्म की गूंज भर दी।

इटावा से पूर्व कन्नौज में निकली 21 हजार मातृशक्तियों की कलश यात्रा भव्य कही गई थी, परन्तु इष्टिकापुरी की यह यात्रा उस रिकॉर्ड को पार कर, एक अद्वितीय और युगांतकारी आयोजन के रूप में स्थापित हुई। शनिवार को यज्ञ स्थल पर प्रातः दस बजे से ही दिव्य पीताम्बरा आभा को बिखेरती हुईं माताओं, बहनों, बेटियों का हाथ में कलश लिए हुए आना शुरू हो गया और 12 बजते बजते पूरा प्रांगण मातृ शक्ति के समूह से भर गया। यज्ञाधीश रामदासजी महाराज ने आचार्यों के स्वस्तिवाचन और फिर आरती पूजन के बाद जैसे ही कलश यात्रा आरम्भ कराई, पीताम्बरा माई की जय, हर हर महादेव के घोष से गुंजायमान हो उठा। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर सदर विधायक सरिता भदौरिया ने भी कार्यक्रम स्थल पर आकर पूजन अर्चन किया और कांधे पर पालकी उठाकर यात्रा में चलीं। सबसे आगे पालकी पर वेद भगवान, भव्य रथों पर पूज्य संत योगी राकेशनाथ जी ऋषिकेश, पिलुआ धाम के पीठाधीश्वर महंत हर भजन दास महाराज, संत शिवम शंभू महाराजजी थे। ढोल नगाड़ों की गूंज तथा भजन संकीर्तन के साथ कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों, रामलीला रोड, भारों वाला चौराहा, सिंधी मार्केट, तहसील चौराहा, बजाजा लाइन, नगर पालिका चौराहा, पक्की सराय, तिकोनिया, नौरंगाबाद चौराहा, साबित गंज चौराहा, रामगंज चौराहा, कटरा सेवाकली, तकिया आजादगान से पक्का बाग चौराहा होते हुए वापस यज्ञ स्थल पर पहुंची। यात्रा का अनेक दुकानदारों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और आरती की। कई स्थानों पर लोगों शीतल पेय, जल, बिस्किट फल मिष्ठान का वितरण भी किया। यज्ञाधीश श्री रामदास जी महाराज ने समस्त नगरवासियों से आह्वान किया कि वे आगामी 1108 कुण्डीय महायज्ञ में तन-मन-धन से सहभागिता करें और अपने जीवन को 'यज्ञमय' बनाएं। यात्रा को सफल बनाने में जनमेजय सिंह भदौरिया, पंकज तिवारी बबलू, डा. जय किशन तिवारी, अमित दीक्षित, अल्लू ठाकुर, पूनम पांडेय, नमिता तिवारी, निशा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

यात्रा इष्टिकापुरी की आत्मा का जागरण : रामदास महाराज

यज्ञाधीश रामदास जी महाराज ने इस ऐतिहासिक अवसर पर कहा यह यात्रा केवल नगर की परिक्रमा नहीं, बल्कि इष्टिकापुरी की आत्मा का जागरण है। यहां के धर्मनिष्ठ लोगों ने यह सिद्ध कर दिया कि जब समाज यज्ञभाव में जागृत होता है, तो ईश्वर स्वयं उसमें सहभागी बनते हैं।

शहर में निकाली गई शनि शोभायात्रा, लगे जयकारे

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- शिक्षा सेवा चयन आयोग की सदस्य सीमा शाक्य ने की पूजा-अर्चना

अमृत विचार। शहर के ग्वालियर रोड स्थित श्री सिद्ध शनि धाम मंदिर की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार की देर शाम वृद्धा आश्रम सेवा समिति के तत्वाधान में 15वीं भव्य शनि शोभायात्रा शहर में निकाली गई। शोभायात्रा में एक दर्जन से ज्यादा देवी देवताओं की आकर्षक झांकियां शामिल थीं। शहर में जगह-जगह आरती पूजन व पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा में भगवान शनि देव के जयघोष गुंजायमान होते रहे। यात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में भव्य भंडारा भी आयोजित हुआ।

सुबह भगवान शनिदेव का मंदिर का महंत चंद्रभान जौहरी ने तैलाभिषेक के साथ हवन पूजन कर विशेष श्रृंगार किया गया। शाम 7 बजे के बाद शहर के रामलीला मैदान से शनि शोभायात्रा शुरू हुई। यात्रा से पूर्व ग्वालियर के प्रसिद्ध शनिश्चरा धाम मंदिर के महंत रोहित दास महाराज उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की सदस्य सीमा शाक्य, भाजपा जिला अध्यक्ष अन्नू गुप्ता, महंत चंद्रभान जौहरी व कार्यक्रम संयोजक नितिन चतुर्वेदी ने भगवान गणेश व न्याय के देवता भगवान शनि देव की आरती उतारी। रामलीला मैदान से शुरू हुई शोभायात्रा सिंधी मार्केट, तहसील चौराहा, बजाजा लाइन, नगर पालिका चौराहा, पचराहा, छैराहा, टीटी तिराहा होती हुई शनि धाम मंदिर पर पहुंच कर संपन्न हुई। भगवान शनि देव की यात्रा में खाटू श्याम जी की झांकी सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रही। शहर में जगह-जगह आरती पूजन व पुष्प वर्षा करके भगवान शनि देव व खाटू श्याम का स्वागत श्रद्धालुओं ने किया। शोभा यात्रा में ब्लॉक प्रमुख बढ़पुरा गणेश राजपूत, ऋषिकांत दुबे, विनोद गुप्ता, पंकज यादव, मुकेश यादव, वीरपाल, राजीव त्रिपाठी, कुंदन राजपूत, गौरव राजपूत, बृजमोहन, बलराम दुबे, गौरव यादव सचिन यादव आदि रहे।

शनि भगवान की पूजा-अर्चना करतीं सीमा शाक्य। अमृत विचार

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते विधायक प्रतिनिधि विश्वनाथ प्रताप सिंह।

स्पर्धा में एसपीएस व चौ.सुघर सिंह के खिलाड़ियों का दबदबा

संवाददाता, जसवंतनगर

- युवा कल्याण विभाग ने एसपीएस ग्लोबल स्कूल में कराई स्पर्धा
- सीनियर और जूनियर दो वर्गों में आयोजित हुईं प्रतियोगिताएं

अमृत विचार। युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में हाईवे स्थित एसपीएस ग्लोबल स्कूल में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि विश्वनाथ प्रताप सिंह सोनू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी धीरेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह नजर आया।

प्रतियोगिता में कुल सात विधाओं के खेल आयोजित किए गए, जिनमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। फुटबॉल के जूनियर वर्ग पुरुष एवं महिला में एसपीएस ग्लोबल स्कूल ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। कबड्डी में सीनियर बालक वर्ग में एसपीएस ग्लोबल स्कूल व सीनियर बालिका वर्ग में चौधरी सुघर सिंह इंटर कॉलेज विजेता रहा। वॉलीबाल प्रतियोगिता में सीनियर बालिका वर्ग में हिंदू विद्यालय और जूनियर बालिका वर्ग में एसपीएस ग्लोबल स्कूल विजयी रहा।समापन अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि विश्वनाथ प्रताप सिंह सोनू ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विद्यालय प्रबंधक, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्यामंदिर का प्रांतीय टीम ने किया निरीक्षण

कालपी। कालपी में स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज का तीन दिवसीय प्रांतीय वार्षिक निरीक्षण 6 नवम्बर को शुरू हुआ। जिसमें मोठ इण्टर कालेज से आए प्रधानाचार्य उमाशंकर द्विवेदी, सहायक आचार्य युवराज, कार्यालय प्रमुख शिवकुमार एवं कानपुर प्रांत के वरिष्ठ कार्यालय प्रमुख मोहन कुमार दीक्षित ने निरीक्षण किया। इस दौरान परिचय कार्यक्रम भी हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्रबन्धक हरिभूषण सिंह चौहान व प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह एवं मोठ के प्रधानाचार्य उमाशंकर द्विवेदी ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर की। विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख रमेश चन्द्र प्रजापति व आचार्य सोनाली ने सबका स्वागत किया।

मतदाता की सक्रियता से मजबूत होता लोकतंत्र

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- तीनों विधानसभा क्षेत्रों में हुई मतदाता पुनरीक्षण कार्यशाला

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में स्पेशल गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता की अध्यक्षता में सदर विधानसभा की मतदाता पुनरीक्षण कार्यशाला भाजपा कार्यालय, भर्थना विधानसभा की एक रिसॉर्ट लखना में तथा जसवंतनगर विधानसभा की एक गार्डन में संपन्न हुई।

सदर विधानसभा की मतदाता पुनरीक्षण कार्यशाला में सदर विधायक सरिता भदौरिया ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का पुनरीक्षण करेंगे। कार्यकर्ताओं को वार्ड और गांव स्तर पर घर-घर जाकर नए वोट बनवाने और फर्जी या मृत मतदाताओं के नाम सूची से हटवाने का काम करना होगा। भर्थना व जसवंतनगर विधानसभा की मतदाता पुनरीक्षण कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य मृत मतदाताओं के नाम हटाना, स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सही करना और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़ना है। हर कार्यकर्ता और बूथ लेवल अधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट न जाए। जसवंतनगर विधानसभा की कार्यशाला में मुख्य वक्ता व अभियान जिला संयोजक, जिला महामंत्री शिवाकांत चौधरी ने कार्यकर्ताओं को सरल भाषा में गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के विषय में जागरूक किया। कार्यशालाओं का संचालन जिला मंत्री जितेंद्र गौड़, अवधेश चतुर्वेदी, अजय यादव ने किया।

कार्यशाला में पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल मोहन शर्मा, अजय धाकरे, पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया, पूर्व प्रत्याशी सिद्धार्थ शंकर दोहरे, विवेक शाक्य गुड्डू, जिला महामंत्री प्रशांत राव चौबे, जिला उपाध्यक्ष देवप्रताप भदौरिया, शिव किशोर धनगर, दीपक नाथ चौधरी, हरनाथ कुशवाह, जिला मंत्री रजत चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी रोहित शाक्य, जिला संयोजक सोशल मीडिया विमलेश शाक्य सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं सदर विधायक सरिता भदौरिया। अमृत विचार

रविंद्र सिंह बने सुघर सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य

संवाददाता, जसवंतनगर

अमृत विचार। चौ. सुघर सिंह इंटर कॉलेज में पूर्व प्रिंसिपल विशुन दयाल प्रजापति के निधन के उपरांत कॉलेज प्रबंधन ने शिक्षक रविन्द्र सिंह को प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में कार्यभार सौंपा है। शिक्षक रवींद्र सिंह 23 वर्ष से लगातार इसी संस्था में अर्थशास्त्र प्रवक्ता के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने शिक्षण, शैक्षणिक गतिविधियों, अनुशासन व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनका सरल, व्यवहारिक और सकारात्मक दृष्टिकोण उन्हें संस्था में एक विश्वसनीय और प्रभावी नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करेगा। संस्था चेयरमैन डॉ. बृजेश चंद्र यादव ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सदैव उत्कृष्ट शिक्षा तथा अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराना रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह अपने अनुभव और समर्पण के साथ संस्था की प्रगति को और गति देंगे। प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव ने उन्हें प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण कराया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में कॉलेज शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन व्यवस्था में सकारात्मक प्रगति देखने को मिलेगी। इस दौरान गौरव भदौरिया, मनीष चौधरी, प्रिंसिपल फ्रांसिस केए उपस्थित रहे।

एमडी अनुज मोंटी यादव प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह को कार्यभार ग्रहण कराते।

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत आलमपुर हौज निवासी शशि पुत्र सतेंद्र कुमार को गांव में दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत धौलपुर खेड़ा निवासी पूजा पत्नी सुशील को गांव में ही दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायलों को जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उनका डॉक्टरी परीक्षण कर उपचार किया।

डीबीए चुनाव : 7 का मतदान मान्य, अब 12 को नहीं होगा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। डिस्ट्रिक्ट बार एसो. की नई कार्यकारिणी के गठन को 7 नवंबर को कराया गया मतदान मान्य होगा। अब 12 नवंबर को प्रस्तावित मतदान नहीं कराए जाने का निर्णय लिया गया है। अब 12 नवंबर को कोई मतदान नहीं होगा। जानकारी एल्डर कमेटी के चेयरमैन प्रेम शंकर शर्मा एडवोकेट ने दी है

इस निर्णय की जानकारी देते हुए प्रेम शंकर शर्मा ने बताया कि बार की प्रतिष्ठा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ चुनाव कराने से संबंधित कोई कागजात भी उन्हें अभी तक नहीं मिले हैं ऐसे में अब चुनाव नहीं कराए जाएंगे। जनमत के निर्णय को ध्यान में रखा जा रहा है। डीबीए के चुनाव को लेकर एक सप्ताह तक काफी गहमागहमी का माहौल रहा। पहले एल्डर कमेटी का अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शांति स्वरूप पाठक को बनाया गया था। फिर उनके स्थान पर प्रेम शंकर शर्मा को एल्डर कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन शांति स्वरूप पाठक चुनाव कराने की निर्णय पर अडिग रहे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने 7 नवंबर को मतदान कराया। खास बात यह रही कि 7 नवंबर के मतदान में बड़ी संख्या में वकीलों ने हिस्सा लिया और 91 फीसदी वोट पड़े। शनिवार को प्रेम शंकर शर्मा ने 12 नवंबर को कोई चुनाव न कराए जाने की घोषणा कर दी है। अब राजेश त्रिपाठी डीबीए के अध्यक्ष और नितिन तिवारी महामंत्री मान्य होंगे।

अनदेखी

80 के दशक में शुरू हुआ था पुल, रोक के बावजूद गुजर रहे भारी वाहन

पुराने यमुना पुल पर दरारें, गुजर रहे ओवरलोड वाहन

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। पुराने यमुना पुल की सेहत ठीक नहीं है। रखरखाव के अभाव में पुल के अंतिम छोर पर गड्ढा हो गया है वहीं जगह-जगह से पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल का रखरखाव कर रही कम्पनी इस ओर जरा भी ध्यान नहीं दे रही। इसे अगर जल्द दुरुस्त नहीं करवाया गया तो हादसा हो सकता है। क्योंकि यहां रोजाना बड़ी संख्या में ओवरलोड ट्रक गुजरते हैं। इससे कभी भी पुल पर बड़ा हादसा हो सकता है।

पुराने यमुना पुल की शुरुआत अस्सी के दशक में हुई थी जिसकी आधार शिला तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी ने सत्तर के दशक में रखी थी हालांकि उद्घाटन प्रदेश सरकार के तत्कालीन ऊर्जा मन्त्री राजा रणजीत सिंह जूदेव द्वारा किया गया था। तब से अब तक इस पुल से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं हालांकि वर्ष 2016 में ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही से पुल की बीम दरक गई थी, जिससे लगभग 6 माह तक यातायात बाधित रहा था। मरम्मत के बाद यातायात फिर बहाल हो गया था पर ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया था जो अधिक दिनों तक नहीं चल सका और बाद में फिर ओवरलोड बालू गिट्टी के ट्रकों का परिवहन जारी हो गया। इसकी वजह से पुल की सेहत लगातार खराब होती जा रही है। आलम यह है कि इसकी रेलिंग कई जगहों से टूटी है जो वाहनों के गुजरने पर आवाज करती है।

इतना ही नहीं इसके अंतिम छोर पर भी गड्ढा हो रहा है जो इस पुल की सेहत के लिए ठीक नहीं है। अगर इस पर रखरखाव की जिम्मेदारी उठाए एनएचआईटी कम्पनी ने ध्यान नहीं दिया तो इसका भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

कम्पनी के मैनेजर इग्लेश कुमार शर्मा के अनुसार पुल तथा रोड की मरम्मत का काम शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। हालांकि पुल की इस दशा के लिए वह ओवरलोडिंग को ही जिम्मेदार मान रहे हैं।

यमुना पुल पर पड़ी दरार। अमृत विचार

डीएपी खाद न मिलने से किसान परेशान

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। गेहूं की बुबाई का समय चल रहा है पर खाद नहीं है जिससे किसान परेशान है।

वैसे तो खाद अब कोई नई समस्या नहीं है बल्कि किसानों के लिए प्रति वर्ष का बवाल हो गया है। शासन हर बार उन्हें आश्वस्त करता है कि अब उन्हें परेशानी नहीं होगी लेकिन ऐसा होता नहीं है। मालूम हो कि किसान प्रतिवर्ष समस्या से बचने के लिए समय से पहले खाद का भण्डारण कर लेते थे लेकिन इस बार कृषि विभाग ने 25 सितम्बर से पहले डीएपी बिक्री पर रोक लगा रखी थी और जब रोक हटी तो प्रतिबंध लगा दिए। इससे किसान खतौनी और आधार लेकर इधर से उधर घूम रहे हैं लेकिन उन्हें 5 बोरी से अधिक खाद नहीं मिल रही। जबकि इस मुद्दे को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेता विभिन्न मंचों से शासन से किसानों को भरपूर खाद दिलाए जाने की मांग करते रहे। लेकिन जिम्मेदारों ने ऐसा कुछ भी नहीं किया और आलम यह है कि खाद के लिए किसानों की लाइन खत्म नहीं हो रही है। किसान नेता कल्लू यादव काशीखेरा, आजाद भगत सिंह, कैलाश यादव, प्रेम सिंह जयरामपुर के मुताबिक सहकारी समितियों एवं पीसीएफ में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं आ रही है इससे किसानों को वहां से मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। शनिवार को नगर तथा क्षेत्र के किसी भी सरकारी संस्था में खाद नहीं थी, जिससे उन्हें मजबूरी में निजी खाद विक्रेताओं से खरीदनी पड़ी।

न्यूज ब्रीफ

संविधानवादी पार्टी के अध्यक्ष ने बैठक की

औरैया। राष्ट्रीय संविधान वादी के अध्यक्ष अशोक कुमार दोहरे ने पैतृक गांव हैदरपुर रमपुरा में पार्टी की बैठक की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चेतराम ,कोषाध्यक्ष तुलाराम, सचिव सहानूर अली एवं तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं पर भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी के विभिन्न पदों पर रहे कन्हैयालाल गौतम ने अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय संविधान वादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की । उसके बाद उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया है।

कई स्थानों पर सांसद का हुआ भव्य स्वागत

अछल्दा (औरैया)। इटावा लोकसभा क्षेत्र के सांसद जितेंद्र दोहरे का शनिवार को अछल्दा कस्बे में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। सांसद का स्वागत क्रमशः ब्लॉक चौराहा, स्टेशन बाजार और तेजपुर अड्डा पर हुआ। ब्लॉक चौराहा स्थित दारोगा के आवास पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजू यादव और मुन्नीलाल यादव ने फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद सांसद दोहरे पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप सविता के आवास पर पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात वे तेजपुर अड्डा स्थित प्रमोद यादव के आवास पर पहुंचे, जहां समाजवादी कार्यकर्ताओं ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। सांसद दोहरे ने कहा कि अछल्दा ब्लॉक ने समाजवादी पार्टी को सर्वाधिक मत देकर मुझे संसद तक पहुंचाया है। यह आप सभी के प्यार और आशीर्वाद का परिणाम है।

कमालगंज थाने में सुनीं जनशिकायतें

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने शनिवार को संयुक्त रूप से 'थाना समाधान दिवस' पर थाना कमालगंज पहुंचकर जन-सुनवाई की व आये हुए शिकायतकर्ताओ की शिकायतें सुनीं व उनके समाधान के लिये संवंधित को निर्देशित किया। कमालगंज बाजार में दुकानों पर जाकर विशेष गणना पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना प्रपत्र वितरित किये गये।

साहब! खेत पर दबंगों ने कर लिया कब्जा

थाना दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं शिकायतें,संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना अछल्दा में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि राजस्व और पुलिस टीम आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण करें, ताकि शिकायतों का निस्तारण सभी पक्षों की उपस्थिति में निष्पक्ष और नियमानुसार किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निस्तारण के बाद की गई कार्यवाही पर गवाह सहित सभी पक्षों के हस्ताक्षर कराए जाएं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद और अवैध कब्जे से जुड़ी कई शिकायतें प्राप्त हुईं। डीएम ने थाना प्रभारी और लेखपालों को निर्देश दिए कि स्थलीय जांच कर निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे दोनों पक्षों की संतुष्टि के साथ विवादों का स्थायी समाधान हो सके। इस दौरान कुल 11 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश जमीन संबंधी रहीं। गांव मुहम्मदाबाद निवासी सत्य प्रकाश ने अपने खेत पर कब्जे की शिकायत की,कहा दबंगों ने कब्जा कर लिया है इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल लेखपाल को जांच के निर्देश दिए। वहीं, खुशीलाल ने खेत के बगल चकरोड बनाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई। डीएम ने लेखपाल पंकज से जानकारी ली और नक्शे के अवलोकन में शिकायत गलत पाई गई, जिसे मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। मौके पर तहसीलदार बिधूना शर्मानन्द, थाना प्रभारी पंकज मिश्रा, एसएसआई सुरेश चंद्र, लेखपाल सतेंद्र यादव, मुस्कान शर्मा, अजीत यादव, अवनीश, और चौकी इंचार्ज हेमंत चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फरियादियों की शिकायतों को सुनते डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी व एसपी।

सिल्ट सफाई के कार्यों का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण , टेल तक पानी पहुंचाने के निर्देश

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने हरचन्द्रपुर रजवाहे पर किए जा रहे सिल्ट सफाई के कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। सिल्ट सफाई का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाने एवं फसल बुवाई के दौरान रजवाहे से टेल तक पानी पहुंचाए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि सिल्ट सफाई के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग को पटरी को समतल करने एवं पटरी पर किये जा रहे अवैध कब्जे को हटवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सिंचाई व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में मंत्रोच्चार के साथ हवन

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। कस्बे में चल रहे 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन मां गायत्री के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन संपन्न हुआ। शांतिकुंज हरिद्वार से आए प्रतिनिधियों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच हवन कराते हुए प्रज्ञा पुराण की कथा का वाचन किया।

शनिवार को प्रातः सामूहिक जप, ध्यान एवं देव पूजा के उपरांत गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ। दोपहर में नारी सशक्तिकरण पर विशेष सत्र रखा गया, जबकि संध्या में संगीतमय प्रवचन एवं प्रज्ञा पुराण कथा का श्रवण कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के सदस्य, नगरवासी व ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। यह आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में एवं परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य व माता भगवती देवी शर्मा के संरक्षण में संपन्न हो रहा है। 7 से 10 नवंबर तक चलने वाले इस चार दिवसीय 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में विभिन्न संस्कारों और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

नगर में बना भक्तिमय माहौल

- महायज्ञ प्रारंभ होते ही अछल्दा कस्बे का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। प्रतिदिन सुबह से गायत्री परिवार के सदस्य भक्ति, साधना और सेवा कार्यों में जुटे हैं। श्रद्धा और आस्था के इस माहौल ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया है।

वीर गाथा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता बिधूना (औरैया)

अमृत विचार। शनिवार को ज्ञान स्थली एकेडमी बिधूना विद्यालय में वीर गाथा विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जागृत करना और भारत के वीर शहीदों व सेना के बहादुर जवानों के साहस, बलिदान तथा समर्पण को सम्मान देना था।

इस अवसर पर निबंध लेखन, चित्रकला (पेंटिंग), तथा कविता पाठ की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और मनोयोग के साथ भाग लिया। उन्होंने वीर सैनिकों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा परमवीर चक्र विजेताओं के प्रेरणादायक जीवन को अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रधानाचार्य सजीमोन आई जोसेफ ने बच्चों की रचनात्मकता और देशभक्ति की भावना की प्रशंसा की तथा विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम और देश के प्रति कर्तव्यबोध को मजबूत करते हैं। प्रधानाचार्य द्वारा अंत में विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में गीता यादव, पूनम चतुर्वेदी, शिवनाथ, सागर, नीलम, मोहित सिंह, शैलेन्द्र सिंह, ज्योति पाठक, प्रीती सिंह, मीरा, अरुण झा, पूजा यादव, सुप्रिया, ज्योति शाक्य, साहिल सक्सेना, गायत्री, शरद, गरिमा, रक्षित, शिखर, मुकेश, ,छवी, दिव्या, , सर्वन्द्र , दिया, मोहित कुमार पूजा दिवाकर, दीपक ठाकरे, मयंक, गौरव, प्रदीप कुमार , प्रदीप , वैभवी, सुहेल खान, हिमांशु यादव, करिश्मा , अभिषेक , अनुज आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

श्याम जन्मोत्सव के आयोजन में झूमे भक्त

एक शाम सांवरे के नाम

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। अजीतमल कस्बा में शुक्रवार की रात्रि भक्ति, संगीत और प्रेम के अप्रतिम संगम की साक्षी बनी। जनता महाविद्यालय परिसर में श्याम परिवार अजीतमल-बाबरपुर द्वारा आयोजित "एक शाम सांवरे के नाम" चतुर्थ श्री श्याम जन्मोत्सव भव्यता, श्रद्धा और आनंद के वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, पुष्प मालाओं और आकर्षक सजावट से ऐसा सुसज्जित किया गया कि दृश्य मानो खाटू धाम की झलक प्रस्तुत कर रहा हो।

सांझ ढलते ही जैसे ही अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित हुई, पंडाल में "श्याम श्याम" के जयकारों की गूंज उठी। इत्र वर्षा, छप्पन भोग, पुष्प होली और राधा-कृष्ण की दिव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराई। राधा-कृष्ण युगल नृत्य और फूलों की होली के दृश्य ने ऐसा भावनात्मक वातावरण रचा कि भक्त भी भक्ति में डूबकर पुष्पवर्षा में सम्मिलित हो गए।

भजन संध्या का शुभारंभ भजन प्रवाहिका अर्पणा मिश्रा और अनन्त मिश्रा (नाथ नगरी, बरेली) की मधुर स्वर लहरियों से हुआ। "मेरे श्याम आएंगे सज-धज के" और "श्याम तेरी बंसी पुकारे" जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं के हृदयों को भक्ति सागर में गोता लगवा दिया। इसके बाद शर्मा सिस्टर्स (कानपुर) ने अपनी आत्मीय प्रस्तुति "श्याम तेरा नाम निराला है" और "हारे के सहारे तू साँवरे" से वातावरण को भावविह्वल कर दिया। संगीत की मधुर धुनों के बीच भक्त झूमते हुए "जय श्री श्याम" का उद्घोष करने लगे। जब राजा सांवरिया (आगरा) मंच पर आए, तो पंडाल में ऊर्जा का संचार हो गया। उनके जोशीले भजन "ले चलो श्याम दरबार में" और "खाटू वाले श्याम हमारा सहारा" पर उपस्थित श्रद्धालु नृत्य करने से स्वयं को रोक न सके। कार्यक्रम का संगीत संयोजन सागर म्यूजिकल ग्रुप, आगरा ने किया। जिनकी संगति ने संध्या को स्वर्गिक स्वरूप दे दिया। इस आयोजन का लाइव प्रसारण कृष्णा स्टूडियो, आगरा द्वारा किया गया, जिससे देशभर के भक्त इस दिव्य भावधारा से जुड़ सके। मध्यरात्रि में हर्षोल्लास और जयकारों के बीच बाबा श्याम का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया। दीपमालाओं, शंखनाद और पुष्पवर्षा के बीच भक्तों ने "करने वाला श्याम, कराने वाला श्याम" की पावन भावना के साथ महाआरती की। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

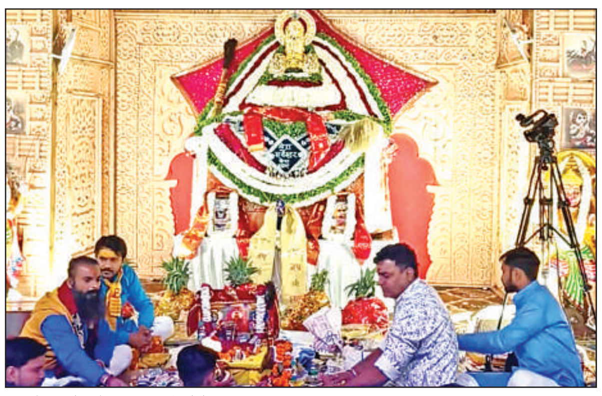
कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार। अमृत विचार

- अजीतमल में झूमे श्रद्धालु, गूंज उठा "जय श्री श्याम" का उद्घोष

मेला में लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

गांधीनगर मैदान में शुरू हुआ कार्तिक मेला

संवाददाता अजीतमल

अमृत विचार। नगर के गांधी नगर मोहल्ले स्थित प्राचीन मेला मैदान में नगर पंचायत अजीतमल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक कार्तिक मेले का भव्य आयोजन प्रारंभ हो गया है। यह मेला एक माह तक चलेगा। मेला शुरू होते ही क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से महिलाओं, बच्चों और युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

मेले में खानपान के आकर्षक स्टॉल, झूले, खिलौने, सौंदर्य प्रसाधन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानें सजी हुई हैं। शाम होते ही पूरा मैदान रोशनी की जगमगाहट से निखर उठता है। नगर पंचायत अध्यक्ष आशा चक ने बताया कि मेले का औपचारिक शुभारंभ शीघ्र ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मेला नगर की सांस्कृतिक धरोहर है, जो लोगों को आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता के सूत्र में पिरोता है। नगर पंचायत प्रशासन ने स्वच्छता, पेयजल और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। वहीं दुकानदारों और आगंतुकों की सुविधाओं का विध्यान रखा जा रहा है।

टीआई ने पढ़ाया यातायात का पाठ

अयाना। थाना क्षेत्र के पीवीआरपी एकेडमी में यातायात जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में यातायात टीआई देवेन्द्र सिंह के साथ थाना प्रभारी अजय कुमार ने विद्यालय के छात्रों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए हर नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

थाना प्रभारी ने छात्रों से कहा कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और अपने परिजनों व मित्रों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीड से बचने और नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी सड़क सुरक्षा से जुड़ी कई सवाल पूछे, जिनका थाना प्रभारी ने सरल शब्दों में उत्तर दिया। विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस टीम का आभार जताया और कहा कि ऐसे अभियान बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में उपयोगी साबित होते हैं।

तीन मोबाइल लुटेरों को किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने थाना क्षेत्र में बीती रात हुई दो मोबाइल छिनैती की वारदातों का खुलासा करते हुए तीन शातिर बदमाशों को 12 घंटे के भीतर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने मौके से दो अवैध तमंचे, जिंदा व खोखा कारतूस, दो छीने गए मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देशन में गठित संयुक्त टीम गुरुवार रात जालौन चौराहे की तरफ बीबीएस स्मृति विद्यापीठ के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान जालौन की दिशा से आ रही एक बाइक पर तीन संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। तेज रफ्तार के कारण बाइक फिसल गई और तीनों युवक झाड़ियों में गिर पड़े। उनमें से एक युवक अल्तमश उर्फ मुन्ना ने पुलिस पर फायर किया, जिस पर पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए तीनों को दबोच लिया। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भूपेंद्र राजपूत पुत्र स्व. प्रहलाद सिंह निवासी जनेतपुर, अल्तमश सिद्दीकी उर्फ मुन्ना पुत्र अकमल निवासी दयालपुर, तथा सचिन जाटव पुत्र स्व. श्याम सुंदर निवासी भाऊपुर, जनपद औरैया के रूप में हुई है। कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात दो अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल छिनैती की घटनाएं हुई थीं। पहली वारदात में नारायणपुर निवासी अखिलेश गौतम से और दूसरी में पढ़ीन दरवाजा निवासी मनीष से मोबाइल छीना गया था। पुलिस ने दोनों मामलों का सफल अनावरण करते हुए अपराधियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

साइबर सुरक्षा जागरूकता चौपाल का आयोजन

अछल्दा (औरैया)। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के नेतृत्व में साइबर सेल साइबर थाना जनपद औरैया द्वारा थाना अछल्दा क्षेत्र के ग्राम घसारा में साइबर सुरक्षा जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक औरैया ने उपस्थित ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फेक कॉल्स और डिजिटल ठगी से बचने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के तहत चौपाल में मौजूद महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं और संभ्रांत नागरिकों को महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 112, 1930 के बारे में जानकारी दी गई।

धूमधाम से निकाली गुरुनानक संकीर्तन शोभायात्रा

फर्रुखाबाद। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेव के प्रकाशपर्व पर नगर में संकीर्तन शोभा यात्रा निकाली गई जि। इस दौरान सभी धर्म के लोगों का संगम हुआ। गुरुद्वारा गुरु सिंह साहब सभा के प्रधान सरदार सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि गुरु पर्व 3 नवंबर से चल रहा है जिसका विराम नगर संकीर्तन शोभा यात्रा से हुआ ।

कार्यालय ग्राम पंचायत, बरीपुरमाफी, विकास खंड – औरैया, जनपद औरैया

पत्रांक मैमो/केंद्रीय/राज्य वित्त दिनांक 07 नवबंर 2025

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खण्ड औरैया की ग्राम पंचायत बरीपुरमाफी के अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में केंद्रीय/राज्यवित्त के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य प्रयोगार्थ निर्माण सामग्री स्थानीय आयकर में पंजीकृत जीएसटी धारक निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता फर्मो ईट विक्रेताओं/सप्लायर्स से (ईट, सीमेन्ट, मौरम, बालू, पत्थर, गिट्टी, लोहा, सरिया, इण्टर लाकिंग ईट, रंग, इलेक्ट्रीकल/इलेक्ट्रांनिक आदि) सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 11 नवबंर 2025 अपराहन 2 बजे तक सीलबन्द निविदा/टेण्डर आमन्त्रित किये जाते है। जो उसी दिन अपराहन 3 बजे ग्राम पंचायत बरीपुरमाफी द्वारा गठित निविदा समिति के द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 07 नवबंर 2025 से 11 नवबंर 2025 तक किसी भी दिवस में प्रातः 10 बजे से अपराहन 2 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत बरीपुरमाफी में निविदा प्रपत्र निशुल्क प्राप्त किये जा सकेंगें।

आपूर्ति की जाने वाली सामग्री हेतु विवरण मात्रा

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	ग्राम पंचायत बरीपुरमाफी में डामर रोड से उमेश के घर तक सीसी निर्माण कार्य।	3.48 लाख

नियम व शर्ते–
1. निविदादाता का पंजीकरण आयकर, वाणिज्यकर व जीएसटी विभाग में अवश्य होना चाहिए। बिना जीएसटी पिन नम्बर के निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 2.दिनांक 11 नवबंर 2025 को यदि किसी कारणवश निविदा के खुलने का कार्य प्रभावित होता है तो अगले कार्य दिवस में यह सम्पन्न होगा। 3. निविदा स्वीकार एवं निरस्त करने का पूरा अधिकार समिति का होगा। 4.कार्य की मात्रा एवं लागत मौके की परिस्थितियों के अनुसार घट बढ़ सकती है। 5.नियम व शर्तो की पूर्ण जानकारी कार्यालय टेंडर क्रय करते समय प्राप्त कर लें। पूर्ण संतुष्ट होने पर ही टेंडर डालें।

प्रधान **ग्राम पंचायत अधिकारी**

ग्राम पंचायत बरीपुरमाफी विकास खंड – औरैया

अनदेखी

विद्यालय जाने के लिए अभी तक नहीं बनी सड़क

खेतों की मेड़ पर चलकर स्कूल पहुंचते बच्चे

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। पसईपुर केशमपुर के मजरा विलन्दपुर में प्राथमिक विद्यालय जाने के लिए अभी तक कोई सड़क नहीं बनी है। स्कूली बच्चे आज भी खेतों की मेड़ पर चलकर व मुश्किल से स्कूल पहुंचते हैं। क्षेत्रीय लोग कई बार सड़क के लिए मांग कर चुके हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं। चुनाव के समय जनप्रतिनिधि भी सड़क बनवाने के वादे करते हैं लेकिन बाद में कोई सुनता नहीं। यहां के लोगों में सड़क न बनने को लेकर काफी आक्रोश है।

कोकुन बाद में बरसात के दिनों में जब खेत डूब जाते हैं तो स्कूल जाना मुसीबत बन जाता है। वहीं, विद्यालय के प्रांगण में एक तरफ आंगनबाड़ी का केंद्र बना हुआ है। जहां छोटे-छोटे नौनिहाल भी विद्यालय जाते हैं। स्कूल प्रबंधन ने भी इस समस्या को लेकर विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया है। लेकिन, खेत के किसानों से बात नहीं बन पा रही है। हालांकि ग्राम प्रधान ने कई बार इस मामले में कोशिश की मगर समस्या का हल नहीं निकाला जा सका है। आंगनबाड़ी पुष्पा देवी का कहना है कि सड़क बनाना स्कूली बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। बरसात के दिनों मे स्कूल आना मुसीबत खडी कर देता है। क्योंकि स्कूल और खेतों के बीच में पानी भर जाता है। ग्राम प्रधान राजेश पाल का कहना है कि हमने किसानों से इस मामले में बात की थी। सड़क के लिए जितनी जगह चाहिए थी, उतनी नहीं मिल पा रही है। जिस वजह से आज भी बच्चे पगडंडी पर चलकर स्कूल जाते हैं। उन्होंने कहा यदि इस समस्या को लेकर डीएम साहब के पास जाया जाए तो शायद इस समस्या का निदान हो जाए गांव के संदीप कुमार, सलीम खान, कन्हैया, अजय, शिवकुमार आदि ने प्राथमिक विद्यालय की सड़क बनाए जाने को लेकर डीएम इंद्रमणि त्रिपाठी जी को एक प्रार्थना पत्र देने की बात कही है।

पसईपुर-केशमपुर की बदहाल पड़ी सड़क। अमृत विचार

- ग्राम प्रधान ने कई बार कोशिश की मगर कोई हल नहीं निकल सका

बेला सहकारी संघ पर खाद वितरण

औरैया। रबी की बुवाई के मद्देनजर, बेला स्थित सहकारी संघ (साधन सहकारी समिति) पर किसानों को खाद का वितरण सुचारू रूप से वितरित की जा रही है।

खाद प्राप्त करने के लिए किसानों को आधार कार्ड, खतौनी और अंगूठे का निशान (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण) लगाना अनिवार्य किया गया है। यह व्यवस्था वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी रोकने के उद्देश्य से लागू की गई है। सहकारी संघ पर खाद की उपलब्धता से क्षेत्र के किसानों ने संतोष व्यक्त किया है। सचिव अविनाथ यादव के अनुसार, किसानों को उनकी जमीन के क्षेत्रफल के आधार पर निर्धारित मात्रा में उर्वरक प्रदान किया जा रहा है। वितरण के दौरान, किसान कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Management

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit university website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

न्यूज ब्रीफ

युवक ने घर में घुस कर दंपति को पीटा

राठ। कोतवाली क्षेत्र के धनौरी गांव में पुराने विवाद के चलते एक युवक ने दंपत्ति को जमकर पीटा। पीड़ित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली क्षेत्र के धनौरी गांव निवासी ईश्वर दास पुत्र बारेलाल ने बताया कि बीती रात गांव का एक युवक उसके घर आया और अभद्रता करते हुए गाली गलौज करने लगा। जब उसने विरोध किया तो उसे मारना पीटना शुरू कर दिया। आवाज सुन उसकी पत्नी संतोष रानी उसे बचाने के लिए दौड़ी तो आरोपी ने उसे भी पीटा, जिससे दंपति घायल हो गए। बताया कि आरोपी ने उसकी पत्नी को जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाल ने बताया जांच की जा रही है।

पिता-पुत्र ने दंपति के साथ की मारपीट

राठ। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ले में मामूली विवाद के चलते पड़ोस में रहने वाले पिता पुत्र ने दंपत्ति को जमकर पीटा। घायल ने कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया है। चंद्रशेखर पुत्र दीनदयाल ने बताया कि मामूली विवाद के चलते उसके पड़ोस में रहने वाले पिता पुत्र उसके साथ घर में घुसकर मारपीट करने लगे। उसके साथ मारपीट देख पत्नी रामसखी बचाने आई तो आरोपियों ने उसे भी मारा पीटा। मारपीट से दंपति को चोटें आईं। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

घर में घुसकर हजारों के बर्तन ले गए चोर

राठ। कोतवाली क्षेत्र के अकौना गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक मकान में घुसकर हजारों के बर्तन चोरी कर ले गए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। अकौना गांव निवासी भागीरथ पुत्र सुकइंया ने बताया कि शुक्रवार की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए। बताया कि चोरों ने कमरे में रखा पीतल का कलश, एक स्टील का कलश और एक बड़ा भगोना के अलावा उसके घर में रखे अन्य सामान चोरी कर ले गए। सुबह जब उसने कमरे में सामान बिखरा देखा तो होश उड़ गए। कोतवाल अमित कुमार ने बताया जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

बाड़े में बंधीं दो दर्जन बकरियां हो गईं चोरी

राठ। मझगवां थाने के नहदौरा गांव में बाड़े में बंधी दो दर्जन बकरियां चोर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने थाने तहरीर दी है। नहदौरा निवासी रामसिंह पुत्र बृंदावन ने बताया कि बुधवार रात वह रोज की तरह अपने घर पर सो रहा था। उसकी बकरियां पशुबाड़े में बंधी हुई थीं। सुबह जागने पर उसने देखा कि उसकी सभी 22 बकरियां गायब थीं। बताया कि उसने बकरियों की काफी खोजबीन की। लेकिन कहीं भी पता नहीं चला। मझगवां थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की जांच की जा रही है।

शिविर में 470 मरीजों की जांची गईं आंखें

कुराराः। सदगुरु सेवा संस्थान ट्रस्ट जानकी कुंड चित्रकूट व प्राचीन पहाड़ी देव शिव मंदिर समिति द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को चित्रकूट भेजा गया है। सदगुरु सेवा ट्रस्ट जानकी कुंड चित्रकूट व प्राचीन सिद्ध पीठ पहाड़ी देव शिव धाम समिति शंकरपुर बचरौली द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों द्वारा 470 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। उन्हें ड्रॉप व चश्मे का वितरण किया गया। जिसमें 140 लोगों के मोतियाबिंद व नेत्र रोग मरीजों को उपचार के लिए चित्रकूट भेजा गया। 30 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में समाजसेवी गणेश तिवारी, प्रद्युम्न सिंह, पिंटू सिंह, अशोक अवस्थी, अमित श्रीवास्तव, बलराम विश्वकर्मा का सहयोग रहा।

बाइक संग ई-रिक्शा में मारी टक्कर, 3 घायल

सुमेरपुर। थाना क्षेत्र के बांदा रोड पर पंधरी गांव में नशे में धुत ट्रैक्टर चालक ने बाइक को टक्कर मारने के बाद ई-रिक्शा में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को पीएचसी लाया गया। कस्बे के बसंत नगर निवासी रोहित व अमिलिया बाड़ा निवासी बुद्ध प्रकाश ई रिक्शा से आ रहे थे। पंधरी निवासी मुकेश साहू बाइक से आ रहा था, तभी शाम करीब साढ़े पांच बजे टेढ़ा की ओर जा रहे ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मारने के बाद ई रिक्शा में टक्कर मार दी, जिससे तीनों घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से पीएचसी भेजा। पुलिस ने नशे में धुत ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लिया है।

अनुशासन का पाठ पढ़ाया

पुलिस अधीक्षक डॉ .दीक्षा शर्मा ने शनिवार को पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के साथ संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। आवश्यकताएं जानीं और सुझाव भी लिया। उन्होंने जवानों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ अपना प्रशिक्षण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जवानों को पुलिस सेवा के दायित्वों, कर्तव्यों एवं व्यवहारिक चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल शारीरिक दक्षता ही नहीं, बल्कि मानसिक एवं नैतिक रूप से एक आदर्श पुलिसकर्मी का निर्माण करना है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों की प्रशिक्षण व्यवस्था एवं समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। यहां क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, मुख्य आरक्षी प्रशिक्षक सहित प्रशिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा। • अमृत विचार

24 घंटे नदी में फंसे रहे आधा दर्जन ट्रैक्टर

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- खेतों की जुताई के लिए नदी के पार जा रहे थे सभी ट्रैक्टर
- चंद्रावल नदी में रपटा पुल नहीं बनने से बढ़ी मुसीबत

अमृत विचार। फसलों की बुआई और खेतों की जुताई के समय नदी में पानी और कीचड़ की वजह से किसानों के आधा दर्जन ट्रैक्टर नदी में फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए ग्रामीण 24 घंटे तक जूझते रहे। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टरों को बाहर निकाला जा सका। खास बात यह है कि सेतु निगम के अधिकारियों ने पिछले महीने नदी मार्ग का निरीक्षण कर रपटा पुल बनाने का आश्वासन दिया था, मगर अभी तक कुछ नहीं हो सका।

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के भमौरा गांव के पास से गुजरी चंद्रावल नदी के रास्ते नरायच, मवइया, छिरका और भमौरा आदि गांवों के किसान नदी के उस पार अपने खेतों तक जाते हैं। इसको लेकर चंद्रावन नदी में पुल बनाने की लम्बे समय से मांग की जा रही है। 13 अक्टूबर को चंद्रावल नदी में एक ट्रैक्टर फंस जाने की खबर प्रकाशित होने के दूसरे दिन जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने खबर का संज्ञान लिया था। इसके बाद सेतु निगम के अधिकारियों ने नदी और रास्ते का निरीक्षण किया था और चंद्रावन नदी पर रपटा पुल बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हो सका। हालत यह है कि खेती के सीजन में किसान जान जोखिम में डालकर अपने ट्रैक्टर नदी से निकाल रहे हैं। गुरुवार को आधा दर्जन ट्रैक्टर नदी के कीचड़ में फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए किसान 24 घंटे तक जूझते रहे। कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार को ट्रैक्टरों को निकाला जा सका। इसके बाद किसानों ने राहत की सांस ली। इस दौरान किसानों में प्रशासन के प्रति खासा गुस्सा देखने को मिला।

भमौरा गांव के पास चंद्रावल नदी में फंसे ट्रैक्टरों को निकालते ग्रामीण। अमृत विचार

सचिव बोले, कंकरीट रोड़ी डलवाई जाएगी

- ट्रैक्टर फंसने की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दुर्जन और पंचायत सचिव अरविन्द सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे। पंचायत सचिव अरविंद सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायत के पास रपटा पुल बनवाने के लिए कोई बजट नहीं है, फिर भी रास्ते में कंकरीट और रोड़ी डलवा दी जाएगी, ताकि किसान अपने ट्रैक्टर निकाल सकें। वहीं इलाके के लोग चंद्रावल नदी पर रपटा या पुल बनने की अभी भी आस लगाए हुए हैं।

अब कुरारा में सड़क के किनारे पुलिया पर मिला युवक का शव

झलोखर से खिरवा जाने वाली सड़क पर बरामद हुआ शव, कस्बे का रहने वाला था युवक

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- सीओ बोले, कोई चोट के निशान नहीं, जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के झलोखर गांव से खिरवा गांव जाने वाले रास्ते के किनारे पुलिया के पास एक युवक का शव पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ सदर राजेश कमल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि शव में कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

शनिवार की सुबह कस्बे के वार्ड 11 निवासी जाकिर (45) पुत्र साबिर का शव संदिग्ध हालत में झलोखर गांव के अखाड़ा आश्रम के सामने से गई खिरवा गांव की सड़क में बनी पुलिया के पास अधलेटी अवस्था में मृत अवस्था में मिला। सुबह शौच को निकले ग्रामीणों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई। जो कस्बा का रहने वाला है।

भतीजे शानू ने बताया कि उसकी शादी 20 साल पहले हुई थी, लेकिन पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। कोई संतान नहीं है। वह बाहर रहकर मेहनत मजदूरी करता था। एक माह पहले कस्बे में दिखा था। अपने हिस्से का मकान भी बेच दिया था। अब इसके रहने का कोई ठिकाना नहीं था। कांशीराम कालोनी में रात में रहता था और सब्जी वालों के यहां काम कर लेता था। कब-कहां जा रहा है? किसी को पता नहीं रहता था।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। थाना प्रभारी रामआसरे सरोज ने बताया कि युवक के शरीर में कोई चोट के निशान नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थित स्पष्ट होगी। जांच की जा रही है। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किया है।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस और मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत से गांव में पसरा मातम

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- जनप्रतिनिधियों और एसडीएम ने पोस्टमार्टम हाउस में दी सांत्वना
- एक साथ तीनों युवकों का गांव में ही किया गया अंतिम संस्कार

अमृत विचार। राठ-पनवाड़ी मार्ग पर मिनी ट्रक और बाइक सवारों की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई थी। शनिवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके चलते पूरे गांव में मातम छाया रहा। पोस्टमार्टम हाउस में जनप्रतिनिधियों और एसडीएम ने पहुंचकर परिजनों को ढ़ांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पुलिस ने मिनी ट्रक चालक के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत करने के साथ ही कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि शुक्रवार की दोपहर राठ पनवाड़ी मार्ग पर बसेला गांव के पास मिनी ट्रक और बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई थी। बाइक पर सवार सदर गांव निवासी तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई थी। कोतवाली पुलिस ने देर रात मिनी ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। शनिवार को पुलिस ने मृतक युवकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद जब तीनों युवकों के शव गांव पहुंचे तो गांव में मातम छा गया।

तीनों युवकों का अंतिम संस्कार गांव में एक साथ किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पोस्टमार्टम हाउस जनप्रतिनिधियों और एसडीएम भी पहुंचे। पोस्टमार्टम हाउस में जनप्रतिनिधियों के सामने मृतक युवकों के परिजनों ने पुलिस पर बलपूर्वक लाठीचार्ज करने और परिवार के सदस्यों को घायल करने और महिलाओं के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। साथ ही कार्रवाई की मांग की है।

पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों को ढांढस बंधाते जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

छत्ता जलाते समय घर के कमरे में लगी आग

संवाददाता, सुमेरपुर

- दमकल जवानों ने आग पर काबू पाकर गृहस्थी जलने से बचाई

अमृत विचार। घर के अंदर रखे मधुमक्खी के छत्ते में आग लगाते समय आग का गोला कमरे में रखे सामान पर आ गिरा। इससे कमरे में आग लग गई। फायर दस्ते की तत्परता से आग विकराल रूप नहीं ले सकी और समय रहते बुझ गई।

कस्बे के इमिलिया थोक निवासी गंगाराम अनुरागी के घर में मधुमक्खियों ने छत्ता बना रखा है। इसी माह उसके घर पर शादी समारोह है। शादी समारोह में किसी तरह का दखल न हो, इसको देखते हुए शनिवार को मधुमक्खियों को भगाने के लिए आग लगा दी गई। आग का गोला अचानक कमरे में रखे सामान पर गिर गया। इससे हड़कंप मच गया। इसकी सूचना फायर दस्ते को दी गई। फायर दस्ते ने तत्परता दिखाई और चंद मिनट में मौके पर पहुंचकर भड़क रही आग पर काबू पाया। जिससे शादी के लिए खरीदकर रखा गया सामान जलने से बच गया। आग से काफी मात्रा में जलाऊ लकड़ी आदि जली है। शेष गृहस्थी का सामान बच गया है।

आग बुझाते दमकल कर्मी।

एसआईआर की बारीकियां समझाई

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन
- पार्टी के बीएलए घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें

अमृत विचार। कस्बे में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर विधान सभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, त्रुटियों को सुधारने और नए मतदाताओं को शामिल करने का लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कार्यक्रम घोषित कर दिया है। हम सभी को गहनता से मतदाता सूची का पुनरीक्षण करना है। इस संदर्भ में पार्टी भी अब जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक कर उनकी सक्रियता बढ़ाने का काम करेगी।

पार्टी अब बीएलओ के साथ काम करने के लिए ब्लॉक लेबल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति करेगी, जो घर घर जाकर मतदाता सूची की पड़ताल करेंगे।

एसआईआर विधानसभा प्रभारी अभिषेक तिवारी ने कहा कि पुराने समय में लोग निर्वाचन अधिकारी के साथ सांठ गांठ कर फर्जी निर्वाचन पत्र बनवा लेते थे। लेकिन अब फर्जी और दोहरे वोटरों को हटाया जाएगा। ऐसे युवक जो वोटर नहीं हैं उनके नाम जोड़े जाएंगे। उन्होंने इस अभियान को आंदोलन रूप देने का आह्वान किया।

इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष सरस्वती शरण द्विवेदी, मनोज गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा के साथ अभियान में जुड़ना है और फर्जी मतदाताओं को चिह्नित कर उनके वोट कटवाने हैं। इस दौरान पूर्व विधायक डा. अंबेश कुमारी, मंडल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, नवेंद्र सिंह, मनीष गौतम, प्रकाश तिवारी, राजेंद्र गुप्ता, अमरजीत अरोरा, मनोज बादशाह, सत्यप्रकाश राजपूत, रामशरण मिश्रा, धर्मेंद्र साहू, राजीव आर्य, प्रसन्न भूषण आदि भाजपाई मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक।

युवक ने घर के जेवर चोरी कर बेच डाले

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- राठ कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव में युवक की करतूत
- पिता ने जेवरात खरीदने वाले राठ के ज्वैलर्स के खिलाफ दी तहरीर

अमृत विचार। राठ कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव में एक युवक ने अपने मित्रों की संगत में पड़कर अपने ही घर से सोने चांदी के जेवरात चोरी कर कस्बे के एक ज्वेलर्स के यहां बेच डाले। युवक के पिता ने ज्वेलर्स पर पुत्र से चोरी के जेवरात खरीदने का आरोप लगाते हुए राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव के रहने वाले महेंद्र ने कोतवाली में मामले की तहरीर देकर बताया कि उसके 18 वर्षीय पुत्र ने अपने ही घर से सोने और चांदी के जेवरातों की चोरी कर कस्बे के एक ज्वैलर्स के यहां बेच डाले हैं। उन्होंने बताया कि ज्वैलर्स ने घर से चुराए गए जेवरात को औने-पौने गाम में खरीद लिया है। शनिवार को जब उसे चोरी की घटना की जानकारी हुई तो वह ज्वैलर्स के पास अपने जेवरातों को वापस लेने के लिए पहुंचा तो ज्वेलर्स ने जेवरातों को देने से इंकार कर दिया और इधर-उधर की बातें करने लगा। उन्होंने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि यह प्रकरण सामने आया है। तहरीर के आधार पर जांच कराई जाएगी और जांच-पड़ताल के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

भंडारा भी हुआ | मौदहा के संकट मोचन हनुमान धाम का मेला संपन्न, चेयरमैन ने बांटे पुरस्कार

दिवारी नृत्य में परछा की टीम बनी विजेता

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के पढ़ोरी मार्ग स्थित संकट मोचन हनुमान बिसंडा धाम का मेला और भंडारा शनिवार को धूमधाम से सम्पन्न हो गया। यहां आयोजित दीवारी नृत्य की टीमों को चेयरमैन रजा मोहम्मद ने शील्ड व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सुबह कन्या भोज और संत पंगत के साथ भंडारा शुरू हुआ, जिसमें कस्बा सहित आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यहां सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दीवारी नृत्य में अरतरा, परछा, परछा डेरा व मौदहा की टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें से प्रथम विजेता में परछा व द्वितीय में परछा डेरा तथा तृतीय स्थान पर रही मौदहा की दीवारी टीम रही। नगर पालिका अध्यक्ष रजा मोहम्मद उर्फ श्रीनाथ ने शील्ड व पारितोषिक देकर सम्मानित किया है। इस मौके पर संकट मोचन हनुमान सेवा एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजनारायण गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामलाल पतंगा सहित भरतलाल, दिलीप गुप्ता, राम सजीवन द्विवेदी, अशोक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संकट मोचन धाम में पूजा करते लोग।

गायत्री शक्तिपीठ की कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

कलश यात्रा में दिखा महिलाओं का उत्साह

- मौदहा कस्बे के मां गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में सात दिवसीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से किया गया। जिसमें विभिन्न झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों देवी भक्त उपस्थित रहे। कस्बे के मां गायत्री शक्तिपीठ में शनिवार से 24 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रथम दिन कस्बे में विभिन्न झांकियों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों महिलाओं द्वारा अपने सिर पर कलश लेकर नगर भ्रमण किया गया। जिसमें महिलाओं के साथ गायत्री शक्ति के सैकड़ों भक्त भी उपस्थित रहे।

शेख चांद बाबा की चादरपोशी में उमड़ी अकीदतमंदों की भारी भीड़

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे सहित क्षेत्र के विख्यात सूफी संत हजरत शेख चांद बाबा रह. का चार दिवसीय सालाना उर्स शुक्रवार की शाम बाद नमाज़ इशा भजनों के कार्यक्रम के साथ शुरू हो गया।

शनिवार को हुसैनगंज के अथैया से चादर निकाली गई जो मोहाल भ्रमण करते हुए शाम पांच बजे आस्ताने में पेश की गई। चादर के दौरान जगह-जगह भारी लंगर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचे अकीदतमंदों ने जमकर लंगर लिया। वहीं देर शाम आस्ताने में शानदार महफ़िल ए समां का आयोजन किया गया। जिसमे फैजाबाद से आए मशहूर कव्वाल साकिब अली साबरी ने शानदार कलाम पेश किए। उर्स के तीसरे दिन आज सुबह आस्ताने में फातिहा के बाद लंगर खिलाया जाएगा जबकि देर शाम महफ़िल ए समां का आयोजन होगा।

वहीं रविवार को कुल की फातिहा और कव्वाली के साथ चार दिवसीय उर्स का समापन होगा। उर्स में लगे झूले व दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई जिसमें लोगों ने दुकानों से जमकर खरीदारी की और बच्चे झूला झूलते नजर आई।

मौदहा में चादरपोशी के लिए उमड़े अकीदतमंद। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पूर्व विधायक राकेश की पत्नी का निधन

महोबा। पूर्व सदर विधायक राकेश गोस्वामी की पत्नी गायत्री गोस्वामी का बीमारी के चलते निधन हो गया। विधायक की पत्नी के निधन पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के अलावा व्यापारियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि देने के साथ परिवार को सांत्वना दी। शनिवार को सुबह 10 बजे मुस्करा मार्ग पर मोक्ष धाम में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में भाजपा के अलावा अन्य दलों से जुड़े लोग भी पहुंचे। लोगों ने शोकसभा कर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और घर जाकर ढांढस बंधाया। इस मौके पर एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर, भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष भागीरथ नगायच सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता व अन्य लोग उपस्थित रहे।

किसान को नहीं मिल रहा ट्रांसफॉर्मर, परेशान

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे के इमिलिया बाड़ा मोहल्ला निवासी किसान के निजी नलकूप का विद्युत ट्रांसफार्मर फुंक जाने के बाद अवर अभियंता की रिपोर्ट के बाद दूसरा ट्रांसफार्मर नहीं मिल रहा है। किसान पीरुउद्दीन ने विभाग की वेबसाइट 1912 में शिकायत दर्ज करके ट्रांसफार्मर दिलाने की मांग की है।

डेढ़ महीने बाद दर्ज हुई क्रॉस एफआईआर

सुमेरपुर (हमीरपुर)। दरवाजे पर भैंस धोने के विवाद में हुए झगड़े के बाद पुलिस ने डेढ़ माह बाद एक पक्ष से दलित उत्पीड़न तथा दूसरे पक्षों से मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। अतरैया निवासी पूजा पत्नी गयाचरण वर्मा का आरोप है कि वह 22 सितंबर को सुबह करीब 10 बजे घर के बाहर भैंस को नहला रही थी, तभी पड़ोसी देवराज पाल आया और आगबबूला होते हुए भैंस को नहलाने से रोका और गाली-गलौज करने लगा। फिर उसकी पत्नी विनीता आ धमकी और बाल पकड़कर जमीन गिरा दिया और मारा-पीटा। इनके साथ दो अज्ञात लोग भी थे। रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने आकर बचाया। पुलिस ने पति-पत्नी और दो अज्ञात को नामजद कर दलित उत्पीड़न का केस दर्ज किया है। उधर, देवराज की तहरीर पर पुलिस ने रामनरायन, रोहित, सुनील, पूजा के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट लिखी है।

वोट चोरी के मुद्दे पर गुलाबी गैंग की मुहिम शुरू

कार्यालय संवाददाता, महोबा

गुलाबी गैंग ने बम्हौरी बेलदारन गांव में चौपाल लगाकर जागरूक किया। अमृत विचार

अमृत विचार। गुलाबी गैंग ने वोट चोरी के मुद्दे को उठाते हुए जन जागरण अभियान शुरू कर दिया है। गुलाबी गैंग की राष्ट्रीय कमांडर के नेतृत्व में बुंदेलखंड कमांडर फरीदा बेगम और गुलाबी गैंग की सैकड़ों महिलाओं ने अभियान चलाते हुए बुंदेलखंड के प्रत्येक गांवों में चौपाल लगाकर लोगों को वोट की निगरानी और सुरक्षा के लिए जागरूक किया। गुलाबी गैंग ने अभियान की शुरूआत तहसील चरखारी के बम्हौरी बेलदारन गांव से की, जहां पर भाजपा सरकार पर वोट चोरी के आरोप लगाए साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वोट की चोरी होती है तो संगठन सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

बम्हौरी बेलदारन गांव में लगाई गई चौपाल में गुलाबी गैंक की राष्ट्रीय कमांडर संपत पाल ने कहा कि जब विपक्ष यह मुद्दा उठा रहे हैं कि वोट चोरी हुई है तो जनता को भी सच्चाई जानने का हक है। यदि ऐसा नहीं हुआ है तो चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष को इसका जवाब देना चाहिए। कहा कि गुलाबी गैंग का किसी राजनैतिक दल से कोई सम्बन्ध नहीं है, वह केवल जनता की बात करती है और इस मुद्दे को जन आंदोलन के रुप में उठाएगा। कहा कि गुलाबी गैंग ने अभियान शुरू कर दिया है और अब बुंदेलखंड के प्रत्येक गांव में पहुंचकर चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक करेगी, जिससे मतदान दौरान अपने वोट की निगरानी और सुरक्षा कर सके।

तीन साल बाद तत्कालीन एसपी को जमानत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

मणिलाल पाटीदार।

- उच्चतम न्यायालय ने पूर्व एसपी की सशर्त जमानत मंजूर की
- मणिलाल पाटीदार के महोबा जिले में प्रवेश पर भी लगाई रोक

अमृत विचार। एक्सप्लोसिव डीलर से कारोबार चलाने के लिए पैसा मांगने और न देने पर एसपी की धमकी से आहत विस्फोटक कारोबारी इंद्रपाल त्रिपाठी के सितम्बर 2020 में गोली मारकर आत्महत्या कर लेने के मामले में अभियुक्त तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार को करीब तीन साल बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत मंजूर करते हुए पूर्व एसपी के महोबा जनपद में प्रवेश पर रोक भी लगाई है।

कारोबारी के आत्महत्या करने के बाद आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज होने के बाद तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार फरार हो गए थे। पुलिस ने मणिलाल पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। 29 अक्टूबर 2022 को मणिलाल पाटीदार ने न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया था। कबरई के विस्फोटक कारोबारी इंद्रकांत त्रिपाठी ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार ने एक्सप्लोसिव का कारोबार करने के नाम पर पैसे की मांग की थी। हर माह पैसा न देने पर सबक सिखाने की धमकी भी दी थी, जिससे आहत कारोबारी ने 6 सितम्बर 2020 को तत्कालीन एसपी के खिलाफ वीडियो वायरल करने के बाद 7 सितम्बर को अपनी कार में गोली मार ली थी।

इसके बाद उन्हें रीजेंसी अस्पताल कानुपर में भर्ती कराया था, जहां एक सप्ताह बाद उनकी मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों ने तत्कालीन एसपी को निलंबित कर दिया था और उनके स्थान पर एसपी अरुण श्रीवास्तव को महोबा का चार्ज दिया था। इस घटना के बाद तत्कालीन एसपी फरार हो गए थे। जगह-जगह छापेमारी के बाद भी सुराग न लगने पर पुलिस के उच्चाधिकारियों ने मणिलाल पाटीदार पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद तत्कालीन एसपी मणिलाल पाटीदार ने 29 अक्टूबर 2022 को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया था। इसके बाद से लगातार पूर्व एसपी जेल में रहे। हाईकोर्ट से जमानत निरस्त होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। तीन साल बाद पूर्व एसपी मणिलाल पाटीदार को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के साथ पूर्व एसपी को महोबा जनपद में प्रवेश न करने का भी आदेश जारी किया है।

वंदे भारत ट्रेन के स्वागत में वंदे मातरम् से गूंजा रेलवे स्टेशन

वाराणसी से चलकर महोबा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर हुआ स्वागत, जनप्रतिनिधि पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- पहले दिन वंदे भारत की अगवानी के लिए स्टेशन पर जुटी भीड़
- जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखा खजुराहो के लिए रवाना किया

वंदेभारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाते जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

अमृत विचार। वाराणसी से चलकर खजुराहो के लिए रवाना हुई वंदे भारत ट्रेन की पहले दिन अगवानी के लिए महोबा रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ जुटी। 3:20 बजे वंदे भारत के यहां पहुंचने पर वंदे मारतम् की गूंज से रेलवे स्टेशन गूंज उठा। ट्रेन का जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। फिर एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष भागीरथ नगायच और जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत ट्रेन को खजुराहो के लिए रवाना किया।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर खजुराहो के लिए रवाना किया। इसके बाद यह ट्रेन 3 बजकर 20 मिनट पर रेलवे स्टेशन महोबा पहुंची, जहां पहले से मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरानी और भाजपा नेताओं के साथ रेलवे अधिकारियों ने वंदे भारत ट्रेन का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान रेलवे स्टेशन परिसर वंदे मातरम् और मोदी के जयकारों से गूंज उठा। इस ट्रेन के पटरी पर दौड़ने से ऐतिहासिक नगरी महोबा और पर्यटन स्थल खजुराहो आने वाले पर्यटकों को अब काशी नगरी बनारस के लिए सीधी ट्रेन सुविधा का लाभ मिलेगा। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन खजुराहो से महोबा, बांदा, चित्रकूटधाम, प्रयागराज होते हुए वाराणसी के बीच दौड़ेगी। यह ट्रेन गुरुवार को नहीं चलेगी। खजुराहो से दिन में 3:20 बजे वंदेभारत ट्रेन चलेगी और 4:18 बजे महोबा आएगी। इसके बाद बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज होते हुए रात 11 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

बुंदेलियों में दिखा खासा उत्साह

वंदेभारत ट्रेन के शनिवार को चलने से रेलवे स्टेशन में सुबह से ही सफाई शुरू हो गई थी। रेलवे गेट के अंदर तक मैट बिछाई गई। दोपहर से ही शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की भीड़ जमा हो गई। लोगों में विशेष उत्सुकता दिखाई दी। अब चित्रकूट धाम मंडल के लोगों को वंदेभारत ट्रेन की यात्रा करने के लिए अपने नजदीक स्टेशन से बैठने का मौका मिलेगा। इससे बुंदेली खासा खुश दिखाई दे रहे हैं।

एडीजे ने बंदियों की सुनीं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

टीम के साथ उपकारागार का निरीक्षण करते अपर जिला जज। अमृत विचार

- गरीब बंदियों के लिए नियुक्त होंगे लीगल एड डिफेंस काउंसिल

अमृत विचार। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष रामनगीना यादव के निर्देश पर अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव तेन्द्रपाल ने न्यायिक टीम के साथ जिला उपकारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान बंदियों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में जेलर को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अपर जिला जज ने उपकारागार में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं को सुना और उनकी सुनवाई के लिए निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की बात कही। इस मौके पर बंदियों को विधिक सहायता प्राप्त करने के अलावा विधिक सहायता की जानकारी दी गई।

निरीक्षण दौरान अपर जिला जज ने बैरक, रसोईघर के अलावा उपकारागार परिसर की साफ सफाई को देखते हुए सफाई व्यवस्था को और अधिक सुधार लाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद उन्होंने जिला उपकारागार में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं को सुना और गंभीरता से लेते हुए जेलर को बंदियों की समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए साथ ही अपर जिला जज ने उपकारागार के अस्पताल मे भर्ती बंदियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं के बावत जानकारी हासिल की साथ ही स्वास्थ्य टीम से दवा स्टाक के बारे में पूछा गया। अपर जिला जज ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पात्र बंदियों के विधिक सहायता प्रदान किये जाने के लिए सदैव तत्पर हैं। कुछ बंदियों के जमानत प्रार्थना पत्र उच्च न्यायालय मे प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिये गये। कहा कि जो बन्दी अत्यन्त गरीब है और अपना निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते उन्हे निःशुल्क लीगल एड डिफेंस काउन्सिल नियुक्त कराया जाएगा।

निरीक्षण करते हुए अपर जिला जज ने जेलर से बंदियों व खानपान संबन्ध में जानकारी ली तो जेलर ने बताया गया कि उपकारागार मे कुल 325 बन्दी निरूद्ध है, जिसमे विचाराधीन बंदियों की संख्या 270 एंव सिद्ध दोष बंदियों की संख्या 55 है। बताया कि प्रातकाल बन्दियां को नास्ते मे चाय, गुड़, दलिया दिया गया था तथा दोपहर के भोजन के लिए अरहर की दाल, आलू मूली की सब्जी, रोटी तैयार की गयी है। निरीक्षण दौरान लीगल एड डिफेंस काउसिंल सिस्टम के चीफ रामओैतार सिंह, डिप्टी रामनरेश नरेश यादव व असिस्टेंट हरेन्द्र मिश्रा व योगेन्द्र सिंह, जेलर राजेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखी लैपटॉप की बारीकियां

कार्यालय संवाददाता, महोबा

बच्चों को जानकारी देते फाउंडेशन टीम के निदेशक। अमृत विचार

अमृत विचार। वेदनिधि फाउंडेशन की ओर से शनिवार को सूरजपाल सिंह पब्लिक विद्यालय बरभौली में साइबर सुरक्षा जागरूता कार्यशाला आयोजित हुई। टीम ने करीब 300 छात्र-छात्राओं को मोबाइल, लैपटॉप की बारीकियां समझाईं।

फाउंडेशन के निदेशक प्रशांत गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन दुनिया की चुनौतियों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। कार्यशाला में बच्चों को सिखाया कि कैसे मजबूत पासवर्ड बनाएं इसका प्रशिक्षण दिया गया साथ ही सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करते समय सतर्क रहें, फ़िशिंग और साइबर बुलिंग जैसे खतरों को पहचानें और ऑनलाइन सामना कैसे बुक करें इसके बारे में जानकारी साझा की गई। कार्यशाला में इंटरनेट का उपयोग शैक्षणिक शोध, ऑनलाइन कोर्सेज और स्वयं के विकास के लिए बेहतर ढंग से कैसे करें, इस बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया। निदेशक ने कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। हमें ऑनलाइन रहते हुए सभी सुरक्षा उपायों का पालन अवश्य करना चाहिए। कुलदीप नागायच ने इस कार्यशाला को छात्रों के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संस्थापक दीपक सिंह ने कहा कि बच्चों को इंटरनेट का उपयोग करते समय अत्यंत सावधान और सजग रहना चाहिए। इस मौके पर प्रशांत गुप्ता, दीपक सिंह, कुलदीप नगायच, अंकुर, श्रद्धा, शिव नरेश, अतुल कुमार आदि मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में रेहान प्रथम और माही द्वितीय रहीं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

प्रतियोगिता में पोस्टर दिखाते प्रतिभागी छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। मिशन शक्ति अभियान के तहत साईं डिग्री कालेज में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाए। निर्णायक मंडल ने परिणाम घोषित करते हुए रेहान को पहला स्थान दिया गया। इस मौके पर प्राचार्य ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किए जाने के प्रति छात्र छात्राओं को प्रेरित किया।

प्रतियोगिता की शुरूआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी व प्रशासनिक अधिकारी बीके साहू ने दीप प्रज्जवति कर कराई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं महिला सशक्तिकरण महिला सम्मान, महिला सुरक्षा, महिला स्वालम्बन पर एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाये। निर्णायक मण्डल ने सभी सभी पोस्टरों को गहनता के साथ देखा और परिणाम घोषित करते हुए बीए की छात्र रेहान को पहला स्थान दिया गया। दूसरे स्थान पर बीए की छात्रा माही रही, जबकि तृतीय स्थान के लिए हेमन्त प्रजापति को चुना। सभी विजेताओं को महाविद्यालय की तरफ से मैडल व प्रमाण पत्र भेट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम दौरान प्राचार्य ने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने से छात्र छात्राओं का मनोबल बढ़ता है क्योंकि इससे उनका आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि छात्र छात्राएं अपनी क्षमताओं और कमजोरियों को समझने, कड़ी मेहनत करने और एक बेहतर दृष्टिकोण बनाने के हुए एक अनूठा और महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करे। इस अवसर पर उपस्थित प्राध्यापक डॉ. मैराज खांन, प्रवीण वाजपेयी, प्रदीप सिंह, आदर्श सोनकिया, डॉ. रविन्द्र कुमार, शशिकान्त अग्रवाल, आशीष चौरसिया, लोकेश चौरसिया, मारूतिनन्दन तिवारी, चन्द्रेश साहू, सुरेन्द्र कुमार, भावना साहू, पूनम, रोमाना खांन, शुभांशी विश्वकर्मा, अंजना श्रोतीय, रजनी पटैरिया, अर्चना श्रीवास्तव, रामशरण कुशवाहा, शहनवाज आदि रहे। संचालन प्रवीण वाजपेयी ने किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में रूबी अव्वल

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज महोबा में संपन्न कराई गई। चित्रकला प्रतियोगिता में करीब डेढ़ दर्जन से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने बेहतर तरीके से कलाकाली करके चित्रों को बनाकर रंग बिरंगे रंग भरे। प्रतियोगिता दौरान प्रतिभागी छात्राओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। छात्राओं ने चित्रकला बनाने के बाद अपने हुनर दिखाए। इसके बाद निर्णाक मंडल में शामिल नीरज प्रभा निगम, वंदना शुक्ला, नेहा सोनी, शबाना सिद्दीकी ने सभी प्रतिभागियों के चित्रकला को देखते हुए कक्षा नौ (डी) की छात्रा रुबी को प्रथम स्थान दिया, दूसरे स्थान पर शांति अनुरागी रही जबकि तीसरे स्थान पर अंजुम और संध्या रही। छात्राओं का हौसला बढ़ाया गया।

रामलीला | बेलाताल में रामलीला के समापन अवसर पर दर्शकों की जुटी भारी भीड़

विभीषण को राजा बनाकर अयोध्या लौटे प्रभु राम

संवाददाता, बेलाताल

रामलीला में प्रभु श्रीराम और रावण के बीच युद्ध का दृश्य। अमृत विचार

अमृत विचार। आदर्श रामलीला मंडल के तत्वावधान में चल रही रामलीला के समापन अवसर पर मेघनाथ, कुम्भकरण और रावण वध की लीला का मनमोहक मंचन किया गया। रामलीला में अंतिम लीला का मंचन होने के कारण दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी और अंत तक कलाकारों के अभिनय का आनंद लिया। लीला समाप्ति के बाद कलाकारों को सम्मानित किया। रावण वध करने और उसके बाद श्रीराम का राज्याभिषेक दौरान दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। रामलीला देखने के लिए पुरूषों के अलावा महिला और बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

कलाकारों ने मेघानाथ वध की लीला का मंचन करते हुए दिखाया कि लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भयंकर युद्ध दिखाया गया। युद्ध के अंत में लक्ष्मण ने मेघनाद का वध किया, जिसका सिर उनकी पत्नी सुलोचना की गोद में गिरता और लंका में मच जाता है। इसके बाद रावण कुम्भकरण करे सोते से जाने के प्रयास करता है और उसके जागने पर वह युद्ध में पहुंचता है, जहां पर कुंभकरण और भगवान राम के बीच युद्ध के दृश्यों को जीवंत किया गया। मंचन दौरान कुंभकर्ण की दहाड़ और उसकी शक्ति का प्रदर्शन किया गया और भगवान राम उसका वध करते हैं। रावण अपने छोटे भाई कुंभकरण की मौत के बाद स्वयं युद्ध की कमान संभालने के लिए मैदान में पहुंचता है।

रणभूमि में रावण अस्त्रों से राम की वानरी सेना को पछाडने लगता है, जिस पर राम अपने बाणों से रावण के सिर और भुजा को काटकर धरती पर गिरा देते हैं, लेकिन कटी भुजाओं व सिर की जगह नए सिर व भुजाएं पुनः बन जाते हैं जिसे देखकर राम चिंतित होते हैं और विभीषण से रहस्य हासिल कर एक साथ 31 बाण छोड़ते हैं जिससे रावण के दसों शीष, बीसों भुजाएं एक बाण उसके नाभि में लगता है जिससे नाभि का अमृत सूख जाता है और वह एक कटे वृक्ष की तरह धरती पर गिरता है, जिसे देख दर्जनों जय श्रीराम के जयकारे लगाते हैं। रावण वध के बाद राम विभीषण को लंका का राजा बनाकर अयोध्या लौट आते हैं। व्यास गद्दी पर पप्पू मिश्रा ने भावपूर्ण संवादों के माध्यम से लीला को जीवंत बना दिया, वहीं धीरेन्द्र राजा ने ढोलक की संगत से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदित्य तिवारी ने की तथा कोषाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सक्सेना ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया और अगले वर्ष रामलीला का न्यौता देकर दर्शकों का आभार व्यक्त कर रामलीला का समापन किया।

कार की टक्कर से युवक की गई जान

महोबा। शहर में विधायक आवास के सामने तेज रफ्तार कार चालक ने एक युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

श्रीनगर थाना क्षेत्र के उदयपुरा गांव के रामकुंवर अहिरवार ने कोतवाली में तहरीर दी कि उसका बेटा जितेंद्र अहिरवार (25) अतरार माफ श्रीनगर में सफाई कर्मी है। वह महोबा रहता था। 29 अक्टूबर को सुबह 4 बजे वह स्टेशन से टिकट लेने गया था। वापस पैदल गांधी नगर में विधायक आवास के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार कार ने पीछे से उसे टक्कर मार दी, जिससे लोग उसे उठाकर जिला आसप्ताल ले गए, जहां से उसे झांसी रेफर कर दिया। चार दिन इलाज चलने के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंडरपास में पानी, जोखिम में जान

संवाददाता, बेलाताल

- पानी भरा होने की वजह से रेलवे पटरी पार करते मवेशी
- मनमानी तरीके से पंपिंगसेट मशीन चलाता ठेकेदार

जानवरों को पटरी पार कराता चरवाहा। अमृत विचार

अमृत विचार। कुलपहाड़-बेलाताल मार्ग में घुसयाना मोहल्ले से करीब दो किमी दूर वन पक्षी विहार के मार्ग पर बना रेलवे अंडरपास किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। अंडरपास में लबालब पानी भरा होने से पशुपालक रेलवे पटरी से पशुओं को निकालते हैं, जिससे जान का खतरा है। इसके बावजूद रेलवे प्रशासन की ओर से अंडरपास से पानी निकालने की समुचित व्यवस्था नहीं कराई जा रही है, जिसका खामिया किसानों और ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

जैतपुर के घुसयाना मुहाल से करीब दो किमी दूर निकले अंडरपास में जमीन से रिसाव के चलते तीन तीन फिट पानी भर जाता है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। खेत आने जाने वाले किसानों और पशुपालकों को पशु चराने के लिए जंगल लाने ले जाने पर इसी अंडरपास से निकलना पड़ता है, जिससे बकरियां, भेड़ पानी से बिदक कर ट्रेन की पटरी पार करके ऊपर से निकलती है। बकरियों को सुरक्षित पटरी पार कराने के लिए पशुपालक भी जान जोखिम में डालकर पटरी पार करते हैं। अंडरपास में भरे पानी को बाहर निकालने के लिए पंपिंगसेट मशीनें ठेकेदार के जरिए रखी गई है और पानी भरने पर तत्काल मशीन चलाकर पानी निकालने की जिम्मेदारी ठेकेदार को दी गई, लेकिन ठेकेदार अक्सर घंटों पंपिंगसेट मशीन नहीं चलाता, जिससे पानी अधिक भर जाता है और आगवामन प्रभावित होने लगता है। ठेकेदार डीजल बचाने के चक्कर में कई कई घंटे अंडरपास में भरे पानी नहीं निकालता है और भुगतान समय से ले रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार मनमाने तरीके से पंपिंगसेट मशीन चलाता है।

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर के लिए बना डिस्ट्रिक्ट काल सेंटर

चित्रकूट। उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश चंद्र निगम ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से सबंधित कार्य शुरू है। चित्रकूट एवं मानिकपुर निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं। बताया कि चार दिसंबर तक इनका संग्रह किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय कलेक्ट्रेट में डिस्ट्रिक काल सेंटर की स्थापना कर दी गयी है। इसका टोल फ्री दूरभाष नंबर 05198-298090 है।

बसपा की हुई बैठक

चित्रकूट। बहुजन समाज पार्टी की विधानसभा क्षेत्र यूनिट मऊ मानिकपुर के तत्वावधान में शनिवार को रैपुरा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान तथा संगठन के बारे में चर्चा हुई। इस मौके पर मुख्य सेक्टर प्रभारी बलदेव प्रसाद वर्मा, मान सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र कुमार, वीरेंद्र पासी, रावेंद्र कुमार वर्मा, ज्ञान सिंह पटेल आदि मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष शिवबाबू वर्मा एडवोकेट ने बताया कि भरत पटेल खंडेहा ने समाजवादी पार्टी छोड़कर समर्थकों के साथ बसपा की सदस्यता ग्रहण की।

भारतीय हाकी के 100 साल पूरे होने पर हुए कार्यक्रम

चित्रकूट। भारत में हाकी के 100 साल पूरे होने पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। स्पोर्ट्स स्टेडियम में हाकी अकादमी के संयोजक / पूर्व कोच प्रेमशंकर शुक्ला के नेतृत्व में मैच का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा चंद्रप्रकाश खरे ने हाकी खेल करके किया। दोनों ने खेल का महत्व बताया। इसके पूर्व हॉकी अकादमी के संयोजक ने हाकी के विषय में विस्तार से बताया। इस मौके पर हाकी मैच भी कराया गया। निर्णायक की भूमिका में श्यामसुंदर यादव, सुरेश राजा, भारत सिंह, उमेश द्विवेदी, अंगद सिंह यादव, फिरोज अंसारी, अख्तर हुसैन आदि मौजूद रहे। वहीं स्कूलों में श्यामसुंदर यादव की देखरेख में हाकी मैच हुए।

सड़क सुरक्षा कार्य जल्द कराने के निर्देश

चित्रकूट। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुखनंदनपुर के पास हुई सड़क दुर्घटना के मद्देनजर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के साथ दुर्घटनास्थल का मुआयना किया और सड़क सुरक्षा संबंधी काम कराने के लिए अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय मार्ग खंड, लोनिवि बांदा को निर्देशित किया। पाया गया कि स्थान पर दुर्घटना बाहुल्य संबंधी जानकारी देने वाला बोर्ड आदि लगे हैं। जेब्रा क्रासिंग का काम कराया जा रहा है। डीएम ने सभी कार्यों को यथाशीघ्र पूरा कराने के लिए निर्देशित किया कि भविष्य में दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

वनकर्मियों पर घर गिराने का आरोप

मानिकपुर (चित्रकूट)। गढ़चपा मजरा पहरतरापुरवा निवासी हरि पुत्र छेदीलाल ने डीएम को पत्र भेजकर वनकर्मियों पर घर ढहाने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि दो पीढ़ी से उसका परिवार पुश्तैनी मकान में रह रहा है। बारिश से घर क्षतिग्रस्त होने पर वह दीवार बनवा रहा है। आरोप लगाया कि शनिवार को वन विभाग के कर्मचारी वहां पहुंचे और उसका घर ढहा दिया। अब वह परिवार के साथ खुले आसमान के नीचे रहने पर मजबूर है।

हादसे में घायल एक और किशोर ने लखनऊ में तोड़ दिया दम

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर लगभग एक सप्ताह पूर्व हुई दुर्घटना में घायल एक और किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह इस भीषण हादसे में मरने वालों की संख्या पांच हो गई।

दो नवंबर को खोह के पास हाईवे पर बोलेरो और बस की टक्कर में वाहन स्वामी पिता कैंप का पुरवा मजरा डिलौरा निवासी राजा भइया और उसके दो पुत्रों मोहित सुभाष व भतीजे रोहित पुत्र अर्जुन प्रसाद की मौत हो गई थी। राजा भइया की पत्नी शोभा, बेटी अभिलाषा सहित भाई अर्जुन प्रसाद की बेटी संध्या और ओमप्रकाश गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनको जिला अस्पताल से प्रयागराज ले जाया गया था। ओमप्रकाश (17) को ज्यादा गंभीर होने पर लखनऊ रिफर किया गया था। छह दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद उसने भी दम तोड़ दिया। इससे इस हादसे में मरने वालों की संख्या पांच हो गई। दुखद यह कि हादसे में दोनों परिवारों ने अपने दोनों चिराग खो दिए। मौत की खबर घर पहुंची तो मातम पसर गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

चित्रकूट। हाईवे पर शनिवार शाम सड़क दुर्घटना में बाइकसवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सीतापुर निवासी मोहित जोशी और परमानंद बाइक से कर्वी से घर जा रहे थे। शाम लगभग साढ़े छह बजे उनकी बाइक तेंदुरी नाइट्स रेस्टोरेंट के सामने दूसरी ओर से आ रही बाइक से टकरा गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार भाग गए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रदेश सरकार ने शिक्षा में किया गुणात्मक सुधार

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अधिवेशन में बोले राज्यमंत्री

अमृत विचार। राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अधिवेशन में राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार किया है। शिक्षक और बेहतर बनाने में सहयोग करें। सम्मलेन में प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी जिलाध्यक्ष डॉ. प्रदीप शुक्ला ने किया।

एक मैरिज हाल में हुए अधिवेशन में शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी भी हुई। अधिवेशन का उद्घाटन मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया। इस मौके पर पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर पूजा अर्चना की। प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद पांडेय व महामंत्री सत्यशंकर मिश्रा, संयुक्त मंत्री अनिल कुमार ने स्वागत किया।

पूर्व सांसद ने कहा कि निजी स्कूलों से अब सरकारी स्कूल बेहतर हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया है। हर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक हैं और अच्छी पढ़ाई हो रही है। इस मौके पर सम्मेलन की मुख्य संयोजिका कमला साहू, जिलाध्यक्ष रामकेश कुशवाहा एवं मंत्री प्रमोद पाल, कैलाश चंद्र शुक्ला, नरेंद्र मिश्रा, अजय त्रिपाठी, रमेश वर्मा, रेखा त्रिपाठी, छेदीलाल यादव, रश्मि श्रीवास्तव, अनिल शर्मा, पुरुषोत्तम प्रजापति, मोनिका यादव, अजय, आशुतोष द्विवेदी, अलख निरंजन, गुड़िया देवी, विनोद कुमार, अल्पना जायसवाल, लवकुश सिंह, रश्मि बाजपेई आदि मौजूद रहीं।

अधिवेशन में मंच पर बैठे राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

दुल्हन सी सजकर पहुंची वंदे भारत

चित्रकूटधाम स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी, वंदे भारत का हुआ जोरदार स्वागत

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। वाराणसी से चलकर खजुराहो जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपराह्न लगभग सवा बजे जब यह चित्रकूटधाम रेलवे स्टेशन पहुंची तो यहां इसका जोरदार स्वागत किया गया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने इसे यहां से हरी झंडी दिखाई।

रेलवे स्टेशन पर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, जिलाध्यक्ष कोआपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, प्रधान मुख्य अभियंता रेलवे जेसी चौरसिया, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा रंजना उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, स्टेशन मास्टर सुरेश कुमार आदि मौजूद थे। सभी ने ट्रेन का स्वागत किया और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

जानकारी के मुताबिक, वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन (गुरुवार को छोड़कर) संचालित होगी। चित्रकूटधाम कर्वी स्टेशन पर यह ट्रेन सुबह लगभग 10 बजे पहुंचेगी और बांदा, महोबा होते हुए खजुराहो जाएगी। वापसी में यह ट्रेन खजुराहो से दोपहर 3:20 बजे रवाना होकर महोबा 4:18 बजे, बांदा 5:13 बजे और चित्रकूट शाम 6:13 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह प्रयागराज, छिवकी होते हुए रात 11 बजे वाराणसी पहुंच जाएगी। ट्रेन से लोगों को सहूलियत मिलेगी।

दोहरीकरण के बाद मिलेगी दूसरी वंदे भारत : पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि यह ट्रेन बनारस से खजुराहो तक है, जो विंध्याचल, प्रयागराज से चित्रकूट होते हुए जाएगी। बताया कि रेलवे लाइन के दोहरीकरण का काम चल रहा है। पूरा होने के बाद दूसरी वंदे भारत ट्रेन भी जिले को मिलेगी।

पर्यटकों को होगी सुविधा : जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कहा कि इस ट्रेन के चलने से सबसे ज्यादा फायदा पर्यटकों को होगा। तीर्थक्षेत्र में श्रद्धालु और पर्यटक और ज्यादा आएंगे। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि उनके आने के तुरंत बाद जिले को यह उपलब्धि मिली है।

बाल शिविर में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, मानिकपुर (चित्रकूट)

- बरहट गांव में तीन दिवसीय बाल शिविर आयोजित

अमृत विचार। दीनदयाल शोध संस्थान के तत्वाधान में बरहट गांव में तीन दिवसीय बाल शिविर लगा। इसका समापन शनिवार को हुआ। इस मौके पर बच्चों को योगाभ्यास, व्यायाम आदि सिखाया गया।

शुरुआत भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा, थाना प्रभारी अभिषेक तिवारी, प्रधानाचार्य मान सिंह, समाजशिल्पी दंपती अरुणेंद्र तिवारी, दीपा तिवारी समाजशिल्पी दंपत्ति ने भारत माता, पं.दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की। डीआरआई के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। आरएसएस संघचालक रामाधार ने कहा कि बच्चों के द्वारा ही ग्राम एवं देश स्वावलंबी होगा। स्वावलंबन अभियान के प्रभारी डा. अशोक पांडेय ने बताया कि डीआरआई द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर व्यक्तित्व विकास के साथ समाज मूलक बातों की जागरूकता के लिए समाजशिल्पी दंपती व सहयोगी कार्यकर्ताओं के माध्यम से संकुल केंद्रों पर बाल शिविर लगाए जा रहे हैं। जितेंद्र सिंह प्रभारी समाज शिल्पी ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 10 से 14 वर्ष के बालक बालिकाएं प्रशिक्षण ले रहे हैं। मंच संचालन शिवाकांत पांडेय ने किया। शिविर में बच्चों ने योग, व्यायाम, ताइक्वांडो, खेल गीत, सामूहिक कार्यक्रम व सांस्कृतिक कार्यक्रम नाटक आदि का प्रदर्शन किया।

बाल शिविर में नाटक की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। अमृत विचार

मृदु व्यवहार के धनी थे मृगेंद्रराज

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मृगेंद्रराज सिंह के असामयिक निधन पर शोक सभा की गई। लोगों ने शिक्षक के मृदु व्यवहार और काबिलियत को याद किया।

ग्राम पंचायत सरधुवा के मजरे जालंधर पुरवा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक मृगेंद्रराज सिंह की हार्ट अटैक के बाद इलाज के दौरान 3 नवंबर को कानपुर में मृत्यु हो गई। सूचना चित्रकूट पहुंची तो शिक्षकों में शोक छा गया। आदर्श शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसो. के मंडल अध्यक्ष राजा सिंह परिहार की अगुवाई हुई शोकसभा में शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों ने श्रद्धांजलि दी। खंड शिक्षाधिकारी पहाड़ी राजेश कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष अमित कुमार पांडेय, सुशील कुमार व संकुल प्रभारी नारायण सिंह आदि मौजूद रहे। खंड शिक्षाधिकारी ने बताया कि मूलतः फतेहपुर की खागा तहसील के थे पिता अधिवक्ता हैं। पत्नी श्वेता सिंह भी अध्यापिका हैं। वह अपने पीछे चार साल का पुत्र व दो माह की पुत्री छोड़ गये। असमय मृत्यु शिक्षक परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है। इनकी नियुक्ति प्राथमिक विद्यालय जालंधरपुरवा में नियुक्ति हुई अल्प समय में ही विद्यालय को काबिलियत व मृदु व्यवहार से अच्छे विद्यालयों की श्रेणी में ला दिया। सुशील कुमार, रामकृष्ण निषाद, आशीष यादव, शुचि सिंह, पवन कुमार, आलोक वर्मा, राजेश वर्मा, कमलेश गुप्ता, अश्वनी कुमार, विनय गुप्ता, उमेश कुमार, शिव सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, नारायण सिंह, अनिल कुमार त्रिपाठी, सतीश चंद्र खरे, पवन कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार तिवारी, आलोक कुमार, सुधींद्र सिंह, मनोज कुमार द्विवेदी, चिंतामणि शुक्ला, अशोक कुमार गुप्ता, दयाशंकर, अराधना शुक्ला, अनिल कुमार आदि रहे।

साथी शिक्षक को श्रद्धांजलि देते शिक्षक। अमृत विचार

- युवा शिक्षक की मृत्यु पर शिक्षकों में शोक, दी श्रद्धांजलि

93 गांवों में खुलेंगी डिजीटल लाइब्रेरी

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने बताया कि जिले की 93 ग्राम पंचायतों में बाल एवं किशोर पुस्तकालय (डिजीटल लाइब्रेरी) की स्थापना की जा रही है। इसमें कंप्यूटर, डेस्कटॉप, प्रिंटर, अलमारी की व्यवस्था रहेगी। पुस्तकाल में नेशनल बुक ट्रस्ट, एनसीईआरटी, प्रतियोगी परीक्षा, महापुरुषों की जीवन गाथा आदि की पुस्तकें होंगी। बताया कि इन ग्राम पंचायतों में विकास खंड कर्वी, मऊ, मानिकपुर, रामनगर और पहाड़ी की ग्राम पंचायतें शामिल हैं। ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीकी संसाधनों, शैक्षिक सामग्री एवं ई-लर्निंग सुविधाओं से जोड़ना है।

स्वास्थ्य परीक्षण किया

चित्रकूट। विकास पथ सेवा संस्थान के तत्वावधान में उच्च प्राथमिक विद्यालय छेरिहा खुर्द में नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगा। कार्यक्रम में हंस फाउंडेशन, सद्‌गुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड की टीम का सहयोग रहा।

पोद्दार इंटर कालेज के बच्चे बने चैंपियन

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

- तीन दिवसीय जिला स्तरीय स्काउट रैली का हुआ समापन

अमृत विचार। ग्राम पंचायत छीबों में श्री गोस्वामी इंटर कालेज के ठा. उजागर सिंह क्रीड़ा स्टेडियम में तीन दिवसीय 25वीं जनपदीय स्काउट और गाइड रैली का शनिवार को समापन हुआ। सर्वाधिक 320 अंक प्राप्त कर सेठ राधाकृष्ण पोद्दार इंटर कालेज सीतापुर को पहला स्थान मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व शिक्षक विधायक सुरेश कुमार त्रिपाठी और जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना की और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंधक संतोष पांडेय ने अतिथियों को अंगवस्त्रम् और भगवान कामतानाथ की प्रतिमा भेंट की। प्रधानाचार्य शिवशंकर ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में 315 अंक प्राप्त कर बजरंग इंटर कालेज सपहा द्वितीय एवं 295 अंक के साथ श्री गंगा प्रसाद जनसेवा इंटर कालेज तृतीय स्थान पर रहा। वर्ग एव संवर्गवार परिणाम में नगर बेसिक में मॉडर्न पब्लिक स्कूल शंकर बाजार कर्वी प्रथम, ब्लॉक बेसिक में कंपोजिट स्कूल अतरसुई रामनगर चित्रकूट प्रथम व उच्च प्राथमिक विद्यालय नांदिन कुर्मियान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन सुरेश प्रसाद जिला सचिव स्काउट गाइड ने किया। आयोजन में हरिहरनाथ सिंह, अनिल कुमार सिंह, प्रेमचंद, ललितकुमार, जानकीशरण, रामदयाल, आशीष साहू, सुशील कुमार, रामबाबू वर्मा आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। इस मौके पर सुरेश प्रसाद, मेजर मिथलेश पांडेय, रामराज पांडेय, शिवप्रताप सिंह, मैयादीन पटेल व मोहनलाल दीन ने व्यवस्था संभाली। नेतृत्व संजय यादव व्यायाम शिक्षक ने किया।

छात्राओं को पुरस्कृत करते पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र। अमृत विचार

सुनवाई

थाना समाधान दिवस में डीएम, एसपी ने समस्याएं सुनीं

लेखपालों के कामकाज पर रखें नजर : डीएम

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। थाना सभागार में शनिवार को थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव को निर्देश दिए कि लेखपालों के कामों की समीक्षा करते रहें। इनकी किसी तरह की शिकायत न आनी चाहिए। इस मौके पर आए सात शिकायती पत्रों के सापेक्ष दो का निस्तारण मौके पर किया गया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों व महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। दोनों अधिकारियों ने प्रार्थनापत्रों के शासन की मंशानुरूप व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने निर्देशित किया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में पत्रक सभी बूथों में उपलब्ध कराए जाएं। जमीन संबंधित विवादों को पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम के स्थलीय निरीक्षण के बाद निस्तारण के निर्देश दिए।

नहर पटरी पर कब्जा करने का आरोप : खटवारा के संतोष शुक्ला ने बताया कि खटवारा वाया भदेवरा नहर, जो लगभग 20 वर्षों से निष्प्रयोज्य है, की पटरी पर अवैध कब्जा किया गया है। क्षेत्र का किसान प्राइवेट ट्यूबवेल के सहारे फसल सिंचाई के लिए मजबूर है।

उद्योग व्यापार मंडल ने किया स्वागत : जिलाधिकारी के नगर प्रथम आगमन पर उद्योग व्यापार मंडल राजापुर इकाई ने श्रीरामचरित मानस, गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा एवं अंगवस्त्रम् से सम्मानित किया। इस मौके पर शिवपूजन गुप्ता, सतीश चंद्र मिश्रा आदि रहे।

समाधान दिवस में शिकायत सुनते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह। अमृत विचार

कार्रवाई : नाबालिग की मौत के आरोपी को दबोचा

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। पुलिस ने छेड़खानी, गालीगलौज व जान से मारने की धमकी देने पर नाबालिग द्वारा आत्महत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार थाना पहाड़ी अंतर्गत एक ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नीरज पुत्र रामेश्वर ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़खानी की और गालीगलौज के साथ जान से मारने की धमकी दी। लोकलज्जा के डर से पुत्री ने आत्महत्या कर ली। एसपी ने थानाध्यक्ष पहाड़ी प्रवीण कुमार सिंह को आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए निर्देशित किया था। शनिवार को एसआई योगेंद्र बहादुर सिंह ने आरोपी नीरज को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में आरक्षी नवीन कुमार शामिल रहे।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

बिना भक्ति कुछ भी संभव नहीं

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

अमृत विचार। पियरियामाफी में लालता प्रसाद बरुआ के आवास में सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथाव्यास ब्रजबिहारी तिवारी ने कहा कि भक्ति हृदय में न हो तो कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता। प्रभु को पाना है तो ज्ञान, वैराग्य, त्याग को हृदय में समाहित करना होगा।

उन्होंने कहा कि यह भागवत महापुराण की पावन अमृतमयी ऐसी कथा है जो भगवान का बोध कराती है और समाज को भी एकता के बंधन में बंधने का भाव जगाती है। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के पावन चरित्र की कथा सुनाते हुए जड़ भरत के चरित्र का संक्षेप में वर्णन किया। भक्त ध्रुव की भगवान को पाने की तीव्र कामना का वर्णन किया। कथा व्यास ने गजेंद्र मोक्ष की मनोहारी कथा का संक्षेप में वर्णन कर भगवान के वामन अवतार की कथा सुनाई। इसमें शांती देवी लालता प्रसाद बलुआ मुख्य जजमान हैं। इस संगीतमयी कथा की व्यवस्था बृजनंदन बलुआ कर रहे हैं। कथा को सुनने में गांवों के लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत कोटरा खांभा विकास खण्ड मऊ (जनपद चित्रकूट)

पत्र संख्या : 2025-2026 दिनांक : 09.11.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

मनरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटरा खांभा में निर्माणात्मक कार्यो की सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं से दिनांक 09.11.2025 से दिनांक 15.11.2025 अपराह्न 1 बजे तक मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। जो कि उसी दिन अपराह्न दो बजे अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 09.11.2025 से 15.11.2025 तक ग्राम पंचायत कोटरा खांभा से प्राप्त की जायेगी जो ग्राम पंचायत के किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क अदा करके प्राप्त की जा सकती है।

	कार्य का नाम	सामग्री का मूल्य	निविदा मूल्य
1	कोटरा खांभा के पू0 मा0 वि0 में इण्टरलांकिंग खण्डजा का निर्माण	9.98 लाख	500

निविदा शर्त रू किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय में देखी जा सकती है।

ग्राम पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत कोटरा खांभा, मऊ-चित्रकूट

प्रधान
ग्राम पंचायत कोटरा खांभा, मऊ-चित्रकूट

मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौं सौंपता, क्या लागै है मेरा॥

कबीरदास जी कहते हैं, मेरे पास मेरा अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति सब कुछ तुम्हारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है, तो उसके प्रति मोह कैसा? इसमें मेरा कुछ भी नुकसान नहीं है, क्योंकि मैं तेरी दी हुई चीजें, तुझे ही समर्पित करता हूं।

वंदे मातरम् : राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र

शब्दों के घटक अक्षर और अक्षर की घटक ध्वनि। ध्वनियों के कुशल संयोजक राग गढ़ते हैं। कोई शब्द अपनी अक्षर शक्ति से मंत्र बन जाते हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता। ऐसा तभी होता है, जब दिक्काल शुभ मुहूर्त की रचना करे। ऐसी मुहूर्त में उत्पन्न होता है शक्तिशाली शब्द, जिसका पुरुश्चरण होता रहता है। वंदे मातरम् बंकिम चन्द्र के उपन्यास 'आनंद मठ' का हिस्सा है। राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के अवनि अंबर वंदे मातरम् के घोष से आपूरित रहे हैं। वंदे मातरम् राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र है। अभी तीन दिन पहले इसकी 150 वीं जन्म जयंती मनाई गई। दुनिया के किसी भी देश में घर-घर पहुंचने वाली ऐसी काव्य रचना नहीं मिलती।

> प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।"

'वंदे मातरम्' मंत्र का अवतरण वैदिक ऋचाओं की ही तरह 7 नवंबर, 1875 को हुआ। अंग्रेजी राज के विरुद्ध देश की सांस्कृतिक राष्ट्र भावाभिव्यक्ति वंदे मातरम् में प्रकट हुई। वंदे मातरम् 'आनंद मठ' (1882) में छपा। कांग्रेस 1885 में बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता में हुए अधिवेशन (1886) में हेमेन्द्र बाबू ने वंदे मातरम् गाया। अध्यक्ष मो. रहमत उल्लाह सयानी ने कोई प्रतिवाद नहीं किया। 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे देशराग एक ताल में गाया। ब्रिटिश सत्ता वंदे मातरम् से डर गई। सरकार ने बंगाल विभाजन की घोषणा की। विरोध शुरू हो गया। बंगभंग 16 अक्टूबर, 1905 के दिन लागू होना था। बंगाल धधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिबंधित हो गया। विश्वविख्यात चिंतक विल डूरेन्ट ने बाद में कहा-"इट वाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगैन।" वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगाल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लाठीचार्ज किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकारा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रशंसा लिखने पर मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने "वंदे मातरम् के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्रोह" बताया। उन्हें 6 माह की सजा की घोषणा हुई। अदालत के बाहर वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लाठीचार्ज में दूर बैठा 15 वर्षीय शिशु सुशील कुमार भी पीटा गया। उसने प्रतिवाद किया। उसे 15 बेतों की सजा सुनाई गई। बेंत की हर मार पर उसने 'वंदे मातरम्' कहा। 1905-06 वंदे मातरम् के उत्ताप का कालखंड है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भक्ति का स्वाभिमान बना।

भारत के अनेक भाषा भाषी कवियों ने 'वंदे मातरम्' अनुवाद किया। विश्वविख्यात कवि सुब्रमण्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गाया। फिर ल.न. पंतलु ने तेलगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का आसेतु हिमाचल प्रवाह था। 2005 में आरिफ मोहम्मद खान (सम्प्रति राज्यपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के माध्यम से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विष्णु दिगंबर पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मो. अली ने प्रतिकार किया। पुलस्कार गाते रहे, वे चले गए। वंदे मातरम् समाज के प्रत्येक हिस्से में था, लेकिन कांग्रेस कार्यकारिणी (कलकत्ता 28.10.1937) ने इसमें काट छांट की और प्रथम दो चरण ही गाए जाने का प्रस्ताव किया। मो. अली जिन्ना के 11 सूत्री मांग पत्र में एक सूत्र 'वंदे मातरम्' को खारिज किए जाने का भी था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

भारतीय स्वाधीनता (15 अगस्त, 1947) के सुप्रभात पर श्रीमती सुचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् गाया। आकाशवाणी के निदेशक ने संगीताचार्य पं. ओंकारनाथ ठाकुर से वंदे मातरम् गायन का न्योता देते हुए कहा-"सरदार पटेल ने आपको बुलाया है।" ठाकुर ने कहा-"हम आएंगे तो 'पूरा' गाएंगे।" दिल्ली ने 'हां' किया। आकाशवाणी से वंदे मातरम् का पूरा प्रसारण हुआ, लेकिन आजादी के 1 वर्ष बाद ही राष्ट्रगान 'जन गण मन' आ गया। क्यों आ गया?

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।" पंडित जी के तर्क दिलचस्प हैं। उनके तर्क और स्पष्टीकरण गले नहीं उतरते। पंडित नेहरू ने कहा, "देश के पास राष्ट्रगान की उपयुक्त रिकार्डिंग नहीं थी।" विदेशी प्रतिनिधियों को जन गण मन भा गया। पंडित जी ने आगे कहा-"मैंने प्रदेशों के राज्यपालों से इस पर राय भेजने हेतु पत्र लिखा है। मंत्रिमंडल का फैसला है कि संविधान सभा में अंतिम निर्णय होने तक 'जन गण मन' ही राष्ट्रगान के रूप में गाया जाएगा।" (वही-संविधान सभा) पंडित जी ने मुख्यमंत्रियों के बजाय राज्यपालों से ही क्यों मशविरा मांगा? क्या राज्यपाल केन्द्र के आज्ञापालक थे? मद्रास के तत्कालीन राज्यपाल आर्ची वालग्ड एडवर्ड, उड़ीसा के आसफ अली, बंबई के धर्मांतरित ईसाई महाराज सिंह, असम के सर अकबर हैदरी आदि नेहरू विचार से भिन्न राय क्यों देते? बेशक पं. बंगाल के मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम् पर आग्रही रुख अपनाया।

पंडित जी ने जन गण मन और वंदे मातरम् विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा-"राष्ट्रगान के रूप में वंदे मातरम् और जन गण मन में एक विवाद-सा उत्पन हो गया है। वंदे मातरम् की महान ऐतिहासिक परंपरा है। कोई दूसरा गीत इसे विस्थापित नहीं कर सकता। जहां तक राष्ट्रगान की धुन का सवाल है, शब्दों के अर्थ की बनिस्पत धुन ज्यादा आवश्यक है। यह धुन ऐसी कि भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत दोनों का प्रतिनिधित्व करती हो, जिससे इसके आर्केस्ट्रा और बैंड संगीत दोनों में सरलता से विदेश में उपयोग हेतु बजाया जा सके।" (संविधान सभा वही, 25.8.1948)

पंडित जी ने बैंड, आर्केस्ट्रा राग आदि का बहाना बनाया। जबकि यदुनाथ भट्ट ने वन्दे मातरम् को 'राग मल्हार' में गाया। नोपाल चन्द्रधर ने 'देश मल्हार' में और हीराबाई बड़ोदकर ने 'तिलक कामोद' में गाया। वि.दे. अभ्यंकर ने राग 'खंभावती' व कृष्ण राव ने 'राग झिझोटी' में गाया। पुलस्कर ने कई राग मिलाकर गाए, गंगूबाई हंगल व ओंकारनाथ ठाकुर ने इसी के लिए नया रागः बनाया। लता मंगेश्कर ने इसे परवान चढ़ाया। ए. आर. रहमान को संगीत प्रस्तुतिकरण को सबने सराहा पर कांग्रेस ने हमेशा 'तुष्टीकरण राग' में ही गाया। संविधान सभाध्यक्ष ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित (24 जनवरी, 1950) कर दिया। राष्ट्र ने संविधान सभा का निर्देश शिरोधार्य किया पर अलगाववादी तत्वों ने 'वंदे मातरम्' को हिकारत से ही देखा। विवादों से 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रभाव का सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस और अलगाववादी बेपदों ही गए। बंगाली वामपंथी भी अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ नहीं रहे, पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मार्क्सवादी चितक डॉ. रामविलास शर्मा ने (स्वाधीनता संग्राम, पृ. 72) लिखा था-"बंगाल और भारत के नवजागरण (इतिहास) में 'वंदे मातरम्' को स्थान देना न देना इतिहास विवेचकों के हाथ में नहीं है। इतिहास निर्माताओं ने अपने कार्यों से इसे 'राष्ट्रीयता का मंत्र' बना दिया है।"

'व्यापारी ट्रंप' की नीतियों का शुरू हुआ विरोध

पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके उनकी टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के साथ अपनी व्यापार वार्ता को एक जीत बताया है और अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात को अद्भुत बताकर 10 में से 12 नंबर दिए हैं। दोनों शीर्ष नेताओं की यह मुलाकात एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया में हुई थी। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

प्रकाश श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिण कोरिया में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ट्रंप और शी जिनपिंग ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। दुनिया की 45 फीसद अर्थव्यवस्था वाले देश के राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर आयात टैरिफ 57 फीसद से घटाकर 47 फीसद कर दिया है। ट्रंप ने पहले दुर्लभ मृदा तत्वों पर नियंत्रण के कारण पहली नवंबर से चीन पर 100 फीसद शुल्क लगाने की धमकी दी थी। रेयर अर्थ यानी दुर्लभ मृदा तत्वों को लेकर विवाद कम हुआ है। यह वही मुद्दा था, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक व्यापार युद्ध छिड़ने का खतरा पैदा हो गया था। दोनों नेता व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हो गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप ने भले ही सुर्खियां बटोर ली हों, लेकिन जिनपिंग विजेता रहे हैं। शी ने ट्रंप के अहंकार को शांत किया है और अपने हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। यह वही ट्रंप हैं जिन्होंने अपने 2017 के एशियाई दौरे के दौरान रूस के साथ-साथ चीन को भी रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया था। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने बीजिंग के साथ संबंधों पर चार दशकों से चली आ रही सहमति को तोड़ दिया था। टकराव की खुली नीति शुरू की थी और बीजिंग की हठधर्मिता पर लगाम लगाने के लिए क्वाड जैसे नए गठबंधनों को बढ़ावा दिया था।

> पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके ट्रंप की टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने ट्रंप से एक संयुक्त अपील की है, जिसमें एच-1बी वीजा आवेदनों पर नए प्रतिबंध और 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने वाली घोषणा को वापस लेने का आग्रह किया है। इन सांसदों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव आ सकता है और अमेरिका का प्रौद्योगिकी नेतृत्व कमजोर हो सकता है। उन्होंने आगाह भी किया है कि इस फैसले से अमेरिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और भारत के साथ रणनीतिक संबंधों, दोनों को नुकसान होगा। दो राय नहीं कि ट्रंप की विदेश नीति के केंद्र में व्यापार है और इसका उद्देश्य उन सभी देशों और सहयोगियों के साथ आर्थिक रिश्तों को फिर से स्थापित करना है, जिनसे अमेरिकी बाजारों का हित सधता हो।

महिला पत्रकार व डिजिटल हिंसा

पत्रकारिता का मकसद होता है सच को सामने लाना और पीड़ितों की आवाज को ताकत देना, लेकिन जब वही पत्रकार खुद हिंसा और डर का शिकार बनने लगें तो इसे केवल पत्रकारिता के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। पूरी दुनिया में महिलाओं को डिजिटल हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है, लेकिन अब वह महिला पत्रकार सबसे ज्यादा निशाने पर हैं, जो सामान्य महिलाओं की आवाज उठाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की हाल में आई रिपोर्ट में इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में तीन-चौथाई महिला पत्रकारों को ऑनलाइन हिंसा का सामना करना पड़ा है। हर चार में से एक महिला पत्रकार को शारीरिक हमले या जान से मारने की धमकी मिली है। अब यह हिंसा केवल ट्रोलिंग या गालियों तक सीमित नहीं रही। एआई के जरिए डीपफेक, डॉक्सिंग और लैंगिक दुष्प्रचार जैसे नए हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

जाहिर है, इसका उद्देश्य महिला पत्रकारों को डराना, चुप कराना और उनकी साख को खत्म करना है। ऐसे लोग चाहते हैं कि महिला पत्रकारों को इस तरह भयभीत और हतोत्साहित कर दिया जाए, जिससे वह अपना काम ठीक से न कर पाएं। वह आम महिलाओं की आवाज को बुलंद कर पाएं। यूनेस्को ने चेताया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू होने वाली यह हिंसा अब वास्तविक दुनिया में भी दिखने लगी है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया है कि 14 प्रतिशत महिला पत्रकारों को ऑनलाइन धमकियों के परिणामस्वरूप असली जीवन में हिंसा झेलनी पड़ी है।

बड़ा सवाल है कि आखिर महिला पत्रकार ही क्यों निशाने पर हैं? दरअसल, महिला पत्रकार ही आम महिलाओं पर होने वाले अन्याय, उनके साथ हो रही घरेलू, सावर्जनिक और डिजिटल हिंसा के मामले उजागर करती हैं। पीड़ित महिलाएं भी पुरुषों के बजाय महिला पत्रकारों के समक्ष अपनी बात को खुलकर कह पाती हैं। महिला पत्रकार लैंगिक हिंसा, सत्ता के दुरुपयोग या असमानता जैसे मुद्दों पर जब स्टोरी करती हैं, तो यह न केवल पीड़ित महिलाओं की आवाज को बुलंद करती हैं, बल्कि वह उन फासीवादी ताकतों को भी ललकारती हैं, जो महिलाओं को सीमाओं में बंधे देखना चाहती हैं। इसी कारण महिला पत्रकारों को डराने और बदनाम करने की कोशिशें की जा रही हैं।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सम्मेलन 2020 के दौरान प्रकाशित एक स्नैपशॉट रिपोर्ट में भी यह सब उजागर हुआ था। स्नैपशॉट रिपोर्ट के अनुसार एक सर्वेक्षण में उत्तर देने वाली 73 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने अपने कार्य के दौरान ऑनलाइन हिंसा का अनुभव किया। 25 प्रतिशत को शारीरिक हिंसा की धमकियां मिलीं। 18 प्रतिशत को यौन हिंसा की धमकी दी गई, जबकि 20 प्रतिशत महिला पत्रकारों के साथ ऑनलाइन हिंसा के संबंध में ऑफलाइन हमला किया गया। इसी प्रकार यूक्रेन में किए गए सर्वे के मुताबिक 81 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने ऑनलाइन हिंसा का सामना किया, जबकि जिम्बाब्वे में यह संख्या 63 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट: भूख और पोषण का गणित

सभ्यता के आरंभ में जब मनुष्य ने पहला बीज मिट्टी में दबाया, तो उसने केवल अन्न नहीं बोया था, उसने भरोसा बोया था। उसने धरती से एक वादा किया था कि दोनों एक-दूसरे की भूख नहीं, जीवन पूरा करेंगे। रोटी तब जीवन का प्रतीक थी और आज भी है। बस संदर्भ बदल गया है। अब सवाल सिर्फ अन्न के उत्पादन का नहीं, बल्कि उसके न्यायपूर्ण वितरण और पोषणीय संतुलन का है।

> राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35 .5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं है। 19 .3 प्रतिशत दुबले हैं और 32 .1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

जब 1945 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की स्थापना हुई थी। उस दौर में, विश्व युद्ध के बाद, जब भुखमरी, खाद्य संकट और कृषि अव्यवस्था ने मानवता की जड़ों को हिला दिया था, तब इस संगठन का लक्ष्य तय किया गया, 'दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक भोजन उपलब्ध कराना' तथा कृषि को टिकाऊ और वैज्ञानिक दिशा देना। भारत ने 1945 में ही, स्वतंत्रता प्राप्त करने से पहले, खाद्य एवं कृषि संगठन की सदस्यता ग्रहण की थी। यह उस युग का भारत था, जो भले ही राजनीतिक रूप से स्वतंत्र न हुआ हो, लेकिन उसने भूख और पोषण के प्रश्न को अपनी सभ्यता की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया था। आज वही भारत खाद्य एवं कृषि संगठन के सबसे सक्रिय सदस्य देशों में है और 'श्रीअन्न' (मिलेट्स) को वैश्विक पहचान दिलाने में उसकी भूमिका निर्णायक रही है।

जय प्रकाश पांडेय
लेखक

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' का विमोचन नई दिल्ली में किया। यह केवल एक वैश्विक दस्तावेज नहीं, बल्कि उस दिशा में उठाया गया विचारात्मक कदम है, जहां भोजन को केवल अस्तित्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव गरिमा का अधिकार माना गया है। रिपोर्ट के विमोचन अवसर पर एफएओ के प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट रूप से कहा कि दक्षिण एशिया में भूख और कुपोषण में आई गिरावट का सबसे बड़ा श्रेय भारत की नीतिगत और सामाजिक प्रगति को जाता है।

भारत अब उस स्थिति में है, जहां उसका हर कदम न केवल अपने नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की खाद्य और पोषण नीतियों की दिशा तय करता है। एफएओ की रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' यह दर्शाती है कि भारत ने भूख घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021–23 की अवधि में भारत में कुपोषण की दर घटकर 13.7 प्रतिशत रह गई है, जबकि 2014–16 में यह 16.6 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारत की नीतिगत तत्परता जैसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम पोषण अभियान, मिड-डे मील योजना और आईसीडीएस आज खाद्य सुरक्षा को व्यवहारिक धरातल पर लाने का उदाहरण हैं। इन पहलों ने न केवल करोड़ों लोगों तक भोजन की पहुंच सुनिश्चित की है, बल्कि भूख संकेतकों में सुधार लाकर दक्षिण एशिया को वैश्विक औसत से ऊपर खड़ा किया है।

रिपोर्ट यह चेतावनी भी देती है कि भारत की खाद्य यात्रा अभी अधूरी है। शहरी गरीबी, आदिवासी क्षेत्रों की पोषण-वंचना और जलवायु-प्रभावित इलाकों में खाद्य असुरक्षा जैसी चुनौतियां आज भी मौजूद हैं। इनके पीछे केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि पोषण-संवेदनशील नीतियों की स्थायित्व की परीक्षा भी निहित है। यदि इन्हीं आंकड़ों को गहराई से देखा जाए, तो इनके भीतर एक असमान और चिंताजनक परत भी स्पष्ट होती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 55.6 प्रतिशत आबादी आज भी स्वस्थ आहार वहन करने में असमर्थ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं हैं। 19.3 प्रतिशत दुबले हैं और 32.1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

यद्यपि ये आंकड़े पिछले सर्वेक्षण की तुलना में मामूली सुधार दर्शाते हैं, फिर भी यह स्पष्ट करते हैं कि भारत में कुपोषण का बोझ अब भी गहराई से मौजूद है। बाल-पोषण सुधार की दिशा में सरकार ने कई कार्यक्रम संचालित किए हैं, लेकिन इन योजनाओं का असर समान रूप से हर वर्ग तक नहीं पहुंच पाया है। सामाजिक-आर्थिक असमानता, मातृ-शिक्षा में अंतर, आय स्तर की विषमता और शहरी-ग्रामीण खाई, ये सभी कारक इस सफलता को सीमित कर देते हैं।

माता-पिता और गुरु के साथ ही मित्र भी होते हैं देवता

जीवन में यदि कोई अचानक संकट आ जाए और उसका समाधान नहीं समझ में आ रहा। हताशा, कुंठा और मन में व्यग्रता है, उस बीच कोई मित्र आकर इतना भर कह दे, 'घबराओ नहीं, मैं हूं न?' तो जैसे मरते हुए व्यक्ति को किसी ने अमृत पिलाकर स्वस्थ कर दिया हो, ठीक वही स्थिति संकटग्रस्त व्यक्ति की भी होती है।

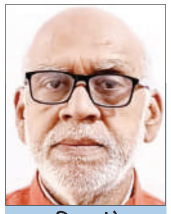

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मित्रता का काफी प्रभाव जीवन में पड़ता है, इसलिए मित्रता करें, तो इस कदर करें कि संकट आने पर मित्र डट कर खड़ा हो जाए। सनातन संस्कृति में माता, पिता, गुरु के साथ मित्र को भी देवता की संज्ञा दी गई है। मित्र से कभी छल-कपट न करने का भी मनीषियों ने जिक्र किया है।

मित्रता की व्याख्या करते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में उद्धृत किया है कि मित्रता दूध और पानी की तरह होनी चाहिए। आग पर दूध चढ़ाया जाता है, तो एक समय स्थिति ऐसी आ जाती है कि दूध गर्म होकर उबलने लगता है और आग में जाकर जलने लगता है, लेकिन उसी समय पानी की कुछ बूंदें दूध में डाल दी जाती हैं, तो मित्र को पाकर फिर दूध का उबाल कम हो जाता है और जो दूध आग में खुदकुशी करने जा रहा था, वह फिर शांत हो जाता है। मित्र पानी को पाकर दूध का वजन भी बढ़ जाता है।

इस तरह सुग्रीव और वानरी सेना से मित्रता के बल पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने महाबली रावण का संहार किया। श्री हनुमान जी भी जब पहली बार लंका में गए तो विभीषण से उनकी मित्रता हुई। ऐसी स्थिति में जिस लंका में राक्षसों का प्रभाव था, उस लंका को जलाने में विभीषण की मित्रता ही काम आई।

मित्रता का बेहतरीन उदाहरण महाभारत युद्ध के दौरान भी मिलता है। अर्जुन को श्रीकृष्ण ने मित्र की तरह विषादग्रस्त स्थिति से बाहर किया और युद्ध के लिए तैयार किया, वरना अर्जुन ने स्वजनों के मोह में युद्ध के मैदान से पीछे हटने का मन बना लिया था। महाभारत में ही कर्ण की दुर्योधन से मित्रता का प्रसंग आता है। यह जानते हुए कि दुर्योधन की पराजय निश्चित है, फिर भी कर्ण ने दुर्योधन का साथ नहीं छोड़ा। अतः हर इंसान को चाहिए कि वह मित्र के साथ वफादारी करे।

इतिहास है दिल्ली की बदतर आबो-हवा का

दिल्ली और आसपास के 200 मील के रेडियस में धरती से एक किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में प्रदूषण की कहानी सन् 1911 से ही शुरू हो गई थी, जब अंग्रेजों ने इसे देश की राजधानी घोषित किया था। नवनिर्माण के लिए पत्थर और ईंटों की जरूरत थी। पत्थर को धौलपुर, भरतपुर और जोधपुर से लाया गया, जबकि ईंटो का निर्माण दिल्ली के आसपास उत्तर प्रदेश और हरयाणा, खासतौर से बादली गुलिया चौबीसा के गांवों में बड़े पैमाने पर होने लगा। सन् 1933 तक तो हवा इतनी जहरीली नहीं थी, जितनी कि यह अब है, लेकिन सन् 1955 के बाद से हवा में सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ने लगी।

सरकारी नौकरों के लिए रामकृष्ण पुरम, लक्ष्मीबाई नगर, सरोजिनी नगर और बाद में कुछ और कॉलोनियां बनीं। डीडीए ने दिल्ली देहात की जमीनें जिस दाम में खरीदीं, वह कुछ रुपये गज के हिसाब से था। किसी किसान को एक एकड़ के लिए 1000-1500 रुपये से अधिक न मिला था। एक तरह से गांवों को बर्बाद करने का यह दीर्घकालीन प्रोग्राम साबित हुआ। इनकी जीवनशैली तबाह हो गई। मुगल शासन काल में गांव उजाड़ने जैसा कोई काम नहीं किया गया था। शुरुआती दौर में अंग्रेजों ने भी ऐसा काम कम ही किया।

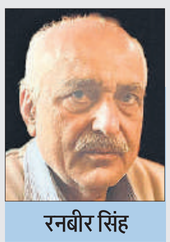

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

गांव और शहरों का आर्गेनिक ग्रोथ अपनी गति और जरूरत से होता गया, लेकिन आजादी के बाद जब पंजाब से विस्थापित होकर अनेक लोग दिल्ली और अन्य शहरों में आ गए, तो बहुत बड़ी संख्या में कॉलोनीज बसने लगीं और गांवों की जमीन पर दबाव पढ़ा। इस प्रक्रिया में करीब 100 से अधिक गांव तबाह हुए। बड़े पैमाने पर होने वाली निर्माण गतिविधि ने निश्चय ही हवा में धूल कणों की मात्रा बढ़ा दी, परंतु इससे इतना नुक्सान नहीं हुआ, जितना कि पश्चिमी दिशा में हजारों की संख्या में लगाए गए उन ईंट भट्ठों की चिमनी से निकले हुए धुएं ने किया, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स मिले होते हैं। यह मात्रा सन् 2000 तक बढ़ती रही और इसके बाद इसका स्तर ऊपर-नीचे होता रहा।

एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग का काम भारत मौसम विभाग का है। इसके पास सब तरह का डाटा है। सन् 1969-1975 के बीच समस्या की गंभीरता महसूस होने लगी थी। दिल्ली में वाहन ट्रैफिक में बेशुमार बढ़ोतरी हुई और सन् 1975 के बाद अब तक प्रदूषण कारकों की मात्रा शायद 500 गुना बढ़ चुकी थी। जब भी पछवा हवा नहीं चलती या विंड स्पीड 15 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम हो जाती है, दिल्ली में हवा जहरीली हो जाती है। वर्षा के कुछ दिनों को छोड़कर करीब 150 दिन दिल्ली में हवा जहरीली बनी रहती है।

प्रदूषण के मामले में पॉलिटिक्स को अगर हम छोड़ कर साइंस के अनुसार बात करें, तो दिल्ली में क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहद खराब है। हैवीली वुडेड एरियाज अथवा पेड़ों की अधिक संख्या वाले कुछेक इलाकों जैसे कि रिज, नयी दिल्ली का क्षेत्र, लोदी गार्डन क्षेत्र और साउथ दिल्ली की कुछ पॉकेट्स के अलावा बाकी दिल्ली नरक समान है। दिल्ली भारत की साइंटिफिक मैनेज मैनेजमेंट कैपिटल भी है। भारत में वैज्ञानिक लोग हवा और पानी में प्रदूषण की मात्रा तो बता सकते हैं, लेकिन वे प्रदूषण फैलाने वाले मानव के सामाजिक व्यवहार और तकनीकी और बैंकिंग नीतियों में सुधार नहीं कर सकते, जिनकी वजह से क्रमशः कूड़े के निपटान, ट्रेवल मोड, वाहनों के लिए सस्ता कर्ज आदि उन कारकों को बढ़ाते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ता है। राज्य स्तर पर या नगर निगमों के स्तर पर जो लोग काम करते हैं, उनका प्रदूषण संबंधी साइंस और इसे दूर करने के साइंटिफिक मेथड्स से कोई लेना-देना नहीं होता। नगर स्वच्छता के लिए नियुक्त अफसर-कर्मचारी इस मामले में बिलकुल ज्ञान शून्य होते हैं। क्लाउड सीडिंग से बरसात करवाने का तजुर्बा भी कामयाब नहीं हुआ। प्रदूषण को कुदरती और व्यापक बरसात ही कम करती है। दिल्ली ही क्यों, भारत के सभी नगरों में वायु और जल स्रोत में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को व्यवहार बदलना होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

पॉप के बादशाह की बायोपिक 'माइकल' में नजर आएंगे

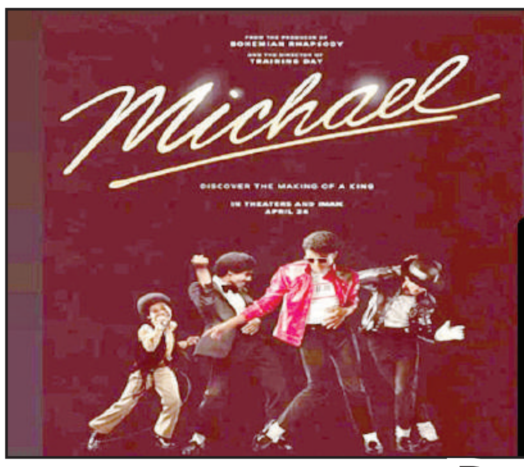

उनके भतीजे जाफर जैक्सन

माइकल जैक्सन को दुनिया भर में 'पॉप का बादशाह' कहा जाता है। उन्होंने संगीत, नृत्य और मनोरंजन की दुनिया में ऐसा क्रांतिकारी योगदान दिया, जिसे नई परिभाषा देने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनके आइकॉनिक एल्बम– 'थ्रिलर', 'बैड' और 'डेंजरस' ने पॉप संगीत के इतिहास की दिशा बदल दी। उनकी विशिष्ट कलात्मकता, रिदमिक संगीत, नवोन्मेषी वीडियो और मूनवॉक जैसा दिग्गज डांस मूव पॉप संस्कृति को नई ऊंचाई तक ले गए। इसी महान कलाकार की जिंदगी पर आधारित बायोपिक 'माइकल' का टीजर हाल ही में जारी किया गया है। 6 नवंबर को जारी किए गए इस एक मिनट के टीजर में माइकल जैक्सन का किरदार उनके सगे भतीजे जाफर जैक्सन निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म में कोलमैन डोमिंगो, निया लॉन्ग और माइल्स टेलर जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

टीजर में माइकल की दुनिया की झलक

टीजर की शुरुआत स्टूडियो में जाफर जैक्सन द्वारा निभाए गए माइकल के किरदार से होती है, जहां वे हेडफोन लगाकर रिकॉर्डिंग की तैयारी करते दिखते हैं। इसके बाद स्टूडियो से सीधे दृश्य एक भरे हुए स्टेडियम पर कट होते हैं, जहां माइकल की लोकप्रियता की भव्य झलक दिखाई देती है। एक मिनट के टीजर में माइकल की दुनिया की झलक नजर आई। टीजर में माइकल के पेट के हिस्से के क्लोज़-अप शॉट्स और एक बोर्ड पर चिपके नोट्स नज़र आते हैं, जिन पर 'Beat It' और 'Billie Jean' लिखा है। गौरतलब है कि 1983 में रिलीज हुआ 'Beat It' माइकल जैक्सन की डिस्कोग्राफी में एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जाता है। इसने उन्हें वैश्विक सितारा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 80 के दशक के संगीत का चेहरा बदल दिया। इसी दौरान टीजर में यह भी दिखाया गया है कि कैसे जाफर जैक्सन मंच पर माइकल जैसी जादुई नृत्य ऊर्जा के साथ परफॉर्म करते हैं और उनकी आवाज भी एक पल को दर्शकों को भ्रमित कर देती है कि यह माइकल ही हैं। जाफर की अदाकारी देखकर फैंस हैरान हैं और लगातार इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- "इस ट्रेलर को ऑस्कर मिलना चाहिए।" दूसरे ने लिखा- "जाफर को माइकल का किरदार निभाते देख बेहद खुशी हो रही है। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।" तीसरे ने कहा- "उनकी आवाज बिल्कुल अपने चाचा जैसी है।"

अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म दुनिया के सबसे लोकप्रिय और रहस्यमय कलाकारों में से एक की जिंदगी के उन पहलुओं को सामने लाने का वादा करती है, जिन्हें कम लोगों ने जाना है। यह बताएगी कि माइकल जैक्सन कैसे एक अद्वितीय परफॉर्मर बने और उनकी प्रसिद्धि के पीछे कितनी मेहनत और संघर्ष छिपा था। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईरान की निडर आवाज़
एक्ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती

तारानेह अलीदूस्ती, एक ऐसा नाम है, जो ईरानी सिनेमा के साथ–साथ वहां के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 12 जनवरी 1984 को तेहरान में जन्मी तारानेह एक अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपनी कला और साहस दोनों से दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

अभिनय की शुरुआत और ऑस्कर तक का सफर

अलीदूस्ती ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। 17 साल की उम्र में उनकी पहली फिल्म 'आई एम तारानेह, 15' (2002) रिलीज हुई, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्होंने कई पुरस्कार जीते। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय सफलता 2016 में आई फिल्म 'द सेल्समैन' थी, जिसे असगर फरहादी ने निर्देशित किया था। इस फिल्म ने 89 वें अकादमी पुरस्कारों (ऑस्कर) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म का पुरस्कार जीता। इस फिल्म के माध्यम से उन्हें वैश्विक पहचान मिली। हालांकि उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी यात्रा प्रतिबंधों के विरोध में ऑस्कर समारोह का बहिष्कार किया था, जो उनके राजनीतिक रुख का पहला बड़ा संकेत था।

सामाजिक सक्रियता और जेल यात्रा

तारानेह अलीदूस्ती की प्रसिद्धि सिर्फ उनके अभिनय तक ही सीमित नहीं है। वह ईरान में महिलाओं के अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मुखर समर्थक रही हैं। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान, वह प्रदर्शनकारियों के समर्थन में खुलकर सामने आईं। दिसंबर 2022 में, उन्होंने सोशल मीडिया पर हिजाब के बिना अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में एक बैनर पकड़ा हुआ था। इस साहसिक कदम के बाद ईरानी अधिकारियों ने उन्हें 'झूठ फैलाने' और 'देश विरोधी प्रचार' के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। 18 दिनों तक जेल में रहने के बाद, उन्हें जनवरी 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी गिरफ्तारी ने दुनियाभर में मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा और उनकी रिहाई के लिए व्यापक अभियान चलाए गए।

एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

तारानेह अलीदूस्ती आज सिर्फ एक ऑस्कर विजेता अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि वह ईरान में बदलाव की एक प्रतीक बन गई हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि कला और सामाजिक जिम्मेदारी एक–दूसरे से अलग नहीं हैं। उनका जीवन और संघर्ष उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है, जो दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने का साहस करते हैं।

मॉडल आफ द वीक

नामः चिंकी सिंह

टाउनः कानपुर

एजूकेशनः स्नातक की पढ़ाई जारी

अचीवमेंटः शान-ए-कानपुर का खिताब

ड्रीमः प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर
क्लासिक वहीदा

वहीदा रहमान भारतीय सिनेमा की महत्वपूर्ण अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनकी सुंदरता, गरिमा और अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता है। वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में एक तमिल मुस्लिम परिवार में हुआ था। वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तकी थीं। अपने परिवार की आर्थिक मदद के लिए, उन्होंने डॉक्टर बनने का अपना सपना छोड़ और फिल्मों में प्रवेश किया। उन्होंने सबसे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में फिल्म निर्माता गुरु दत्त ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'सी.आई.डी.' (1956) से हिंदी फिल्मों में लॉन्च किया। गुरु दत्त के साथ उनकी साझेदारी ने भारतीय सिनेमा को कई क्लासिक फिल्में दीं, जिनमें 'प्यासा' (1957), 'कागज के फूल' (1959) और 'साहिब बीबी और गुलाम' (1962) शामिल हैं।

1960 के दशक के मध्य में वहीदा रहमान ने शीर्ष अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह बनाई। उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक 'गाइड' (1965) में 'रोजी' की थी, जिसने उन्हें व्यापक पहचान और पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, उन्होंने 'तीसरी कसम' (1966), 'नील कमल' (1968) और 'खामोशी' (1969) जैसी कई सफल फिल्में दीं।

1974 में अभिनेता शशि रेखी (कमलजीत) से शादी करने के बाद, उन्होंने अभिनय से ब्रेक ले लिया और बंगलुरु चली गईं। 2000 में अपने पति की मृत्यु के बाद, वह मुंबई लौट आईं और सहायक भूमिकाओं में वापसी की। उन्होंने 'वाटर' (2005), 'रंग दे बसंती' (2006) और 'दिल्ली 6' (2009) जैसी फिल्मों में काम किया।

भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्हें 1972 में पद्मश्री और 2011 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। 2023 में, उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। वहीदा रहमान आज भी भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक अनमोल विरासत बनी हुई हैं।

केंद्र ने मछुआरों के लिए जारी किए नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य मछुआरों, सहकारी समितियों और छोटे मछुआरों को सशक्त बनाना है और विदेशी जहाजों को भारतीय जल में मछली पकड़ने से रोकना है। ये नियम चार नवंबर को अधिसूचित किए गए। ये नियम बजट 2025-26 की घोषणा के अनुरूप हैं और इनसे भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

अमृत विचार
कानपुर, रविवार, 9 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का लाभ 75.36 करोड़ रहा

नई दिल्ली। विविध क्षेत्रों में कार्यरत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 75.36 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया। 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 1,436.43 करोड़ रुपये रही, जो गत वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,223.71 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल व्यय 1,348.72 करोड़ रुपये रहा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अलग दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने बैठक में कैप्टिव संयंत्र से सौर ऊर्जा की खरीद के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी फिफ्टीन लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी।

पैनासोनिक इंडिया के चेयरमैन का इस्तीफा

नई दिल्ली। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के चेयरमैन मनीष शर्मा ने एक दशक से अधिक समय तक उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद विनिर्माता कंपनी का नेतृत्व करने के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा को 2012 में पैनासोनिक इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ के रूप में पदोन्नत किया गया था और वह तब से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इस साल के अंत तक अपने पद पर बने रहेंगे। शर्मा ने कहा, यह एक निजी और सोच-समझकर किया गया फैसला है, और मैं देश के विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में योगदान देता रहूंगा।

थिंक ने फिजिक्सवाला में निवेश किए 136 करोड़

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फिजिक्सवाला में 136 करोड़ से थोड़ा अधिक का निवेश किया है। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है, जब कंपनी अगले सप्ताह अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी कर रही है। इस निवेश के तहत थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म के 14 कर्मचारियों से फिजिक्सवाला में 1.07 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे, जो 0.37% हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 127 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदे गए, जो निर्गम मूल्य से 17% अधिक है।

डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी

- कागजरहित काम, समावेशी शिक्षा और डिजिटल सेवाओं को बना रहा सुविधाजनक

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने की डिजलॉकर सुविधा पर हुए सम्मेलन में कागजरहित कामकाज, समावेशी शिक्षा और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं को सुविधाजनक बनाने में इस की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया गया। सम्मेलन में कहा गया है कि डिजीलॉकर ने डिजिटल व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने में बड़ा योगदान किया है और यह देश में डिजिटल ट्रस्ट क्रांति में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'डिजीलॉकर-सभी के लिए पेपरलेस एक्सेस को सक्षम बनाना' विषय पर भारत मंडपम में आयोजित सम्मेलन में डिजीलॉकर को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान करने वाले राज्यों को सम्मानित भी किया गया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय के नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन (नेजीडी) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इस बात पर चर्चा करना और यह दर्शाना था कि डिजीलॉकर कैसे एक साधारण सुरक्षित दस्तावेज़ भंडारण सुविधा से सरकार, शिक्षा और उद्योग क्षेत्रों में विश्वास, सुविधा और दक्षता की आधारशिला के रूप में विकसित हो रहा है।

डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में हो रहा विकसित

नेजीडी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंद कुमारम ने डिजीलॉकर के सुरक्षित डॉक्यूमेंट स्टोरेज प्लेटफॉर्म से डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में विकसित होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों को पहचान पत्र (आईडी), वित्तीय क्षमता के परिचय और प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रूप से हासिल करने, पुष्टि करने और शेयर करने में सक्षम बनाता है। सम्मेलन में वित्त विभाग में प्रधान सचिव (ए एंड टी) डॉ. ऋचा बागला ने महाराष्ट्र में पेंशन और ट्रेजरी सिस्टम के साथ डिजिलॉकर के इंटीग्रेशन पर प्रस्तुति दी। असम के प्रधान सचिव (आईटी) केएस गोपीनाथ ने राज्य में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 500 से ज़्यादा सेवाओं में डिजिलॉकर के समन्वय पर प्रस्तुति दी। सम्मेलन में डिजिलॉकर अपनाने में राज्यों की खास उपलब्धियों के लिए उन्हें 'डिजिलॉकर एक्सेलरेटर' के तौर सम्मानित किया गया। असम को बेहतर सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए अलग-अलग सेवाओं में डिजिलॉकर के बड़े पैमाने पर इम्प्लीमेंटेशन के लिए 'इंटीग्रेशन एक्सीलेंस' सम्मान प्रदान किया गया। हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों को अपने राज्यों में सबसे बड़े डिजिटल पहचान से जुड़ी नागरिक पहलों को बनाने में डिजिलॉकर का इस्तेमाल करने के लिए पीपल फर्स्ट इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मेघालय को डिजिलॉकर और एंटिटीलॉकर दोनों प्लेटफॉर्म को इंटीग्रेट करने के लिए डुअल प्लेटफॉर्म अचीवर सम्मान, केरल को डिजिलॉकर के ज़रिए पेपरलेस गवर्नेंस शुरू करने में नवाचार के लिए तथा महाराष्ट्र को तेज़ी से डिजिलॉकर अपनाने के लिए फास्ट ट्रैक इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मिजोरम को सबसे ज़्यादा रिक्वेस्ट मॉडल इंटीग्रेशन हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय डिजीलॉकर सम्मेलन की अध्यक्षता करते मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों, मंत्रालयों और विभागों को जोड़ने वाली ट्रस्ट लेयर (विश्वास की परत) के रूप में काम करता है - जो सुरक्षित, इंटरऑपरेबल और जवाबदेह डिजिटल गवर्नेंस को सक्षम बनाता है। डिजिटल कनेक्टिविटी (सम्पर्क सुविधा) से क्षमता बढ़ी है, सर्विस डिलीवरी से आत्मनिर्भरता आ रही और अब डिजिटलीकरण से भरोसा बढ़ रहा है। डिजिटल सम्पर्क सुविधा व्यवस्था चलाने की नई अवसंरचना है। हमारा विजन ऐसा भविष्य है जहां हर डिजिटल संपर्क भरोसेमंद हो, हर नागरिक सशक्त हो, और हर संस्थान जवाबदेह हो। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव अभिषेक सिंह ने टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस में भारत की यात्रा को डिजिटल ट्रस्ट क्रांति बताया। उन्होंने गवर्नेंस सिस्टम में विश्वास बनाने में डिजीलॉकर की भूमिका पर बल दिया।

विदेश की कंपनियां भारत में तलाशेंगी संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- सिंगापुर-कनाडा की स्टार्टअप कंपनियां विस्तार को उत्सुक

सिंगापुर और कनाडा की कई अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप कंपनियों ने भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने में रुचि दिखाई है। स्टार्टअप कंपनियों ने हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉरपोरेशन (एचकेएसटीपी) द्वारा आयोजित वैश्विक पिच प्रतियोगिता ईपीआईसी 2025 के दौरान भारत में अपने कदम बढ़ाने की इच्छा जताई।

पिच एक ऐसी प्रतियोगिता है जहां उद्यमी अपने व्यावसायिक विचारों को निर्णायकों और निवेशकों के सामने प्रस्तुत करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान 70 से अधिक देशों से आए 1,200 स्टार्टअप में से 100 को तीन श्रेणियों डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, वित्त प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी में चुना गया। इनमें भारत के दो स्टार्टअप भी शामिल हैं। यह वार्षिक कार्यक्रम संस्थापकों को वैश्विक निवेशकों, कॉरपोरेट सहयोगियों और उभरते बाजारों से जोड़ने का अवसर देता है।

एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा, हम हांगकांग की कनेक्टिविटी को गति दे रहे हैं, जिससे विचारों को सीमाओं के पार ले जाने और विस्तार करने में मदद मिल रही है। सिंगापुर की कंपनी एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और सीईओ ब्रायन ओह ने कहा, हमारी प्राथमिकता सिंगापुर से परे अपने व्यवसाय को बढ़ाना है, क्योंकि बैटरी पुनर्चक्रण केवल सिंगापुर या हांगकांग की समस्या नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है।

नालको ने दर्ज की 35 प्रतिशत की वृद्धि

भुवनेश्वर, एजेंसी

- दूसरी तिमाही में नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम की कंपनी का लाभ बढ़कर 1,433 करोड़ रुपये पहुंचा
- खान मंत्रालय के नियंत्रण वाली कंपनी ने बैठक में तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को दी मंजूरी

केंद्र सरकार के नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने चालू वित्त वर्ष में सितंबर में समाप्त तिमाही में उल्लेखनीय 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,433 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में शुद्ध लाभ 1,062 करोड़ रुपये था। खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करने वाली इस कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में बैठक में तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को मंजूरी दी।

इसके अनुसार आलोच्य तिमाही में नाल्को की कुल परिचालन 4,292 करोड़ रुपये रही, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना में 7.2% वृद्धि दर्शाती है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान, नालको ने 50.15% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,497 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,663 करोड़ रुपये था। उत्पादन के मोर्चे पर, कंपनी ने वर्ष की पहली छमाही के दौरान एल्युमिना हाइड्रेट, कैल्साइन्ड एल्युमिना और एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया। एल्युमिना हाइड्रेट उत्पादन रिकॉर्ड 11,53,000 टन तक पहुंच गया, जबकि एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन 2,34,148 टन रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में

कंपनी ने 6,99,913 टन एल्युमिना की बिक्री की जो वर्ष 2013-14 की इसी तिमाही के 6,56,480 टन बिक्री के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। कंपनी ने इसी अवधि के दौरान 2,25,675 टन धातु की अपनी सर्वोच्च घरेलू बिक्री भी हासिल की। नालको के बोर्ड ने 2025-26 के लिए 80% की दर से 4 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (अंकित मूल्य 5 रुपये) का अंतरिम लाभांश घोषित किया1 इस तरह कंपनी का यह अंतरिम लाभांश कुल 734.65 करोड़ रुपये होगा।

कॉर्पोरेट अर्निंग्स में सुधार के मिले सकारात्मक संकेत

- गिरावट पर खरीदारी बनी रहेगी बेहतरीन रणनीति
- चुनिंदा सेक्टरों को दूसरी तिमाही के नतीजों से मिला समर्थन

मुंबई, एजेंसी

नए घरेलू ट्रिगर्स के अभाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के बीच भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को नकारात्मक रुझान के साथ कारोबार किया। हालांकि, चुनिंदा सेक्टरों को दूसरी तिमाही के उत्साहजनक नतीजों से समर्थन मिला, जिससे कॉर्पोरेट अर्निंग्स में सुधार के संकेत मिले हैं। विशेषज्ञ गिरावट पर खरीदारी को बाजार की आगे की दिशा तय करने वाली सबसे मजबूत रणनीति बता रहे हैं।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने बाजार कहा, पीएसयू बैंक शेयरों ने मजबूत कारोबारी प्रदर्शन, बेहतर एसेट क्वालिटी, एफडीआई लिमिट में बढ़ोतरी की संभावनाओं और सेक्टर कंसोलिडेशन को लेकर अटकलों के कारण जोर पकड़ा। वहीं, कमजोर वैश्विक संकेतों और फेड की ब्याज दर कटौती की घटती उम्मीदों से आईटी व मेटल शेयरों पर दबाव रहा। ग्लोबल स्तर पर ट्रेड व टैरिफ अनिश्चितताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। घरेलू मोर्चे पर पीएमआई आंकड़े मिले-जुले रहे, लेकिन जीएसटी संग्रह में मजबूती बनी रही, जो आर्थिक विकास में तेजी और कंपनियों की कमाई में सुधार के अच्छे संकेत दे रही है।

मजबूत अमेरिकी डॉलर और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से सोने की कीमतें हालिया उच्च स्तर से लुढ़क गईं।

स्मॉलकैप में 46% तक की भारी गिरावट, ब्रॉडर इंडेक्स लुढ़के

पिछले हफ्ते (7 नवंबर) उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में ब्रॉडर इंडेक्स 0.6-1.5% गिरे, जिससे मिडकैप व स्मॉलकैप की दो सप्ताह की बढ़त थम गई। एफआईआई ने 1,632.66 करोड़ की इक्विटी बेची, जबकि डीआईआई ने 16,677.94 करोड़ की खरीदारी की। बीएसई सेंसेक्स 722.43 अंक या 0.86% गिरकर 83,216.28 पर और निफ्टी 50 229.8 अंक या 0.89% लुढ़ककर 25,492.30 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में रहे : निफ्टी मीडिया 3.2%, डिफेंस 2%, मेटल 1.7% और आईटी 1.6% नीचे। हालांकि, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2% की बढ़त दर्ज हुई। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.5% की गिरावट आई। वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, फिशर मेडिकल वेंचर्स, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्लिस जीवीएस फार्मा, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, रिलायंस पावर व पंजाब केमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन के शेयर 15-46% तक ढह गए।

ये नेताओं का नहीं, जनता का चुनाव

मोदी बोले- लोगों को डर है कि राजद के नेता सत्ता में आ गए तो सिर पर कट्टा रख देंगे

बेतियामें जनसभा में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

बेतिया/सीतामढ़ी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में लोग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत विपक्ष को वोट नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि वे सत्ता में आए तो लोगों के सिर पर कट्टा रख देंगे और उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश देंगी। प्रधानमंत्री ने राज्य के सीतामढ़ी जिले की चुनावी रैली में कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बेहतर शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में विकास के अलावा स्टार्ट-अप उद्यमों को भी बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता स्पष्ट रूप से कह रही है- नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार राजग सरकार। मैंने प्रचार अभियान भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की धरती से शुरू किया था और अब उसका समापन चंपारण की ऐतिहासिक भूमि पर कर रहा हूं। हालांकि प्रचार कल तक जारी रहेगा, लेकिन यह मेरी अंतिम जनसभा है। यह चुनाव नेताओं का नहीं, बल्कि बिहार की जनता का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि राजग हर बूथ पर विजयी हो। एक भी बूथ पर हमें हार का सामना नहीं करना चाहिए। मोदी ने पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर प्रसन्नता जताई। आप लोगों ने मतदान का नया इतिहास रचा है। बिहार ने साबित किया कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। चंपारण की धरती को नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, यह वही भूमि है, जिसने गांधी को 'महात्मा' का दर्जा दिया था। इसी धरती पर आज बिहार विकास के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार जल्द खाद्य प्रसंस्करण का 'पावरहाउस' और वस्त्र उद्योग (टेक्सटाइल हब) का केंद्र बनेगा। बिहार विकसित भारत का प्रतीक राज्य बनने जा रहा है। राज्य में पूर्ववर्ती राजद के शासनकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि बेतिया ने 'जंगलराज' के सबसे बुरे दौर को देखा है। कट्टा और रंगदारी की राजनीति ने बिहार को बर्बाद कर दिया था। हमें उस दौर से बिहार को बचाना है।

चिंता है, तो राहुल ने अल्पसंख्यक को विपक्ष का नेता क्यों नहीं बनाया

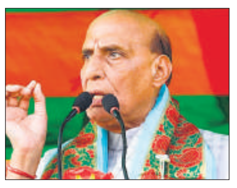

सासाराम/भभुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को लेकर चिंतित हैं, तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में इन्हीं वर्गों में से किसी को नियुक्त करना चाहिए था। रोहतास और कैमूर जिलों में जनसभाओं में सिंह ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप को बेवजह और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी के पास सबूत हैं, तो उन्हें निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। सिंह ने कहा, राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के नेता बने थे। अगर राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रही है, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। वह केवल एक संवैधानिक संस्था पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। वह झूठ बोल रहे हैं। सिंह ने कांग्रेस पर जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में दरार पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उसकी विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सभी बातों से ऊपर हैं। उन्हें राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा आरक्षण का समर्थन करती है।

राहुल की दुकान बंद हो जाएगी, इंडिया ब्लॉक का सफाया तय: शाह

पूर्णिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा कि उनकी दुकान बिहार में बंद हो जाएगी, क्योंकि चुनाव में इंडिया गठबंधन का सफाया होने जा रहा है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 160 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगा। शाह ने पूर्णिया, कटिहार और सुपौल में लगातार चुनावी सभाओं में आरोप लगाया कि राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का गढ़ बनाने पर आमादा हैं। केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं। हम घुसपैठिए की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएंगे और उनके देश वापस भेजेंगे। गृह मंत्री ने कहा, अगर आप नहीं चाहते कि बिहार का मुख्यमंत्री घुसपैठिए तय करें, तो विपक्षी गठबंधन को हराइए जो उन्हें बचाने के लिए यात्रा निकाल रहा है।

भाजपा का लोस में 400 पार का दावा निकला था खोखला: खरगे

गया/पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार चुनाव में राजग की जीत संबंधी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इन नेताओं का 400 पार वाला दावा भी लोकसभा चुनाव में गलत साबित हुआ था। खरगे ने गया में कहा, भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में कुछ ठीक नहीं चल रहा। जदयू अध्यक्ष और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन मिलेगा या नहीं। खरगे ने कहा, मोदी यह बताएं कि क्या ट्रंप ने भी उनके सिर पर कट्टा रखा था? उनका यह तंज अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत ने इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव रोकने का निर्णय उनकी मध्यस्थता से लिया था।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा कट्टा जैसे शब्दों से गिर रही है : प्रियंका

किशनगंज। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कट्टा जैसे शब्दों का प्रयोग कर अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। बिहार के कटिहार में चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस आज वही लड़ाई लड़ रही है जो कभी महात्मा गांधी ने लड़ी थी। एक तरफ प्रधानमंत्री वंदे मातरम का गुणगान करते हैं, जो अहिंसा और एकता का प्रतीक है, और दूसरी तरफ कट्टा जैसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और उसने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दो कॉरपोरेट मित्रों को सौंप दिया है। भाजपा को लगता है कि वह महिलाओं को 10,000 रुपए देकर उनका वोट खरीद लेगी।

ईसी ने तरनतारन की एसएसपी को किया निलंबित

चंडीगढ़। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने 11 नवंबर को होने वाले तरनतारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव से महज तीन दिन पहले शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रवजोत कौर ग्रेवाल को निलंबित कर दिया। वह सितंबर में तरनतारन के एसएसपी के रूप में तैनात हुई थीं।

पंजाब उपचुनाव

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर को तत्काल प्रभाव से तरनतारन के एसएसपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। ग्रेवाल के निलंबन का कोई कारण नहीं बताया गया है। गत माह, विपक्षी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास एसएसपी ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। बादल ने एसएसपी ग्रेवाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने तरनतारन उपचुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने के लिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कराया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के इस कदम की सराहना की।

ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धनशोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के खिलाफ संघीय जांच एजेंसी ने जारी किया एक नया आदेश

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए एक नया आदेश जारी किया है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि ये संपत्तियां पीएफआई के लाभकारी स्वामित्व और नियंत्रण में थीं और इसके राजनीतिक मोर्चे - सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के अलावा, विभिन्न ट्रस्टों के नाम पर थीं।

केंद्र ने सितंबर 2022 में ईडी, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और विभिन्न राज्य पुलिस बलों द्वारा समन्वित छापेमारी के बाद पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया था और इसे गैरकानूनी संगठन बताया, जो आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त था। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी। यह निर्वाचन आयोग (ईसी) के साथ एक राजनीतिक दल के रूप में भी पंजीकृत है। ईडी ने कहा कि 67.03 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए 6 नवंबर को अनंतिम आदेश जारी हुआ था। कुर्की के नए मामले के साथ जब्त हुई कुल संपत्ति अब 129 करोड़ है। ये संपत्तियां विभिन्न संस्थाओं के नाम पर पंजीकृत हैं, जैसे ग्रीन वैली फाउंडेशन, अलप्पुझा सोशल कल्चरल एंड एजुकेशन ट्रस्ट, पथनमथिट्टा में पंडालम एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट, वायनाड में इस्लामिक सेंटर ट्रस्ट, मलप्पुरम में हरिथम फाउंडेशन (पूवनचिना), अलुवा में पेरियार वैली चैरिटेबल ट्रस्ट, पलक्कड़ में वल्लवुनाड ट्रस्ट और तिरुवनंतपुरम में एसडीपीआई के कुछ भूखंड। ईडी ने कहा कि पीएफआई ने वल्लुवनड हाउस पट्टाम्बि और मालाबार हाउस (हरिथम फाउंडेशन) सहित कई ऐसी संपत्तियों पर प्रशिक्षण के लिए शेड बनाए गए।

पीएफआई सिखा रहा था युद्धाभ्यास

संघीय एजेंसी ने कहा, पीएफआई हथियारों से आक्रामक और रक्षात्मक युद्धाभ्यास सिखाने के लिए नकली मालिकों के नाम पर पंजीकृत संपत्तियों का प्रयोग कर रहा था। इनका उद्देश्य जिहादी एजेंडे को पूरा करने के लिए कैडर और सदस्यों को तैयार करना और गैरकानूनी गतिविधियों के लिए करना था। ईडी के अनुसार, पीएफआई के विचारक स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' (सिमी) के पूर्व सदस्य थे, जो जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा थी। पीएफआई की उत्पत्ति का इतिहास बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध से जुड़ा है। उस समय, यूएपीए के तहत जमात-ए-इस्लामी की संपत्तियों को कुर्क और सील कर दिया गया था। ईडी ने पीएफआई द्वारा अपराध से अर्जित आय की मात्रा 131 करोड़ रुपये आंकी है।

साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख ठगे

नोएडा (उप्र)। नोएडा में साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश के जरिए मुनाफा का झांसा देकर सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध थाने ने एक महिला ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-78 के 80 वर्षीय राकेश जैन ने शिकायत दी कि एक अक्तूबर को सोशल मीडिया पर पूजा नामक महिला ने उनसे संपर्क किया और दोनों व्हाट्सएप से जुड़े। पूजा ने राकेश को शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने की सलाह देते हुए व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा। ठगों ने जैन को फायर्स एसएनआई नामक एप डाउनलोड कराया। जैन को शुरुआती में निवेश करने पर मुनाफा हुआ। जैन ने 71 लाख रुपये दे दिए। ठगों ने जैन से कहा कि करों और ऋण का ब्याज देने के बाद ही रकम निकल सकेंगे। रुपये वापसी पर ठगों ने जैन को ग्रुप से बाहर कर दिया। पूजा का नंबर भी बंद आने लगा।

अफ्रीका से भारत आएंगे 8 चीते, टीम ने किया चीता पर्यावास का दौरा

भोपाल, एजेंसी

चीता पुनर्वास कार्यक्रम के तहत भारत में स्थानांतरित करने से पहले दक्षिणी अफ्रीका के बोत्सवाना में आठ चीतों को पकड़ा गया है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चीतों को लाने का यह कार्यक्रम 2022 में शुरू हुआ था जब दशकों पहले यह जानवर भारत से विलुप्त हो गया था। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो नर चीतों समेत इन चीतों को भारत भेजने से पहले एक महीने के लिए बाड़े में रखा जाएगा और उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा, अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण में कई औपचारिकताएं शामिल होती हैं। इन बातों तथा आने वाली क्रिसमस की छुट्टियों को देखते हुए, मैं यह नहीं कह सकता कि चीतों को मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कुनो नेशनल पार्क में कब भेजा जाएगा, जनवरी में। संपर्क करने पर, चीता परियोजना के क्षेत्र निदेशक उत्तम शर्मा ने कहा कि इस विषय को दोनों सरकारें देख रही हैं और वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमारे पास पहले से ही चीतों के तीसरी खेप के लिए बाड़े और सुविधाएं तैयार हैं, ये तब तैयार हुए थे जब जानवरों को नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी एयरलाइन दिल्ली से शंघाई के लिए उड़ान शुरू करेगी

बीजिंग। चीनी एयरलाइन 'चाइना ईस्टर्न' रविवार से दिल्ली-शंघाई उड़ान शुरू करेगी। इससे कुछ दिन पहले, 'इंडिगो' ने कोलकाता से ग्वांगझू के लिए उड़ान शुरू की थी। दोनों देशों के बीच लगभग पांच साल के अंतराल के बाद उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो रही हैं। 'चाइना ईस्टर्न' की उड़ान दिल्ली से रात आठ बजे रवाना होगी और सोमवार तड़के शंघाई पहुंचेगी। यह शंघाई से अपराह्न 12 :30 बजे रवाना होगी और शाम छह बजे तक दिल्ली पहुंचेगी। यह एक दिन के अंतराल पर संचालित होगी। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि उड़ानें फिर से शुरू होने से बेहतर कनेक्टिविटी का एक नया युग शुरू होगा। और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत और शंघाई के नेतृत्व वाले पूर्वी चीन क्षेत्र के व्यापारिक केंद्र के बीच लोगों के बीच मज़बूत संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

रूसी संपत्तियों के उपयोग के लिए राजी नहीं हुआ बेल्जियम

मॉस्को। यूरोपीय संघ आयोग जब्त की गई रूस सम्पत्तियों का उपयोग करने के लिए बेल्जियम को राजी करने में विफल रहा है। बेल्जियम की समाचार एजेंसी बेल्गा की रिपोर्ट के अनुसार बेल्जियम यूरोक्लियर डिपॉजिटरी में जमा रूसी संप्रभु संपत्तियों का उपयोग यूक्रेन को अल्प और मध्यम अवधि के लिए वित्तपोषित करने के यूरोपीय संघ आयोग के निर्णय का विरोध कर रहा है। एजेंसी ने कहा है कि यूरोपीय संघ आयोग के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को बेल्जियम के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी, लेकिन जमा रूसी संपत्तियों के उपयोग के संबंध में बेल्जियम की कानूनी और वित्तीय चिंताओं को दूर करने में विफल रहे। मौजूदा समय में क्षतिपूर्ति ऋण के रूप में लगभग 140 बिलियन यूरो रूस से विचाराधीन है, जिसे यूक्रेन को संघर्ष की समाप्ति के बाद रूस से भौतिक क्षति के लिए मुआवजे लेकर चुकाया जाएगा।

रनवे लाइटें बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डा पर उड़ानें बाधित

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार शाम रनवे की लाइटें बंद होने के कारण लगभग दो घंटे तक उड़ानों का संचालन बंद रहा। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार हवाई अड्डे के प्रवक्ता रिंजी शेरपा बताया कि रनवे की लाइटें शाम लगभग 5 :30 बजे बंद हो गयीं। उन्होंने कहा, "रनवे के दोनों ओर की लाइटें बंद हो गयीं। कुछ ही आंशिक रूप से काम कर रही हैं, लेकिन अधिकांश बंद हो गयीं।" उन्होंने बताया कि खराबी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। समस्या को ठीक करने के लिए हवाई अड्डे की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग टीम को तैनात किया गया है।

भारत ब्राजील के नेतृत्व वाले वन कोष में बतौर पर्यवेक्षक शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- विकसित देशों से की अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की अपील

भारत उष्णकटिबंधीय वनों के लिए ब्राजील के नए वैश्विक कोष में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हो गया है और उसने विकसित देशों से कार्बन उत्सर्जन की कटौती में तेजी लाने एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का आह्वान किया है।

ब्राजील के बेलेम में आयोजित कॉप- 30 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) के नेताओं के शिखर सम्मेलन में ब्राजील में भारतीय राजदूत दिनेश भाटिया ने शुक्रवार को भारत का वक्तव्य पेश करते हुए बहुपक्षवाद और पेरिस समझौते के प्रति देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भाटिया ने कहा, भारत उष्णकटिबंधीय वनों के संरक्षण के लिए सतत वैश्विक कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करने वाली 'ट्रॉपिकल फोरेस्ट्स फोरएवर फैसिलिटी' (टीएफएफएफ) की स्थापना में ब्राजील की पहल का स्वागत और समर्थन करता है।

टीएफएफएफ की बृहस्पतिवार को शुरुआत की गई। यह ब्राजील के नेतृत्व वाला एक वैश्विक कोष है जो उष्णकटिबंधीय देशों को वनों के संरक्षण और विस्तार के लिए पुरस्कृत करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से लगभग 125 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाना है।

विकसित देशों की बेपरवाही से बढ़ी

जलवायु परिवर्तन के खतरों को काफी पहले महसूस किया जा चुका है लेकिन अफसोस की बात है कि पूरी मानवता दांव पर होने के बावजूद अब तक इसे रोकने की दिशा में काफी कम काम हुआ है। वर्ष 2016 में इतना जरूर हुआ कि पेरिस समझौते के तहत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक खाका तैयार किया गया लेकिन इस समझौते पर भी पूरी तरह अमल नहीं हो पाया। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते से अमेरिका के अलग होने की घोषणा कर कई नई आशंकाएं पैदा कर दी हैं। अमेरिका के साथ दूसरे विकसित देशों ने भी अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं किया है। अगले कुछ दिन बाद ब्राजील में होने जा रहे कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में नए सिरे से जलवायु परिवर्तन के खतरों और उससे निपटने की रणनीति पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारण

- जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाता है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है।
- वनों की कटाई कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित करने की ग्रह की क्षमता को कम करती है।
- जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण और उपयोग से भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। इससे वैश्विक तापमान बढ़ता है।

पेरिस समझौता

जलवायु परिवर्तन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्वऔद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना है, और 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना है। यह समझौता 12 दिसंबर, 2015 को फ्रांस के पेरिस में किया गया और 4 नवंबर 2016 को लागू हुआ था। यह सभी देशों को उत्सर्जन कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध करता है।

विकसित देशों की भूमिका

- विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उनकी प्रगति धीमी और असमान है।
- कुछ ही विकसित देश हैं जो निम्न-कार्बन विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अन्य देश बेपरवाह दिख रहे हैं। इससे चुनौती गंभीर होती जा रही है।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की लागत बढ़ रही है, इससे प्रगति धीमी हो गई है। कई देश दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।
- विकसित देशों ने ही औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया में ऐतिहासिक रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन किया है, इसलिए उन पर दोहरी जिम्मेदारी है।

संभावित दुष्परिणाम

- गर्मी की लहरों, बाढ़, सूखे और तूफानों जैसी चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि होने की आशंका है।
- पारिस्थितिक तंत्र को भारी नुकसान हो सकता है, जैव विविधता में कमी आएगी और कई प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।
- बाढ़ और समुद्र स्तर में वृद्धि की आशंका, समुद्र के स्तर में वृद्धि से तटीय क्षेत्रों में रहने वाली आबादी पर खतरा बढ़ेगा।
- सूखा-बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएं कृषि को नुकसान पहुंचाकर खाद्य असुरक्षा और जल संकट पैदा कर सकती हैं।

इन देशों में स्पष्ट प्रभाव

ब्राजील समेत कुछ देशों में जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट प्रभाव दिखने लगे हैं। यहां सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि हुई है। अमेजन वर्षावन के लिए खतरा बढ़ा है, इससे पूरे महाद्वीप को प्रभावित करने वाले सूखे की आशंका जताई जा रही है। कई और देशों में लू, बाढ़ और जंगल की आग जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में देशों के बीच इन मुद्दों पर विचार किया जाना है।

शटडाउन: अमेरिका में हवाई यातायात चौपट, एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

संकट लंबा खिंचा तो और खराब होंगे हालात, रद्द हो सकती हैं 20% तक उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी इतिहास में संघीय सरकार के सबसे लंबे 'शटडाउन' के दौरान हवाई यातायात नियंत्रक कर्मियों और हवाई यातायात में कमी के कारण रोज हजारों उड़ानें रद्द की जा रही हैं। शुक्रवार को 1,000 से अधिक अमेरिकी उड़ानों को रद्द किया गया था। यह संख्या लगातार और बढ़ती जा रही है। हजारों उड़ानों में देरी भी हो रही है।

अमेरिकी उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर ने कहा कि शुक्रवार शाम पांच बजे तक 4,309 उड़ानें लेट थीं और 1,002 को रद्द किया गया। यह घटनाक्रम अमेरिकी परिवहन विभाग और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) द्वारा बुधवार को उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि संघीय सरकार शुक्रवार से 40 स्थानों पर हवाई यातायात में कमी लाएगी। एफएए द्वारा निर्धारित उड़ान निरस्त योजना के अनुसार, शुक्रवार को उड़ानों में चार प्रतिशत की कमी करने की तैयारी थी। अगले मंगलवार तक यह छह प्रतिशत, गुरुवार तक आठ प्रतिशत और शुक्रवार तक 10 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना है।

एफएए प्रशासक ब्रायन बेडफोर्ड ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि निर्धारित क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती हमारे वायु यातायात नियंत्रकों पर दबाव में कमी लाने के लिए उपयुक्त होगी और चूंकि हम कर्मचारियों की संख्या में निरंतर कमी देखेंगे इसलिए उन विशिष्ट बाजारों में अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे।" परिवहन सचिव सीन डफी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकारी कामबंदी लंबा चलता है तो उड़ानों में 20 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को मिली राहत, गरीबों की खाद्य योजना की राशि अस्थाई रूप से रोकने को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को निम्न आय वर्ग के लोगों के खाद्यान लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोकने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपातकालीन आदेश में कहा है कि प्रशासन कम आय वाले अमेरिकियों को मिलने वाले खाद्य लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोक सकता है। निचली अदालत ने पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) (जिसे फूड स्टैंप भी कहा जाता है) के लाभार्थियों को शुक्रवार तक पूरी राशि का भुगतान करने का फैसला दिया था, जिसके खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अमेरिका में संघीय सरकार के चल रहे शटडाउन के कारण यह कार्यक्रम अधर में लटक गया है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वह इसे केवल आंशिक रूप से ही वित्तपोषित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट की ओ से शुक्रवार के फैसले का मतलब है कि आगे की कानूनी सुनवाई तक चार अरब डॉलर (3 .04 अरब पाउंड) की राशि अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है। अमेरिकी सरकार 38 दिनों से शटडाउन में है। यह अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा शटडाउन है और इसके कारण लाखों सरकारी कर्मचारियों को कर्ज लेकर गुजारा करना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर बिना वेतन काम कर रहे हैं 63 हजार कर्मचारी

अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के बाद से, लगभग 13,000 हवाई यातायात नियंत्रकों और लगभग 50,000 हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारियों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। डफी ने हाल ही में बताया कि कुछ हवाई यातायात नियंत्रक सप्ताह में छह दिन और 10 घंटे काम कर रहे हैं। कर्मचारियों की बड़ी संख्या में अवकाश पर जाने से विमानन उद्योग में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है, कई क्षेत्रों में उड़ानों में देरी की समस्या बढ़ गई है तथा विमानन सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। 'फ्लाइटअवेयर' के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दिन हज़ारों उड़ानें देरी से चल रही हैं। गुरुवार को अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से जाने वाली 7,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई थी।

लाखों लोग प्रभावित

बताया जा रहा है कि शटडाउन से रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। इससे करीब 2 .68 लाख लोग प्रभावित होंगे। इससे थैंक्स गिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं।

अमेरिका ने रूसी तेल गैस खरीदने पर हंगरी को प्रतिबंधों से छूट दी

वाशिंगटन। अमेरिका रूस से तेल और गैस खरीदने को लेकर हंगरी पर एक साल तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा। बीबीसी ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हंगरी को रूसी तेल और गैस की खरीद को लेकर एक साल के लिए प्रतिबंधों से छूट दे दी है।

ट्रंप ने कहा था कि वह हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को छूट देने के मुद्दे पर विचार करेंगे। ओर्बन को ट्रंप का करीबी माना जाता है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हंगरी ने रूस के साथ भी अच्छे संबंध विकसित किए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को ओर्बन से साथ व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान कहा था कि हंगरी को छूट देने के पर विचार किया जा रहा है क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल और गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यह छूट सिर्फ एक साल के लिए है।

ट्रंप ने जी-20 सम्मेलन के बहिष्कार की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि इस वर्ष दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका सरकार का कोई भी अधिकारी भाग नहीं लेगा।

ट्रंप पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप की जगह अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस को इसमें शामिल होना था लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, यह बेहद शर्मनाक है कि जी-20 दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगा। ट्रंप ने अपने 'पोस्ट' में श्वेत अफ्रीकी लोगों के साथ हिंसा समेत

- दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया

दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला दिया।

ट्रंप प्रशासन दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकी किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लंबे समय से लगाता रहा है। अमेरिका में सालाना आने वाले शरणार्थियों की संख्या को 7,500 तक सीमित करते हुए प्रशासन ने संकेत दिया कि अधिकतर शरणार्थी वे श्वेत दक्षिण अफ्रीकी होंगे जिन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने कहा है कि वह भेदभाव के आरोपों से आश्चर्यचकित है देश में श्वेतों का जीवन स्तर अश्वेत लोगों की तुलना में सामान्यतः बेहतर है।

ब्रिटिश जासूसों ने निज्जर हत्याकांड की कनाडा को सौंपी थी खुफिया जानकारी

लंदन, एजेंसी

इस सप्ताह जारी एक नए वृत्तचित्र में दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया एजेंसी की ओर से 'इंटरसेप्ट' की गई फोन कॉल की मदद से ही कनाडाई अधिकारियों ने जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत के बीच कथित संबंध का पता लगाया। इन फोन कॉल्स में कथित तौर पर तीन लक्ष्यों पर चर्चा की जा रही थी।

'ब्लूमबर्ग ओरिजिनल्स' के वृत्तचित्र 'इनसाइड द डेथ्स दैट रॉक्ड इंडियाज रिलेशंस विद द वेस्ट' में यह दावा किया गया है। निज्जर कनाडाई सिख था जिसे भारत ने 2020 में खालिस्तानी आतंकवाद के लिए आतंकवादी घोषित किया था। वह उन नामों में शामिल था जिनकी जानकारी ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 'फाइव आइज' खुफिया साझेदारी समझौते के तहत कनाडाई अधिकारियों को सौंपी गई थी। वीडियो वृत्तचित्र में दावा किया गया है, जुलाई 2023 के अंत में निज्जर हत्या मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति तब हुई थी,

- इसी रिपोर्ट के आधार पर कनाडा ने किया था निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का दावा

जब ब्रिटेन को संबंधित जानकारी प्राप्त हुई थी। दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया जानकारी कड़े नियमों के तहत साझा की गई थी और उसे हाथ से कनाडा की राजधानी ओटावा पहुंचाया गया था तथा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर अपलोड नहीं किया गया। उसे देखने की अनुमति भी केवल लंदन द्वारा पूर्वस्वीकृत चुनिंदा कनाडाई अफसरों को ही दी गई थी।

दावा किया गया है, यह फाइल ब्रिटिश खुफिया एजेंसी द्वारा उन व्यक्तियों के बीच की बातचीत का सारांश थी, जिनके बारे में मानना है कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे। इसमें आरोप लगाया गया है, उन्होंने तीन लक्ष्यों पर चर्चा की थी, हरदीप निज्जर, अवतार सिंह खंडा और गुरपतवंत सिंह पन्नू। बाद में इस बारे में बातचीत हुई कि निज्जर को कैसे सफलतापूर्वक खत्म किया गया। खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सिख खंडा की जून 2023 में ब्रिटेन के बर्मिंघम शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। वह रक्त कैंसर से पीड़ित था और ब्रिटेन में कुछ समूहों के आरोपों के बावजूद, ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि उसकी मृत्यु से जुड़ी संदिग्ध परिस्थितियां नहीं थीं।

कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में अपनी संसद में बयान दिया था कि उनके सुरक्षा बल ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या से भारतीय सरकारी एजेंट को जोड़ने वाले विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय जांच कर रहे हैं। अक्टूबर 2024 में, भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया और इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित भी कर दिया। इस वर्ष अप्रैल में संसदीय चुनाव में कार्नी की जीत के बाद संबंध फिर सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

ट्रंप ने किया ओहायो के गवर्नर पद के लिए रामास्वामी का समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2026 में ओहायो के गवर्नर पद के लिए विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। उन्होंने रामास्वामी को पूर्ण समर्थन देते हुए उन्हें कुछ खास बताया और ओहायो की महान राज्य के रूप में प्रशंसा की।

बायोटेक उद्यमी और पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 38 वर्षीय रामास्वामी ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रंप! आइए ओहायो को पहले से कहीं बेहतर बनाएं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर रामास्वामी चुने जाते हैं तो वे एक महान गवर्नर साबित होंगे। विवेक महान राज्य ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, एक ऐसा राज्य जिसे मैं प्यार करता हूं और जहां मैंने 2016, 2020 और 2024 में तीन बार बड़ी जीत हासिल की है! मैं विवेक को अच्छी तरह जानता हूं, उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा की है, और वह कुछ खास हैं।

यूक्रेन की आवासीय इमारत पर रूस का ड्रोन हमला, चार लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

पूर्वी यूक्रेन में शनिवार तड़के एक रूसी ड्रोन एक टॉवर ब्लॉक से टकरा गया, जिस समय कई लोग सो रहे थे। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के चौथे सबसे बड़े शहर दनिप्रो में यह हमला हुआ।

यह हमला देश की बिजली अवसंरचना पर रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों के तहत किया गया। इसमें खारकीव में एक बिजली कंपनी के एक कर्मचारी की भी मृत्यु हो गई। पूर्वी यूक्रेन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर पोकरोव्स्क के लिए लड़ाई महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गई है।

कीव और मॉस्को दोनों ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे युद्ध के मैदान में जीत हासिल कर सकते हैं। रूस ने कुल 458 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागीं, जिनमें 32 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि उसने 406 ड्रोन और नौ मिसाइलों को मार गिराया और निष्क्रिय कर दिया। साथ ही, 25 स्थानों पर हमले किए गए।

पाकिस्तान ने रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शनिवार को तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और एकीकृत कमान सुनिश्चित करने के लिए रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने के लिए संवैधानिक संशोधन पेश किया। संसद में प्रस्तुत 27वें संविधान संशोधन विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है।

यह अनुच्छेद अन्य मुद्दों के अलावा सशस्त्र बलों से संबंधित है। संशोधन विधेयक के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और रक्षा बल प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। इसमें कहा गया है कि थलसेना अध्यक्ष रक्षा बलों के प्रमुख भी होंगे। वह प्रधानमंत्री के परामर्श से 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' के प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' का प्रमुख पाकिस्तानी सेना से होगा। सरकार सशस्त्र बलों के व्यक्तियों को फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट के पदों पर पदोन्नत कर सकेगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 10 नवंबर 01.54 तक तत्पश्चात षष्ठी।

मेष: आज लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आप कुछ दिनों की छुट्टियों के विषय में योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन में लेन-देन में बड़ा लाभ मिल सकता है।

वृष: आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट होगा। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिये लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मिथुन: आज आप अत्यंत आनंदित रहेंगे। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क: आज का दिन यात्राओं के लिए सुखद नहीं रहेगा। कोई जरूरी निर्णय अचानक लेना पड़ेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह: आज दोपहर के बाद शुभ समाचार मिलने की संभावना है। कारोबार में उत्तम धन लाभ हो सकता हैं। रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धैर्यपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कन्या: आज कारोबारी लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। नए घर या जमीन में निवेश सकते हैं। संतान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। दूसरों की बातों को अधिक तूल न दें।

तुला: आज अनावश्यक खर्चे नियंत्रित कर पाएंगे। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए। आपके काम रुक-रुक कर होंगे। शत्रु पक्ष अचानक से आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकता है। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें।

वृश्चिक: आज अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें। आपको अपने मान-सम्मान की चिंता रहेगी। रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे।

धनु: आज इस समय सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हैं। आपके एक अच्छे मित्र की भूमिका निभाएगा। अपना मन प्रत्येक स्थिति में शांत रखें। जीवनसाथी घर के लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

मकर: आज किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से निश्चिंत होंगे। यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था, तो वह दूर हो जाएगा। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान और आदर का भाव उत्पन्न होगा।

कुंभ: आज गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। प्रेम संबंधी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। मित्रों के परामर्श पर गंभीरता से ध्यान दें। संतान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है।

मीन: आज निजी रिश्तों को लेकर गंभीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। इस समय नया कार्य आरंभ करना उचित नहीं है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं। योग और प्राणायाम करना उत्तम होगा।

आज का पंचांग

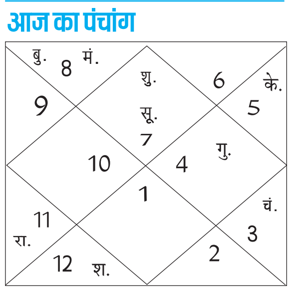

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- आर्द्रा 20.04 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू -155

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			3	4	
4	5							
	4	5					7	8
9								5
	1	7					9	6
							6	9
	6	2	3					

सुडोकू - 154 का हल

8	1	7	4	6	5	2	9	3
4	2	5	1	9	3	6	7	8
6	3	9	2	7	8	1	5	4
5	9	6	3	2	1	8	4	7
3	7	4	6	8	9	5	1	2
1	8	2	7	5	4	3	6	9
2	5	8	9	4	6	7	3	1
9	6	1	8	3	7	4	2	5
7	4	3	5	1	2	9	8	6

"ऋचा घोष ने राज्य को गौरवान्वित किया है। मुझे उम्मीद है कि वह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी और एक दिन भारतीय महिला टीम की कप्तान बनेंगी। ऋचा को सम्मानित करने से हमें अति प्रसन्नता हो रही है।
–सौरव गांगुली

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के सेमीफाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ रिटर्न करती हुईं। एजेंसी

सबालेंका और रिबाकिना में होगा खिताबी मुकाबला

रियाद (सऊदी अरब)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रिबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया।

टोक्यो बधिर ओलंपिक के लिए दल की घोषणा

नई दिल्ली। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोक्यो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) के लिए 73 खिलाड़ियों सहित 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। भारतीय खिलाड़ी 11 खेल एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है। इसका खर्चा सरकार वहन करेगी।

रविंदर बने फ्री पिस्टल विश्व चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी टीम को अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैम्पियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले ही दिन शानदार शुरुआत मिली, जब रविंदर सिंह ने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया। इसके बाद दो बार की ओलंपियन और एशियाई ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

राहुल वी एस भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को नौ राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गये हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा राहुल वी एस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती

बारिश के कारण पांचवां मुकाबला रद्द, मैच रोके जाने तक टीम इंडिया ने बना लिए थे बगैर विकेट खोए 52 रन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

भारत ने शनिवार को यहां बारिश के कारण पांचवां और अंतिम मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

गाबा मैदान पर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (13 गेंद में नाबाद 23 रन) और शुभमन गिल (16 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ आक्रामक शुरुआत की। लेकिन बिजली चमकने से खेल रुक गया, तब भारत ने 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई जिससे मैच रद्द करना पड़ा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पास खतरनाक अभिषेक को जल्दी आउट करने के मौके थे लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। ग्लेन मैक्सवेल ने शुरुआती ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज का एक आसान कैच छोड़ दिया, जबकि चौथे ओवर में जब अभिषेक 11 रन पर थे तब बेन ड्वारशुइस ने उनका कैच टपका दिया। तीन गेंद बाद अभिषेक ने मिडविकेट पर एक जोरदार छक्का लगाकर भारतीय प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। सीरीज का पहला टी-20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था। भारत ने तीसरे और चौथे मैच में क्रमशः पांच विकेट और 48 रन से जीत हासिल करते हुए जबरदस्त वापसी की।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श भारतीय टीम से हुए प्रभावित

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने महत्वपूर्ण मौकों पर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए अपनी टीम की गहराई और अनुकूलन क्षमता की प्रशंसा की। मार्श ने कहा मुझे याद नहीं कि पिछली बार जब हम खेले हों तो बारिश ने इतनी बार खलल डाला हो। वैसे यह शानदार सीरीज थी। भारत ने निश्चित रूप से अहम समय में मैच जीते, उन्हें बधाई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस दौरे से उनकी टीम को अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन को परखने में मदद मिली।

मैंने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए खुद को अच्छी तरह तैयार किया : अभिषेक

ब्रिस्बेन : अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलियाई चुनौती का सामना करने के लिए महीनों तक 'मानसिक और तकनीकी रूप से' खुद को तैयार किया जिसका नतीजा भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के बाद इस युवा सलामी बल्लेबाज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। शीर्ष क्रम में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि वह लंबे समय से उछाल भरी ऑस्ट्रेलियाई पिचों और उच्च-स्तरीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्सुक थे। अभिषेक ने पांच मैच में 163 रन बनाए जबकि दो मैच बारिश के कारण रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी-20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा मैं इस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तो मैं बहुत उत्साहित था। उन्होंने कहा अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं खुद को इस तरह के गेंदबाजों और परिस्थितियों के लिए तैयार करना चाहता था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी तैयारी विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर केंद्रित थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से भारतीय खिलाड़ियों के लिए चीजें थोड़ी आसान हो गई थीं तो अभिषेक ने कहा अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। उनकी बल्लेबाजी के अति-आक्रामक रवैये के बारे में पूछने पर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी दी।

अभिषेक शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के रूप में सम्मानित किया गया। एजेंसी

कप्तान ने गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा जिस तरह से सभी ने योगदान दिया और जिस तरह से हमने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की, उसका श्रेय सभी खिलाड़ियों को जाता है। यह बल्ले, गेंद और मैदान में भी अच्छी श्रृंखला रही। तेज गेंदबाज और स्पिनर, दोनों ही अपना काम बखूबी जानते हैं। सूर्यकुमार ने कहा बुमराह और अर्शदीप की जोड़ी बेहद खतरनाक है। और फिर अक्षर और वरुण भी अच्छा कर रहे हैं। और वाशी (वाशिंगटन सुंदर) ने आखिरी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। अब वे काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे उन्हें फायदा मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी श्रृंखला भारत को अगले साल घरेलू टी20 विश्व कप के लिए अच्छी तरह तैयार करेगी। सूर्यकुमार ने कहा यह एक अच्छा सरदर्द है, कई खिलाड़ी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। तीन मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ खेलना विश्व कप से पहले एक शानदार तैयारी होगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना चुनौतीपूर्ण, लेकिन रोमांचक होगा। सूर्यकुमार ने कहा मैंने हाल में देखा कि महिला टीम ने भारत में विश्व कप जीता, दर्शकों का अविश्वसनीय समर्थन मिला। यह एक अच्छी चुनौती और रोमांचक टूर्नामेंट होगा, लेकिन यह अब भी बहुत दूर है। दो और श्रृंखला बाकी हैं।

माधव और आर्यन के नाबाद शतक से उत्तर प्रदेश मजबूत

रणजी ट्रॉफी

- नागालैंड के खिलाफ मुकाबले के पहले दिन एक विकेट पर बनाए 301 रन
- कौशिक 120 और जुयाल 118 रन बनाकर क्रीज पर डटे, आज बन सकता है बड़ा स्कोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

रन के लिए दौड़ते माधव कौशिक व आर्यन जुयाल। अमृत विचार

अमृत विचार। शीर्ष बल्लेबाज माधव कौशिक और विकेट कीपर आर्यन जुयाल के नाबाद शतकों के दम पर मेजबान उत्तर प्रदेश ने नागालैंड के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

शनिवार को ग्रीनपार्क मैदान में खेले गए रणजी मुकाबले के पहले दिन उप्र ने नागालैंड के खिलाफ पहले दिन 90 ओवर में एक विकेट पर 301 रन बनाए। विकेट पर इस समय माधव 120 और आर्यन 118 रन बनाकर खेल रहे हैं। उप्र का एकमात्र विकेट अभिषेक गोस्वामी (55) का गिरा।

सीजन में तीन मुकाबलों में सात अंक लेकर एलीट ग्रुप-ए में पांचवें स्थान पर चल रही उत्तर प्रदेश की टीम शनिवार को नागालैंड के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से उतरी। कप्तान करण शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ओपनर अभिषेक गोस्वामी और माधव कौशिक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी की। 37.5 ओवर में इम्लीवति ने अभिषेक को क्लीन बोल्ड कर टीम को पहली सफलता दिलायी। अभिषेक 100 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। माधव ने पहले पायदान पर उतरे आर्यन के साथ मिलकर नागालैंड के गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लेते हुए टीम को बड़े स्कोर की राह दिखायी। दोनों बल्लेबाजों ने दिन का खेल खत्म होने तक बिना किसी अन्य नुकसान के 183 रनों की नाबाद साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 301 रनों तक पहुंचा दिया है।

विश्व शतरंज में हरिकृष्णा व प्रणव अंतिम 32 में पहुंचे

पणजी : भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और वी प्रणव ने शनिवार को यहां दूसरे राउंड की दूसरी बाजी के अंत में क्रमशः बेल्जियम के डेनियल दर्दा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 अंकों से हराकर विश्व शतरंज कप के अंतिम 32 चरण में जगह बना ली।

टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले हरिकृष्णा कद बनाने वाले पहले भारतीय बन गए क्योंकि दर्दा शुरुआती गेम में सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद प्रभावित नहीं कर सके। प्रणव ने भी काले मोहरों से स्ट्रेमाविसियस को बराबरी पर रोकने के बाद सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। दिप्तयान घोष हालांकि अर्मेनिया के गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ अपनी लय खोकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पिछले दौर में रूस के इयान नेपोमनियाची को हराने वाले इस खिलाड़ी ने पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद दिप्तयान दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए। बेहतर रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानानंदा ने भी क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन और आर्मेनिया के रॉबर्ट को हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई।

ध्रुव जुरेल ने भारत ए के लिए जड़ा लगातार दूसरा शतक

बेंगलुरु, एजेंसी

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

- टेस्ट टीम के लिए मजबूत किया अपना दावा
- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ 416 रनों की बढ़त

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दूसरी पारी में लगातार दूसरा शतक जड़कर भारतीय टेस्ट एकादश में अपनी जगह पक्की करने की तरफ कदम बढ़ाने के साथ भारत 'ए' की स्थिति मजबूत कर दी। जुरेल (नाबाद 127) ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे (84) के साथ 184 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ए ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी जिससे टीम की कुल बढ़त 416 रन की गई।

दक्षिण अफ्रीका ए ने स्टंप्स के समय बिना किसी नुकसान के 25 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। स्टंप्स के समय लेसेगो सेनोक्वेन (नौ) और जॉर्डन हरमन (15) क्रीज पर थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट श्रृंखला में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जुरेल ने टीम में इस भूमिका को निभाते हुए दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा था। पंत के चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक जड़ने वाले जुरेल अंतिम एकादश में अपनी जगह बरकरार रखें। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। जुरेल ने दमदार रक्षात्मक खेल के दम पर एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

पंत चोट के बावजूद बल्लेबाजी के लिए लौटे

बेंगलुरु : भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोरांकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया था। पंत जब रिटायर हर्ट हुए तब वह 22 गेंद में 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

ऋचा बंग भूषण पुरस्कार से सम्मानित

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य ऋचा घोष को बंग भूषण पुरस्कार प्रदान किया। एजेंसी

विश्व कप विजेता विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को शनिवार को ईडन गार्डन्स में एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें बंग भूषण पुरस्कार, पुलिस उपाधीक्षक पद और सोने की एक चेन भेंट की। ईडन गार्डन्स में इस समारोह का आयोजन करने वाले बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने उन्हें 34 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जो विश्व कप फाइनल में उनके द्वारा बनाए गए प्रत्येक रन के लिए एक लाख रुपये के हिसाब से है।

इस तरह ऋचा बंगाल की पहली विश्व कप विजेता क्रिकेटर बनीं। 2003 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद सौरव गांगुली भारतीय कप्तान के रूप में यह खिताब जीतने से चूक गए थे। ऋचा ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 24 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन की पारी खेली। सीएबी ने उन्हें एक सुनहरा बल्ला और गेंद भेंट की जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशंसकों और गणमान्य व्यक्तियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच व्यक्तिगत रूप से बंग भूषण पदक, डीएसपी नियुक्ति पत्र और सोने की चेन सौंपी। बंग भूषण और बंग विभूषण पुरस्कार पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा स्थापित सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं जो कला, संस्कृति, साहित्य, लोक प्रशासन और सार्वजनिक सेवा सहित मानव प्रयास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं।

महिला क्रिकेटरों का ब्रांड मूल्य बढ़ा

नई दिल्ली : भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है।

स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं।

गतिरोध हटा

आईसीसी ने मोहसिन नकवी और बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया में कराई बात

एशिया कप ट्रॉफी का खत्म होगा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने दुबई में आईसीसी की बैठक के इतर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से मुलाकात के बाद पीटीआई को बताया कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर गतिरोध दूर करने में कामयाब रहे हैं और आने वाले दिनों में इसका कोई उचित समाधान निकालने की दिशा में काम किया जाएगा।

नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने भारत को एशिया कप ट्रॉफी नहीं सौंपी क्योंकि विजेता भारतीय टीम ने उनके भारत विरोधी रवैये के कारण उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 28 सितंबर को दुबई में हुए टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

सैकिया ने शनिवार को पीटीआई से कहा मैं आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की अनौपचारिक और औपचारिक दोनों बैठकों का हिस्सा था। पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी मौजूद थे। औपचारिक बैठक के दौरान यह एजेंडा में नहीं था, लेकिन आईसीसी ने अपने एक सीनियर पदाधिकारी और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में मेरी और पीसीबी प्रमुख के बीच अलग से बैठक कराई। उन्होंने कहा बातचीत की प्रक्रिया शुरू करना वाकई अच्छा रहा। दोनों पक्षों ने आईसीसी बोर्ड बैठक के दौरान हुई बैठक में सौहार्दपूर्ण ढंग से भाग लिया। सैकिया ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समाधान निकाल लिया जाएगा। बीसीसीआई सचिव ने हालांकि आईसीसी के किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और सीईओ संजोग गुप्ता ने दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच चर्चा शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विकल्पों पर काम किया जाएगा : सैकिया

बीसीसीआई के सचिव सैकिया ने कहा निश्चित रूप से यदि चीजें सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ती हैं तो इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। दोनों पक्ष जल्द इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कुछ न कुछ करेंगे। अब गतिरोध दूर हो चुका है इसलिए विभिन्न विकल्पों पर काम किया जाएगा। दूसरे पक्ष के पास भी विकल्प होंगे और हम इस मुद्दे को सुलझाने और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के विकल्प पर विचार करेंगे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस विवाद को सुलझाने के लिए आईसीसी एक विवाद समाधान समिति गठित करेगी लेकिन उन्होंने इससे इनकार किया।